

: 76,024.51 : 23,165.70

114.0

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

O BRIEF NEWS विमान ईंधन और

कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम घटे

NEW DELHI : सार्वजनिक क्षेत्र की खुदरा ईंधन कंपनियों ने विमान ईंधन और कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम में मंगलवार को कटौती की। एटीएफ के दाम में 6.1 प्रतिशत की बड़ी कटौती की गयी जबिक होटल और रेस्तरां में उपयोग किये जाने वाले 19 किलोग्राम के कॉमर्शियल सिलेंडर कीमत 41 रुपये घटाई गई है। सार्वजनिक क्षेत्र की खुदरा ईंधन कंपनियों के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमत 5.870.54 रुपये प्रति किलोलीटर यानी 6.15 प्रतिशत घटकर 89,441.18 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है।

मार्च में जीएसटी संग्रह १.९६ लाख करोड़ से हुआ अधिक

NEW DELHI: सकल जीएसटी संग्रह मार्च में 9.9 प्रतिशत बढ़कर 1.96 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। मंगलवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) का घरेलू लेनदेन से राजस्व 8.8 प्रतिशत बढ़कर 1.49 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबिक आयातित वस्तओं से राजस्व 13.56 प्रतिशत बढ़कर 46,919 करोड़ रुपये रहा। मार्च के दौरान कुल ह्यरिफंडह्न 41 प्रतिशत बढ़कर 19,615 करोड़ रुपये हो गया। रिफंड समायोजित करने के बाद मार्च, 2025 में शुद्ध जीएसटी राजस्व 1.76 लाख करोड रुपये से अधिक रहा, जो एक वर्ष पहले इसी महीने की तुलना में 7.3 प्रतिशत अधिक है।

पूर्वजों से मिली विरासत, परंपरा व संस्कृति को हमें रखना है संरक्षित : हेमंत सोरेन

राज्य के छात्र–छात्रा सिर्फ अपनी पढ़ाई की करें चिंता, उत्तम व्यवस्था करेगी सरकार केंद्री सारेन ने भी विधि–विधान से की पूजा–अर्चना

आदिवासी कॉलेज छात्रावास के सरहुल पूजा महोत्सव में शामिल हुए मुख्यमंत्री

मंगलवार को झारखंड की राजधानी रांची सहित पूरे झारखंड में हर्षोल्लास और उमंग के साथ प्रकृति पर्व सरहुल मनाया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आदिवासी कॉलेज छात्रावास परिसर, करमटोली में आयोजित सरहुल पूजा महोत्सव में शामिल हए। उन्होंने अपने संबोधन में कहा- पर्व- त्योहारों से हमारी परंपरा, सभ्यता- संस्कृति और आस्था जुड़ी है। इससे जीवन में उमंग, उत्साह तथा उल्लास का संचार होता है। इसी कड़ी में हम सालों से परंपरानसार सरहल पर्व

मनाते आ रहे हैं। हमारे पूर्वजों ने

इस प्रकृति पर्व की परंपराओं को

अक्षण्ण एवं मजबती दी है। हमें

लगांकर प्रकृति से जुड़े रहने और प्रेम करने का दिया संदेश

कहा- विद्यार्थियों को बेहतर व्यवस्था देने के लिए छात्रावासों का हो रहा जीर्णोद्धार

झारखंड के बेहतर

भविष्य के लिए आने वाले 25 वर्ष को ध्यान में रखकर बढना है आगे राज्य के विकास,

सुख-समृद्धि एवं शांति के लिए संबको एकजुट होकर करना होगा काम



पौधारोपण करते सीएम

और आगे ले जाना है। मुख्यमंत्री की कामना की। मुख्यमंत्री ने की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बढ़ना है। मौके पर कृषि मंत्री े न यहां पारंपरिक विधि-विधान से परिसर में सखुआ का वृक्ष लगाकर झारखंड के बेहतर भविष्य के लिए शिल्पा नेहा तिर्की और विधायक पजा-अर्चना कर राज्य के प्रकृति से जड़े रहने और प्रेम करने आने वाले 25 वर्षों को ध्यान में कल्पना सोरेन ने भी पारंपरिक

दो मालगाड़ियां आपस में टकराईं, दो की मौत

का संदेश दिया। सरहुल महापर्व रखकर योजनाबद्ध तरीके से आगे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की।

खुशियों को बांटने का मिला मौका

मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी कॉलेज छात्रावास परिसर में हर वर्ष धूमधाम से . सरहुल का त्योहार मनाया जाता है। इस वर्ष भी मुझे सरहुल महोत्सव में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। यहां आकर आप सभी के साथ खुशियों को बांटने का मौका मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि यहां हम प्रकृति को संरक्षित रखने और अपनी परंपराओं को लेकर आगे बढने का एक संकल्प लेते हैं। हमारा संकल्प पूरा हो, इस दिशा में हमें सदैव प्रयास करते रहना चाहिए।

सभ्यता-संस्कृति के लिए भी निकालें समय मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हमारी जिंदगी काफी व्यस्त हो चुकी है।

लोगों के पास वक्त कम हैं, फिर भी विरासत में मिली अपनी परंपरा एवं सभ्यता–संस्कृति से जुड़े रहने के लिए वक्त जरूर निकालें। यह हमारी आने वाली पीढी की बेहतरी के लिए जरूरी है। इससे आपसी रिश्ते मजबत होते हैं और पर्व-त्योहारों का

पर भी की पूजा-अर्चना मख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रांची के सिरमटोली स्थित सरना स्थल पर आयोजित पूजा कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने पारंपरिक विधि-विधान से पूजा अर्चना की और राज्य के सर्वागीण विकास, सुख, समृद्धि एवं शांति की कामना की। पूजन कार्यक्रम के बाद वहां उपस्थित आदिवासी समुदाय के लोगों ने काली पट्टी

रैंप का विरोध किया।

सिरमटोली सरना स्थल

विरासत में मिली इस परंपरा को विकास, सुख-समृद्धि एवं शांति लोकसभा में आज पेश होगा वक्फ संशोधन विधेयक, ८ घंटे का समय तय

AGENCY NEW DELHI : केंद्र सरकार वक्फ संशोधन विधेयक बधवार को लोकसभा में पेश करेगी। कार्य मंत्रणा समिति ने इसके लिए 8 घंटे का समय तय किया है। विधेयक को प्रश्न काल के तुरंत बाद पेश किया जाएगा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को लोकसभा की कार्य मंत्रणा समिति की बैठक के बाद बताया कि सरकार 2 अप्रैल को वक्फ संशोधन विधेयक लोकसभा में पेश करेगी। इस पर चर्चा के लिए 8 घंटे का समय निर्धारित किया गया है। अध्यक्ष ने आश्वासन दिया है कि सदन की सहमति होने पर इस समय को आगे बढ़ाया जा सकता है। विधेयक का विरोध कर रहे विपक्ष

भाजपा और सपा ने जारी किया व्हिप

वक्फ संशोधन विधेयक के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी ने अपने सभी लोकसभा सदस्यों को बुधवार को सदन में उपस्थित रहने के लिए व्हिप जारी किया है। भाजपा ने मंगलवार को व्हिप जारी कर पार्टी के सभी लोकसभा सदस्यों को बुधवार (२ अप्रैल) को सदन में उपस्थित रहने के लिए कहा है।

पर निशाना साधते हुए संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि उनके बहाना बनाकर सदन से वाकआउट करने पर भी चर्चा जारी रहेगी।

मंगलवार की सबह साहिबगंज जिले के बरहेट इलाके में एक बडा रेल हादसा हो गया. जब दो मालगाड़ियां आपस में टकरा गईं। इस भीषण दुर्घटना के कारण दोनों गाड़ियों के इंजन के चीथड़े उड़ गए और आग लग गई। हादसे में दो लोको पायलटों की मौत हो गई, जबिक चार रेलकर्मी और एक सीआईएसएफ जवान घायल हो गए। यह हादसा तब हुआ, जब फरक्का से ललमटिया जा रही एक मालगाडी बरहेट में खडी दसरी मालगाडी से टकरा गई। टक्कर के बाद दोनों गाडियों में आग लग गई, जिससे बचाव कार्य में काफी समय लगा। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने



इस दुर्घटना ने न केवल जान-माल का नकसान किया, बल्कि रेल संचालन को भी प्रभावित किया। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि रेल लाइन को ठीक करने में 2 से 3 दिन का समय लग सकता है। फिलहाल, रेलवे लाइन पर परिचालन रोक दिया गया है और हादसे की पूरी जांच की जा रही है।

कड़ी मशक्कत के बाद आग को बुझाया, लेकिन तब तक बहुत देर चुकी थी। एक शव को

अस्पताल भेजा गया, जबकि दुसरे शव को मालगाड़ी में फंसा हुआ पाया गया। घायलों को पास के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती किया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। प्रशासन ने घटना की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि दोनों गाड़ियां एक

नहीं रहे हिंदी के प्रख्यात साहित्यकार डॉ. कमल किशोर गोयनका

ही पटरी पर कैसे आ गईं।

NEW DELHI : हिंदी के प्रख्यात लेखक और उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद के साहित्य के सर्वोत्तम विद्वान शोधकर्ता डॉ. कमल किशोर गोयनका का मंगलवार को निधन हो गया। उनके बेटे



संजय ने बताया कि उन्होंने 87 वर्ष की उम्र में दिल्ली के फोर्टिस

🌯 अस्पताल में सुबह लगभग 7:30 अंतिम सांस ली। उनके छोटे पुत्र राहुल विदेश में हैं। इसलिए उनका अंतिम संस्कार कल किया जाएगा। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में 11 अक्टूबर 1938 को जन्मे कमल किशोर गोयनका को वर्ष 2014 के लिए 24वें व्यास सम्मान से अलंकृत किया गया था।

गुजरात के बनासकांठा में पटाखा गोदाम में आग लगने से 18 लोगों की मौत, पांच घायल

मध्य प्रदेश के मजदूर और उनके परिवार के सदस्य थे मृतक

ही खुशी मिलती है।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने की मृतकों के परिवारों को चार लाख व घायलों को ५० हजार रुपये सहायता देने की घोषणा

PALANPUR@PTI: मंगलवार को गुजरात के बनासकांठा जिले में एक पटाखा गोदाम में आग लगने और इमारत के कुछ हिस्से ढहने से 18 लोगों की जान चली गई और पांच अन्य लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह घटना सुबह करीब नौ बजकर 45 मिनट पर डीसा कस्बे के पास स्थित गोदाम में हुई। पुलिस अधीक्षक अक्षयराज मकवाना ने बताया,इस घटना में 18 लोगों की मौत हो गई तथा भीषण विस्फोट के बाद इमारत का स्लैब ढह जाने से पांच अन्य घायल हो गए। उन्होंने कहा कि मृतक मध्य प्रदेश के

मजदूर और उनके परिवार के

सदस्य थे तथा उनमें से अधिकतर

की मौत स्लैब गिरने से हुई। मकवाना ने बताया कि यह इकाई पटाखों के भंडारण के लिए थी और अभी तक इस बात का कोई सराग नहीं मिला है कि वहां पटाखे बनाए जा रहे थे। इससे पहले अधिकारियों ने कहा था कि यह एक फैक्टरी है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने घटना पर दुख व्यक्त किया और मृतकों के परिवारों को चार लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। पटेल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, डीसा में एक पटाखा गोदाम में आग लगने और स्लैब गिरने से श्रमिकों की मौत की घटना दिल दहला देने वाली है।

बंगाल में अवैध पटाखा कारखाने में विस्फोट एक ही परिवार के आढ सदस्यों की मौत

KOLKATA : पश्चिम बंगाल के दक्षिण २४ परगना जिले के पाथरप्रतिमा इलाके में सोमवार की देर रात एक पटाखा कारखाने में हुए भीषण विस्फोट में एक ही परिवार के आढ सदस्यों की मौत हो गई। मरने वालों में चार बच्चे भी शामिल हैं, जिनमें दो की उम्र एक साल से भी कम थी। घटना के बाद प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उस घर में लंबे समय से अवैध पटाखे बनाए जा रहे थे। ढोलाहाट थाना क्षेत्र के दक्षिण रायपुर इलाके में जोरदार धमाकों के साथ आग लग गई। विस्फोट के कारण घर भीषण आग लग की चपेट में आ गया, जिससे परिवार के आढ सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई। मरने वालों में 65 वर्षीय अरविंद बनिक, 80 वर्षीय प्रभावती बनिक, 28 वर्षीय सांत्वना बनिक, नौ साल का अर्णब बनिक, आठ महीने की अस्मिता बनिक, छह साल की अनुष्का बनिक और छह महीने का अंकित बनिक शामिल हैं। वहीं, तुषार बनिक की पत्नी रूपा बनिक गंभीर रूप से झूलस गई थीं, लेकिन बाद में उनकी भी मौत हो गई।

सेहत की चिंता मौसम में हो रहे लगातार परिवर्तन के कारण और बढ़ेगा प्रदूषण

>>> जियोहेल्थ जर्नल में सभी

विस्तृत रिपोर्ट

परिस्थितियों का आकलन

>>> 2322 मरीजों के हार्ट अटैक

के आंकड़ों का व्यापक स्तर

पर किया गया है विश्लेषण

करते हुए प्रकाशित की गई है

हवा में ओजोन की सघनता से युवाओं में बढ़ा हार्ट अटैक का खतरा

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK: कार्बन डाइऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड की वृद्धि से ही वायु प्रदूषण नहीं होता, बल्कि ओजोन गैस की मात्रा बढ़ने से भी यह स्थिति गंभीर हो रही है। ओजोन परत पृथ्वी पर जीवों की रक्षा करती है, लेकिन हवा में ओजोन गैस की सघनता के कारण हृदय संबंधी बीमारियां गंभीर संकट बनने की स्थिति में हैं। हाल में हुए रिसर्च से यह महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है कि इसकी वजह से भविष्य में युवाओं में हार्ट अटैक का खतरा बढ़ गया है। जियोहेल्थ जर्नल में प्रकाशित नए शोध के अनुसार, मौसम में हो रहा बदलाव ओजोन निर्माण के अनुकूल वातावरण बनाकर दुनियाभर में प्रदूषण बढ़ाएगा। ओजोन के बढ़ते स्तर से हृदय रोगों की आशंका बढ़ती है। जलवायु में परिवर्तन और वैश्विक आबादी की उम्र बढ़ने के कारण भविष्य में हृदय संबंधी बीमारियों में और वृद्धि हो सकती है। शोध के अनुसार, ओजोन एक गैस है, जो फोटोकेमिकल स्मॉग का मुख्य घटक है। यह सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी किरणों को

अवशोषित करने वाली ओजोन परत से अलग है।

जीवाश्म ईंधन अधिक जलाने के कारण उत्सर्जित प्रदुषक पैदा कर रहे गंभीर स्थिति ७०% महिला मरीजों

अमेरिका में किए गए शोध में 18 से 55 वर्ष की आयु के 2322 मरीजों के हार्ट अटैक के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। इनमें लगभग 70 फीसदी महिलाएं थीं, जिन्हें पिछले शोधों में विशेष महत्वं नहीं दिया गया था। शोधकताओं ने मरीजों के निवास स्थान के आसपास के ओजोन और पीएम 2.5 (2.5 माइक्रोमीटर या उससे छोटे सूक्ष्म कण) के स्तर की तुलना हार्ट अटैक की घटनाओं से

की। इसके अलावा विभिन्न प्रकार के

हार्ट अटैक का विश्लेषण किया गया।

की एनालिसिस

≫ अमेरिका में हुए नए अध्ययन में 18 से 55 साल की आयु के मरीज किए

गए हैं शामिल

अधिक ओजोन निर्माण के अनुकूल बन रहा वातावरण भविष्य के लिए बड़ा संकट

» डब्ल्यूएचओ की तय सीमा से कम ओजोन स्तर भी हृदय रोगियों के लिए खतरनाक ओजोन के हाई लेवल का प्रभाव शोध के निष्कर्षों से यह पता चला है कि ओजोन का उच्च स्तर चार से पांच दिन बाद हार्ट अटैक की घटनाओं में वृद्धि से जुड़ा हुआ था, हालांकि पीएम २.५ का इससे कोई संबंध नहीं मिला। हालांकि कम रक्तचाप जैसी स्थितियों के चलते ऑक्सीजन की आपूर्ति बाधित होने और बिना सेगमेंट एलिवेशन मायोकार्डियल इन्फार्क्शन (एसटीईएमआई) मामलों में ओजोन का प्रभाव अधिक स्पष्ट रूप से देखा गया। एसटीईएमआई हार्ट अटैक के साथ ओजोन का कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं पाया गया। एसटीईएमआई यानी विडोमेकर हार्ट अटैक दिल का गंभीर दौरा होता है, जो पूरी तरह से अवरुद्ध कोरोनरी धमनी के कारण होता है। हृदय के निचले कक्षों में विद्युत पवाह को प्रभावित करता है।

शराबी पति ने पत्नी की धारदार हथियार से की हत्या, बेटे को लेकर हुआ फरार

बंजारी पंचायत के सिरहा गांव में हुई घटना से फैल गई सनसनी पिता ने पुत्र को कुल्हाड़ी से मार डाला, गिरपतार

जिले के उंटारी रोड थाना क्षेत्र के लहर बंजारी पंचायत के सिरहा गांव में एक शराबी पति ने अपनी पत्नी की धारदार हथियार से हत्या कर दी एवं एक वर्षीय बेटे को लेकर फरार हो गया। सूचना पर उंटारी रोड थाना पुलिस मौके पर पहुंची एवं छानबीन में जुट गयी है। आरोपित की मां मानवती कुंवर के अनुसार सोमवार रात करीब 9 बजे रंजीत यादव (27) शराब के नशे में धुत होकर घर आया और पत्नी रिंकी देवी (25) से झगड़ा करने लगा। अचानक घर में रखे धारदार हथियार (टांगी) से रिंकी के ऊपर वार कर दिया, जिससे रिंकी जमीन पर गिर गई। इसी बीच वह एक वर्षीय



घटनास्थल पर जुटे ग्रामीण

चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों ने मंगलवार को बताया कि रंजीत यादव की शादी दो वर्ष पर्व पलाम के छतरपर लठैया के निकट तरीपर

गांव में हुई थी। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि रंजीत यादव नशा करने के आदी था। प्रत्येक दिन शराब के नशे में चूर रहता था। स्थानीय थाने की पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। मृतका के पिता नसीब यादव ने बताया कि कुछ दिन पहले रिंकी और उसके

पति के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। मारपीट भी हुई थी। बाद में परिवार के बीच समझौता हो गया था। पुलिस ने मृतका के पिता के बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पलिस आरोपित की तलाश में

पिता ने शराब के नशे में धुत

होकर अपने ही पुत्र की कुल्हाड़ी से मारकर हत्या कर दी। घटना जिले के जामा थाना क्षेत्र के तरबंधा गांव की है। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अजीत कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच घटना का जायजा लिया। मृतक की पहचान 30 वर्षीय रमेश राय के रूप में हुई है। घटना को लेकर मृतक की पत्नी पंचवती देवी ने बताया कि देर रात में 50 वर्षीय मेरे ससुर मदन राय घर पर आया और पुरानी जमीन विवाद को लेकर झगड़ा करने लगा। इसी बीच गांव के लोग आये और समझा बझा कर चले गये। उसके बाद फिर



यज्ञ को लेकर निकली महिलाओं के जुलूस पर

घटना का पंचनामा तैयार करते पुलिस पदाधिकारी

अचानक पिता मदन राय ने घर से कुल्हाड़ी निकाला और ताबड़तोड़ प्रहार कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को ईलाज के लिए फुलों झानों मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। जहां से गंभीर स्थिति को लेकर डॉक्टरों ने इलाज के

रास्ते में उसकी मौत हो गयी। वहीं मामले को लेकर मंगलवार को थाना प्रभारी ने बताया कि घटना के बाद मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए दुमका भेजा गया है। घटना जमीन विवाद को लेकर बताया जा रहा है। घटना के बाद आरोपित पिता

• फोटोन न्यूज

मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनसार सरैयाहाट थाना क्षेत्र के कोठिया गांव के समीप ऑटो पलटने से ऑटो सवार थाना क्षेत्र के चिकनिया गांव निवासी ७० वर्षीय जगरनाथ ढाकुर की मौत मौके पर हो गई, जबकि उनकी पत्नी प्रेमलता देवी (62) को गंभीर स्थिति में देवघर रेफर किया गया। रास्ते उन्होंने ने भी दम तोड़ दिया। इसके अलावा थाना क्षेत्र के कोठिया में ही घटित एक अन्य सड़क दुर्घटना में थाना क्षेत्र के बाबूपुर गांव निवासी मुकेश यादव (२७) और कैलाश मांझी (54) गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जाता है कि दोनों हलवाई का काम करते हैं और किसी समारोह के लिए खाना बनाने का ऑर्डर लेकर बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान कोतिया के समीप बाइक एक ऑटो से टकर गई। दोनों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। तीसरा घटना हंसडीहा थाना क्षेत्र के बढ़ेत गांव की है। यह तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सडक किनारे पलट गई। दर्घटना मे बाइक सवार अनील सोरेन निवासी

ग्राम धमसूर थाना पोड़ैयाहाट घायल

हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती

तीन अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में दो की मौत, तीन घायल

थाना क्षेत्र में हुई तीन अलग-अलग

सड़क दुर्घटना में बुज़्र्ग दंपति की

BRIEF NEWS

टक की चपेट में आकर बाइक सवार की मौत



KODERMA: कोडरमा थाना अंतर्गत राजेंद्र चौक के पास मंगलवार की सुबह ट्रक की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान सेवानिवृत्त रेलकर्मी दुर्गा उर्फ दुर्गी पासवान (60) के रूप में हुई। वहीं घायल की पहचान रतन कुमार पाण्डेय (16) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार अपनी बाइक से दो लोग सवार होकर पूजा करने कोडरमा जा रहे थे। राजेंद्र चौक के समीप ट्रक(बीआर 01जीबी 3100) की चपेट में आने से बाइक सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को 108 की मदद से सदर अस्पताल लाया गया जहां इलाज चल रहा है। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने शव को राजेंद्र चौक के पास रखकर कोडरमा -गिरिडीह मुख्य मार्ग जाम कर दिया । मौके पर कोडरमा सीओ हलदर प्रसाद सेठी और कोडरमा थाना प्रभारी अरविंद कुमार पहुंच कर ग्रामीणों के साथ वार्ता करके अंतिम संस्कार के लिए कुछ राशि दिया गया। उन्होंने कहा कि सरकारी लाभ जो है सभी मिलेगा। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए कोडरमा सदर अस्पताल भेज दिया गया। तीन घंटे बाद सड़क जाम समाप्त हुआ।

रामनवमी को लेकर भगवामय हो गया खुंटी



KHUNTI: रामनवमी का त्यौहार आने में अभी भले ही चार दिन बाकी हैं, लेकिन पूरा खुंटी जिला रामनवमी को लेकर भगवामयहो गया है। जिला मुख्यालय सहित गांव गांव में महावीर झंपता का और झंडे लहरा रहे है। मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की जयंती के अवसर पर छह अप्रैल को जिला मुख्यालय सहित सभी प्रखंडों और गांव में रामनवमी की शोभायात्रा निकल जाएगी। इसके पूर्व पांच अप्रैल को विभिन्न जगहों पर अष्टमी का जलस भी निकाला जाएगा। केंद्रीय रामनवमी महासमिति खुंटी की अगुवाई में रामनवमी की शोभायात्रा निकाली जाएगी। खंटी के अलावा तोरपा, कर्रा, रनिया, मुरहू, अड़की प्रखंड मुख्यालय में भी रामनवमी की तैयारियां पूरी कर

दो बच्चियों के साथ की अश्लील हरकत, आरोपी ने खाया जहर

KODERMA : कोडरमा जिले के तिलैया थाना क्षेत्र में एक शर्मनाक घटना सामने आई है। यहां एक व्यक्ति ने दो बच्चियों के साथ अश्लील हरकत की। पीड़ित बच्चियों की उम्र 5 और 6 वर्ष है। वहीं आरोपित को जैसे ही पता चला कि उसे गिरफ्तार करने पुलिस उसके घर आ रही है उसने तुरंत कीटनाशक दवा खा ली। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पीड़ित बच्चियों की मां ने बताया कि उन्होंने अपनी दोनों बच्चियों को नरेश यादव उर्फ बाबू यादव के घर दुध लेने भेजा था। बच्चियां कुछ देर में लौट आईं और चुपचाप कमरे में बैठ गईं। जब बच्चियों को दोबारा दुध लेने भेजा, तब यह घटना हुई। उन्होंने बताया कि वह मंदिर जा रही थीं। इसी दौरान रास्ते में बच्चियों को



अस्पताल में इलाजरत आरोपी

आवाज लगाई तो बाबू यादव के घर से बचाओ-बचाओ की आवाज सुनाई दी। अंदर जाकर देखा तो आरोपित बच्ची का मुंह दबाए हुए था। उन्होंने शोर मचाया और आसपास के लोगों को इकट्ठा किया। बच्चियों ने बताया कि बाबू यादव ने उनके साथ जबरदस्ती की। जब पीड़िता के परिवार ने आरोपित से इस बारे में बात करनी चाही तो उसने धमकी दी। पीडिता

पथराव, तनाव के बाद स्थिति नियंत्रण में

जिले में एक धार्मिक जुलूस को निशाना बनाकर तनाव पैदा करने की कोशिश हुई है। कोडरमा थाना अंतर्गत चेचाई में होने वाले यज्ञ को लेकर भिक्षा के लिए सात गांव के भ्रमण पर निकली महिलाओं के जत्थे पर छतरबर में एक घर से पथराव किया गया। बताया जा रहा है कि एक विशेष समुदाय के लोगों ने पथराव किया है। घटना मंगलवार सुबह करीब 9 बजे की है। इस घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया। हालांकि पुलिस ने पहुंच कर माहौल को नियंत्रित कर लिया। ग्रामीणों ने बताया कि चेचाई देवी मंडप से कलश लेकर महिलाएं कलश लेकर भिक्षा के लिए इलाके में निकली थी। इसी दौरान



घटनास्थल पर तैनात पुलिस के जवान

की घटना हुई। इसमें एक कलश

फूट गया। 50- 60 महिलाएं

जुलूस में थी और घटना के बाद दूसरे इलाके के लिए महिलाएं निकल गई। यहां 9 से 17 अप्रैल तक यज्ञ होना है। महिलाओं को चेचाई, छतरबर, करमा, झुमरी, करियावर मैसौंधा, पुतो, कानूनगो

दक्षिण पूर्व रेलवे ने की रिकॉर्ड माल ढुलाई

JAMSHEDPUR : दक्षिण पूर्व रेलवे जोन ने वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान माल लोडिंग में नया कीर्तिमान बनाया है। जोनल स्तर पर अपनी पिछली उपलब्धियों को पीछे छोड़ते हुए इस वित्तीय वर्ष 2024-25 को 212.37 मिलियन टन के पूर्व रेलवे का अब तक का सबसे अधिक माल लोडिंग है। पिछले वर्ष की तुलना में, एसईआर ने मूल माल लदान में 0.36 प्रतिशत की वृद्धिं दर्ज की है। इसमे सबसे अधिक चक्रधरपुर डिवीजन और आद्रा डिवीजन ने भी माल परिवहन में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। वहीं चक्रधरपुर रेल डिवीजन ने भी अब तक की सबसे अधिक लोडिंग लक्ष्य हासिल किया है। चक्रधरपुर डिवीजन ने 154.04 मिलियन टन लदान किया है जो पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 3.25 प्रतिशत अधिक है। आद्रा डिवीजन ने 29.12 मिलियन टन लदान किया है, जो पिछले वित्तीय वर्ष की तूलना में 4.16 प्रतिशत अधिक है। 2024-25 के दौरान दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा माल लदान से राजस्व सृजन 18949.83 करोड रुपये (लगभग) है। इस उत्कृष्ट माल लदान प्रदर्शन में दक्षिण पूर्व रेलवे जोन ने एक दिन में अब तक का सबसे अधिक 1.78 मिलियन टन लोडिंग

बीघा होते हुए वापस चेचाई पहुंची। पत्थरबाजी किसने की, पुलिस पहचान करने में जुटी हुई है। गांव में पुलिस फिलहाल कैंप कर रही है। मामले की सूचना मिलने पर एसडीओ रिया सिंह, एसडीपीओ अनिल सिंह, डीएसपी मुख्यालय रतिभान सिंह, सीओ छत की निगरानी की जा रही है।

होल्डर सेठी, कोडरमा थाना प्रभारी अरविंद कुमार, तिलैया पुलिस जवान मौजूद हैं। ड्रोन कैमरे से भी छतरबर में हर घर के

अब रोशनी से जगमग होगा मेडिकल कॉलेज, मरीजों को नहीं होगी परेशानी

PHOTON NEWS DHANBAD : शाम होते ही अंधेरे में पसर जाने त्राला मेडिकल कॉलेज अब रोशनी से जगमग होगा। यहां आने वाले मरीजों को भी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। मेडिकल कॉलेज परिसर में चार जगहों पर हाई मास्ट और 24 जगहों पर स्ट्रीट लाइट लगने का काम शुरू हो गया है। इमरजेंसी के बाहर और सुपर स्पेशलिटी अस्पताल परिसर के पास हाई मास्ट लगाया जा रहा है। जबिक सभी सडकों के किनारे स्ट्रीट लाइट लगाई जा रही है। पर्याप्त रोशनी नहीं होने के कारण स्त्री एवं प्रसित रोग विभाग ओपीडी परिसर समेत अन्य जगहों पर शाम होते ही अंधेरा पसर जाता था। सुपर स्पेशलिटी अस्पताल से लेकर



सुपर स्पेशलिटी अस्पताल का मुख्य द्वार

मेडिकल कॉलेज का बनेगा नया गेट इधर मेडिकल कॉलेज परिसर में चारों ओर से बाउंड्रीवाल बनाया जा रहा है, जल्द

इसे पूरा किया जाएगा। इसके साथ ही अस्पताल का अपना नया मुख्य गेट तैयार किया जाएगा। वर्तमान में गेट काफी पुराना और जर्जर हो गया है। नए गेट में एंट्री प्वाइंट के साथ सुरक्षा कर्मियों को रहने की जगह होगी। इसका काम भवन प्रमंडल विभाग की ओर से किया जा रहा है। फिलहाल पुराने पोल शिफ्टिंग के लिए बिजली विभाग की ओर से यहां काम शुरू किया जाएगा।

धनबाद मेडिकल कॉलेज में भी जाकर विभिन्न जगहों पर लाइट की सुरक्षा और लाइट को लेकर

डॉक्टर से दुष्कर्म के मामले के बाद आंदोलन किया गया था। अब

कृषि उत्पादक कंपनी को उपायुक्त ने सौंपा ६,५९,००० रूपये का चेक



लामुकों को चेक प्रदान करतीं उपायुक्त नैन्सी सहाय

HAZARIBAG : उपायुक्त नैन्सी सहाय द्वारा कृषि उत्पादक कंपनी के निदेशकों को 6,59,000 रुपये का चेक प्रदान किया गया। जीटी भारत की टीम को उपायुक्त द्वारा निर्देश दिया गया कि वह बाकी कषि उत्पादक कंपनी को भी यह अनुदान दिलाने के लिए समर्थन दे। उन्होंने जीटी भारत के प्रयासों की सराहना की। इस दौरान जीटी भारत की तरफ से संजीव कुमार, रकम प्रशांत एवं दीपक चिकने उपस्थित रहे। एफपीसी से बिनेश कुमार दांगी,

अश्विनी कुमार, जयहिंद कुमार और श्याम नंदन किशोर उपस्थित रहे। यहां बता दें कि किष उत्पादक कंपनी या उत्पादक संघ किसानों का एक समूह होता है, जो किसानों को बाजार, टेक्नोलॉजी और पंजी तक बेहतर पहुंच प्राप्त करने में मदद करता है। इस प्रकार का उद्यम मूल रूप से एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी और एक सहकारी समूह का मिश्रण है, जो अपने किसान सदस्यों की सामूहिक बिजनेस गतिविधियों को सुविधाजनक बनाता है।

नवरात्र विशेष : चतरा के लेंबोइया पहाड़ पर स्थित है माता का भव्य मंदिर

यहां गिरी है माता सती के वाम नेत्र की पलक

पोस्ट ग्रेजुएट बिल्डिंग तक अंधेरा

रहता था। ज्ञात हो कि कोलकाता में

इन दिनों चैत्र नवरात्र चल रहा है। नवरात्र में यहां के प्रसिद्ध तीर्थस्थल लेंबोइया पहाड़ी मंदिर में दर्शन के लिए दूर-दूर से लोग पहुंचते हैं। यह मंदिर मन्नतों के लिए प्रसिद्ध है। मान्यता है कि लेंबोइया पहाड़ी में माता सती के वाम नेत्र की पलकें गिरी हैं। यह एक सिद्धपीठ स्थल है। यहां सदियों से नवरात्र के मौके पर मां भगवती की विधिवत पूजा-अर्चना की जाती है। लेंबोइया पहाड़ी चतरा जिले का प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है। लेंबोइया पहाड़ी में मां भगवती चामुंडा स्वरूप में विराजमान हैं। माता के दर्शन व पूजन के लिए दूर-दूर से लोग पहुंचते हैं। सोने व चांदी के नेत्र चढ़ाने की परंपरा भी यहां सदियों से चली आ रही है। आज भी लोग मन्नतें पुरी होने पर यहां मां को सोने व चांदी के बने नेत्र चढ़ाते हैं। पहाड़ी की चोटी में मां दक्षिणेश्वरी



मंदिर परिसर का बाहरी दृश्य व विराजमान माता की मूर्ति

देवी भगवती की प्रचंड मुद्रा में भव्य व दुर्लभ काले पत्थरों को तराश कर प्रतिमा बनी है। प्रतिमा आठवीं से दसवीं शताब्दी की बताई जाती है। इस मंदिर की खोज चरवाहों ने की थी। मां की प्रतिमा रण क्षेत्र में युद्ध करते हुए प्रचंड मुद्रा में है। मां की प्रतिमा में तीन मस्तक और सात नेत्र हैं। पैर के नीचे चंड और मुंड हैं। यहां मां की

पूजा वैष्णव विधि से की जाती है। सुबह से शाम तक यहां मां की आराधना की जाती है। वैसे तो साल भर यहां श्रद्धालू पहुंचते हैं लेकिन नवरात्र में यहां श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। दूर दराज से सैकड़ों लोग यहां पहुंचकर कलश स्थापना कर मां की आराधना करते हैं। नवरात्र के दिनों में यहां श्रद्धालुओं की भीड़

देखते ही बनती है। लेम्बोइया पहाड़ी में सदियों से शारदीय नवरात्र का आयोजन हो रहा है। रामगढ़ राजपरिवार के द्वारा यहां पूजा कराई जाती थी। पदमा राजा कामख्या नारायण सिंह के नाम पर प्रथम भोग व बली चढ़ाने की प्रथा थी। ब्रह्म ऋषि समाज माता की पूजा कुलदेवी के रूप में करते हैं। आसपास के क्षेत्र के हर शुभ कार्य

• फोटोन न्यूज

की शुरूआत ग्रामीण इसी मंदिर से करते हैं। प्रधान पुजारी बी. पांडेय ने बताया कि यह मंदिर कई प्राचीन परंपराओं और रहस्यों से भरा है। यहां का प्राकृतिक वातावरण लोगों को आकर्षित करता है। मुख्य मंदिर में मां भगवती की पांच फुट ऊंची प्रतिमा के अलावा कई देवी व देवताओं की प्राचीन प्रतिमाएं भी



रामगढ़ में निकली मंगला शोमायात्रा

AGENCY RAMGARH:

रामनवमी के पहले मंगलवार को रामगढ़ में भव्य मंगला शोभा यात्रा निकाली गई। इस शोभा यात्रा में जन सैलाब उमड़ा। जय श्री राम के नारों से पूरा शहर गूंज उठा। शहर के सिद्धु-कान्हू मैदान से शुरू हुई मंगला शोभा यात्रा बाजारटांड़, चट्टी बाजार, झंडा चौक, थाना चौक, मेन रोड, सुभाष

चौक होते हुए फुटबॉल ग्राउंड तक पहुंची। इस दौरान आकर्षक झांकी लोगों का मन मोह रही थी। शोभा यात्रा में रामगढ़ एसपी अजय कुमार भी शामिल हुए। उन्होंने जुलूस में शामिल लोगों को शांतिपूर्ण तरीके से जुलूस निकालने की बात कही। श्री श्री

रामनवमी महासमिति के अध्यक्ष धर्मेंद्र साह उर्फ भोपाली के द्वारा एसपी का स्वागत किया गया। इस मौके पर एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद,

रामगढ़ थाना प्रभारी कृष्ण कुमार सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे। कई स्थानों पर वितरित हुआ

प्रसाद: शोभा यात्रा में शामिल राम

भक्तों के बीच कई स्थानों पर प्रसाद का वितरण हुआ। बाजारटांड, चट्टी

बाजार, झंडा चौक में विभिन्न सामाजिक संगठनों के द्वारा अल्पाहार और प्रसाद की व्यवस्था की गई थी। पूरे रास्ते भक्तों पर अबीर, गुलाल और सिंदूर भी





PHOTON NEWS RANCHI: सरहुल शोभा यात्रायात्रा पूरी राजधानी रांची के विभिन्न स्थानों से धूमधाम से निकाली गई। इसमें सभी धर्म के लोगों ने हिस्सा लिया। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने सरहुल शोभायात्रा के सभी लोगों का स्वागत सरहुल गमछ माला पहनकर किया और एक दुसरे को गले लगा कर प्रेम और भाईचारे का संदेश दिया। मौके पर ईद की खुशी के साथ सरहुल की उमंग महसूस हुई। वर्षों से भिट्ठा बस्ती में सभी धर्म के लोग एक दूसरे के त्योहारों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते आए हैं। मुस्लिम समाज द्वारा स्टॉल लगाकर चना शरबत और पानी का वितरण किया गया। इस पावन खुशी के मौके पर अब्दुल आजाद, मुनव्वर आलम रिजवी, मोहम्मद जमील अंसारी, सरफराज उर्फ बीटानी फिरदौस जमा व मोहम्मद नैमूल सहित बस्ती के और भी बुद्धिजीवियों की उपस्थिति रही।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुख्य सचिव को लिखा पत्र

शराब दुकानों क<mark>ा संचालन</mark>

करने वाली दो ए<mark>जेंसियों के</mark>

O BRIEF NEWS लैक्मे फैशन वीक में डॉ. ख्याति ने लेटेस्ट तकनीक पर की चर्चा



RANCHI: डॉ. ख्याति मुंजाल ने लैक्मे फैशन वीक 2025 में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जो इस प्रतिष्ठित आयोजन के 25 वर्षों की शानदार यात्रा का प्रतीक था। फैशन वीक में उन्होंने मनीष मल्होत्रा, राहुल मिश्रा और अन्य प्रमुख डिजाइनर्स के साथ मुलाकात की और फैशन के नवीनतम ट्रेंड्स पर गहराई से चर्चा की। उन्होंने कहा कि फैशन केवल कपड़े नहीं, बल्कि आत्म-अभिव्यक्ति और कला है। उन्होंने रैंप पर मॉडल्स की ऊर्जा और डिजाइनर्स की क्रिएटिविटी को बेहद प्रेरणादायक बताया। इस अनुभव ने न केवल उनके फैशन के प्रति दृष्टिकोण को नया आयाम दिया, बल्कि यह भी साबित किया कि फैशन एक जीवनशैली है, जो आत्मविश्वास और प्रेरणा का स्रोत है।

रोटरी क्लब ने 30 बच्चियों को लगवाई एचपीवी वैक्सीन



क्लब ऑफ रांची ने 9 से 14 वर्ष की बच्चियों के लिए एचपीवी (ह्युमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान की शुरूआत की। इस अभियान के तहत 30 बच्चियों को सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा विकसित सेरवावैक वैक्सीन की पहली डोज दी गई। यह टीका दो डोज वाला है। इसमें दूसरी डोज 6 महीने बाद लगाई जाएगी। रोटरी क्लब ऑफ रांची इस वर्ष अपनी स्थापना के 70 वर्ष पूरे कर रहा है। रांची को एचपीवी मुक्त बनाने का संकल्प लिया है। इस टीकाकरण अभियान का उद्देश्य सर्वाइकल कैंसर के खतरे को कम करना है, जो मुख्य रूप से एचपीवी संक्रमण के कारण होता है। रोटरी क्लब के अध्यक्ष गौरव बागरॉय ने कहा कि यह अभियान हमारी बेटियों के सुरक्षित भविष्य

के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

सिरमटोली रैंप विवाद: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने वरीय अधिकारियों को दिया निर्देश

फ्लाईओवर को लेकर प्रदर्शन करने वालों पर नहीं करें कार्रवाई

PHOTON NEWS RANCHI: सिरमटोली फ्लाईओवर का विवाद कम होने का नाम नहीं ले रहा है। सरहल के मौके पर भी फ्लाईओवर का विरोध आदिवासी समुदाय द्वारा किया गया। वहीं सरकार के विरोध में नारे भी लगाए गए। इस बीच सीएम ने वरीय पुलिस अधिकारियों को प्रदर्शनकारियों पर कोई कार्रवाई नहीं करने का आदेश जारी कर दिया। इसे लेकर विपक्ष ने सरकार को आड़े हाथ लिया है। सरकार को नौटंकी वाली सरकार करार दिया है। इतना ही नहीं एफआईआर करने वाले पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई करने की मांग की है।

बता दें कि 30 मार्च को सिरमटोली फ्लाई ओवर के रैंप को हटाने के लिए कुछेक लोगों ने जुलूस निकालकर उग्र प्रदर्शन किया था। उग्र प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़ने के साथ-साथ विधि-व्यवस्था के ≫ 30 मार्च को रैंप के समुदाय के लोगों ने किया था प्रदर्शन

≫ धक्का-मुक्की करने वालों के खिलाफ पुलिस ने कई धाराओं के तहत दर्ज की थी एफआईआर

» बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबलाल मरांडी ने सरकार को लिया



डीजीपी को सीएम ने दिया है निर्देश



प्राथमिक दर्ज करने की सूचना प्राप्त होने पर सरकार ने डीजीपी व पुलिस महानिरीक्षक अनुराग गुप्ता को यह निर्देश दिया है कि चूंकि यह घटना सरहुल पूर्व की भावना से जुड़ा हुआ है। ऐसे में इस प्राथमिकी के आधार पर अभियुक्तों के विरुद्ध किसी भी कार्रवाई पर रोक लगाई जाए। महानिदेशक व पुलिस महानिरीक्षक ने वरीय पुलिस अधीक्षक रांची को निर्देश दिया है कि इस कांड में कोई अग्रतार कार्रवाई नहीं की जाए

प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों धक्कामुक्की और छीनाझपटी की

दंडाधिकारियों ने संयम का परिचय देते हुए विधि व्यवस्था का संधारण किया था। वहीं

घटना के संदर्भ में चुटिया थाना में कांड संख्या 77/2025 दिनांक 30 मार्च 2025 ससंगत धाराओं के अंतर्गत दर्ज किया गया था।

बाबुलाल मरांडी बोले पुलिसकर्मियों पर कार्रवार्ड करे सरकार

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व नेता

प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सरकार को नौटंकीबाज करार दिया है। उन्होंने कहा कि फ्लाईओवर रैंप निर्माण का विरोध कर रहे आदिवासियों पर मुकदमा फिर कार्रवाई नहीं करने का निर्देश बढिया नौटंकी है। साथ ही कहा कि पहले तो सरहुल पर्व मनाने वालों को डराने के लिए उनपर एफआईआर करो। फिर सहानुभूति बटोरने के लिये इस एफआईआर पर किसी पर कारवाई नहीं करने का निर्देश देकर विज्ञप्ति जारी कर दो। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को अगर सही में सरहुल पर्व की भावना का एहसास है तो सबसे पहले उन पुलिस वालों को निलंबित कर कठोर कार्रवाई करिये जिन्होंने ये एफआईआर दर्ज किया है। अगर यह एफआईआर उनके आदेश से दर्ज नहीं हुआ है तो।

खिलाफ की कार्रवाई की मांग

PHOTON NEWS RANCHI:



भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) प्रदेश अध्यक्ष बाबुलाल मरांडी ने राज्य की मुख्य सचिव अलका तिवारी को पत्र लिखा है। इसमें » राज्य सरकार पर उन्होंने शराब दुकानों का संचालन करने वाली दो एजेंसियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। इस मामले में त्वरित कार्रवार्ड की मांग की है। बता दें कि बिवरेज कॉरपोरेशन लिमिटेड के तहत शराब दकानों के संचालन एवं उनका कहना है कि एक वर्ष प्रबंधन में कथित तौर पर फर्जी से अधिक समय पहले ही बैंक बैंक गारंटी जमा करने वाली दो एजेंसियों- मार्शन इनोवेटिव सिक्योरिटी प्राइवेट लिमिटेड और विजन हॉस्पिटैलिटी सर्विस एंड कंसल्टेंटस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आया है। ऐसे में इन एजेंसियों पर लगे गंभीर आरोपों की जांच कर एफआईआर दर्ज करने और इन्हें ब्लैकलिस्टेड करने का आग्रह किया गया है। अधिकारियों ने नहीं की कार्रवाई: बाबुलाल ने पत्र में बताया है कि शिकायतकर्ता अमन कुमार सिंह द्वारा उपलब्ध कराए गए साक्ष्यों के अनुसार इन दोनों एजेंसियों ने फर्जी बैंक

जमा करने का इन दोनों कंपनियों पर लगा है आरोप

» फर्जी बैंक गारंटी

भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का भी लगाया

एक साल पहले दी गई थी सूचना

ने जेएसबीसीएल को इस फजीर्वाड़े के बारे में सूचित कर दिया था, लेकिन नजरअंदाज किया। इसके चलते दोनों एजेंसियों ने राज्य के राजस्व को नुकसान पहुंचाया और शराब बिक्री से जुड़े 25 करोड़ रुपये से अधिक की राशि भी जेएसबीसीएल में जमा नहीं कराई। मरांडी ने आरोप लगाया कि अधिकारियों ने जानबूझकर इन एजेंसियों पर कोई कार्रवाई नहीं की, जिससे यह स्पष्ट होता है कि विभागीय भ्रष्टाचार हो सकता है। प्रदेश अध्यक्ष ने राज्य सरकार से इस मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने, जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और आरोपित एजेंसियों को काली सूची में डालने का अनुरोध किया है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर जल्द ही कार्रवाई नहीं की जाती, तो यह वित्तीय अनियमितता राज्य के राजस्व पर गंभीर प्रभाव डाल सकती है।

झारखंड में आज से बारिश और ओलावृष्टि का अलर्ट

PHOTON NEWS RANCHI: झारखंड के कई जिलों में दो अप्रैल से बारिश ओलावृष्टि होने की आशंका है। इसे लेकर मौसम विभाग ने

अलर्ट जारी किया है। मौसम में आनेवाले बदलाव से राज्य के किसान और लोगों को भारी परेशानी होगी। उल्लेखनीय है पिछले दिनों हुई

ओलावृष्टि से रांची और लोहरदगा समेत कई जिलों में रबी फसल तथा सब्जियों को भारी क्षति हुई थी।

वहीं मौसम विभाग के जारी अलर्ट के अनुसार दो अप्रैल को राज्य के पश्चिमी जिले पलामू, गढ़वा, लातेहार, लोहरदगा में गर्जन और वज्रपात होने की आशंका है। साथ ही इससे सटे मध्य भागों में 40-50 किमी की गति से तेज हवा की चलने की



तीन अप्रैल को राज्य के दक्षिणी जिले पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला-खरसावां और इसे लगे मध्यवर्ती जिलों में बारिश, ओलावृष्टि और 50-60 किमी की गति से तेज हवा चलने की आशंका है।

वहीं उत्तरी-पश्चिमी तथा उत्तरी मध्यवर्ती हिस्सों के कुछ हिस्सों में भी गर्जन और तेज हवाओं का झोंका 40-50 की गति से चलने की आशंका है। तीन अप्रैल को दक्षिणी-पर्वी और इससे जुड़े मध्य भागों और उत्तर- पूर्वी भागों में कहीं- कहीं बारिश, ओलावष्टि और 50-60 किमी की गति से तेज हवा चलने की आशंका है। इसके अलावा दक्षिणी-पश्चिमी, उत्तर-पर्वी तथा उत्तर-मध्य भागों में कहीं- कहीं गर्जन और 40-50 किमी की गति से तेज हवा चलने की आशंका है।

बेड़ो में ग्रामीणों ने सरहुल पर्व पर की प्रकृति की पूजा-अर्चना

RANCHI : मगलवार का बड़ा प्रखंड मुख्यालय स्थित बड़ा आर छाटा सरना स्थल में ग्रामीणों ने विधि-विधान से सरहुल पर्व की पूजा-अर्चना की। आदिवासी समुदाय के प्रमुख त्योहारों में शामिल इस पूर्व के अवसर पर महिलाओं और पुरुषों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ सरना मां की आराधना की और क्षेत्र में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। पूजा में गांव के पाहन बुधवा पाहन, पंचम पुजार, महतो राकेश भगत और पनेभरवा ने पूरे विधि–विधान से सरना स्थल पर पूजा संपन्न कराई। इस दौरान सरई फूल से पूजा कर नए फल–फूल, कटहल, जोकी, डहू, पुटकल आदि को मां सरना को अर्पित करने के बाद प्रसाद स्वरूप ग्रहण किया गया। पाहन की अगवाई में अच्छी वर्षा, बेहतर फसल और सभी की कुशलता के लिए प्रार्थना की गई। महतो राकेश भगत ने पूजा स्थल पर घड़ा का पानी देखकर भविष्यवाणी की कि इस वर्ष सामान्य वर्षो होगी। उन्होंने कहा कि सरहुल पर्व प्रकृति का महापर्व है, जो आदिवासी समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह पर्व प्रकृति से प्रेम, हरियाली और खुशहाली का प्रतीक है।

काव्य गोष्टी का किया गया आयोजन

RANCHI: अखिल भारतीय साहित्य परिषद रांची ईकाई और श्री साहित्य कुंज के संयक्त तत्वावधान में मंगलवार को भारतीय नववर्ष विक्रम संवत २०८२ के स्वागत अभिनंदन लिए मोराबादी के आक्सीजन पार्क में काव्य गोष्टी का आयोजन किया गया। मां भारती की आराधना के साथ गोष्ठी शुरू की गई। गोष्ठी की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार असित कुमार ने की। मुख्य अतिथि के रूप में रिटायर डीएसपी कामेश्वर कुमार और

विशिष्ट अतिथि शिक्षाविद पकंज पुष्कर रहे। अखिल भारतीय साहित्य परिषद रांची ईकाई की अध्यक्ष मनीषा सहाय सुमन ने कहा कि कार्यक्रम का आयोजन सार्वजनिक स्थान पर करने का उद्देश्य है कि हम अपनी संस्कृति. संस्कार, सनातन प्रतिबद्धता के प्रति जागरूक हों। पाश्चात्य संस्कृति ने हमें हर ओर से नैतिक पतन और बिखराव दिया है इसलिए हमारे समाज व राष्ट्र को सुदृढ़ और संगठित बनाने के लिये सनातन विचारों का प्रवाह व प्रतिबद्धता दोनों ही जरूरी है।

दुनिया को अलविदा कहने से पहले फिलबियुस बारला ने तैयार किया था रोडमैप

दूरदर्शी सोच से नगर निगम ने किया रिकॉर्डतोड़ टैक्स कलेक्शन

रांची नगर निगम ने पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में रिकॉर्ड तोड़ टैक्स कलेक्शन किया है। पिछले पांच सालों के कलेक्शन पर नजर डालें तो नगर निगम को ज्यादा राजस्व मिला है। लेकिन, इसमें निगम के एक अधिकारी की अहम भूमिका रही। उनकी दूरदर्शी सोच का परिणाम सबके सामने है। दुनिया को अलविदा कहने से पहले ही अपर प्रशासक फिलबियुस बारला ने नगर निगम के टैक्स कलेक्शन की पूरी रूपरेखा तैयार कर दी थी। वहीं पूरी गाइडलाइन भी तैयार कर दी गई थी। इसके दम पर निगम के

अधिकारियों, टीम और करने वाली

एजेंसी ने टैक्स कलेक्शन का

रिकार्ड बना दिया।



पहली बार १०० बड़े बकाएदारों को नोटिस

अपर प्रशासक फिलबियुस बारला का निधन जनवरी में हो गया था। उनके नेतृत्व में राजस्व शाखा की टीम ने संग्रहण को बढ़ाने के लिए ठोस योजनाएं बनाई और उन्हें क्रियान्वित किया। उनके निदेशों पर ही इस वर्ष पहली बार 100 से अधिक बड़े बकाएदारों को नोटिस जारी किया गया। निदेशों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई। उनके दुरदर्शी नेतृत्व ने निगम के राजस्व संग्रहण को नई दिशा दी।

रांची नगर निगम की बड़ी उपलब्धि

वित्तीय वर्ष २०२४-२५ में सर्वाधिक संपत्ति कर संग्रहण करने वाली नगर निकाय बनने का महत्वपूर्ण कीर्तिमान रांची नगर निगम ने स्थापित किया है। इस वित्तीय वर्ष में निगम ने कुल ९४.८३ करोड़ रुपये संग्रहण किया। जिसमें संपत्ति कर, जल कर और ट्रेड लाइसेंस के साथ-साथ अन्य कर शामिल हैं। यह सफलता रांची नगर निगम के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

एजेंसी के प्रयासों से बढ़ा राजस्व

रांची नगर निगम में विगत पांच वर्षों से कर संग्रहण का कार्य मेसर्स श्री पब्लिकेशन एंड स्टेशनर्स द्वारा किया जा रहा है। इस एजेंसी के प्रयासों के कारण वित्तीय वर्ष 2020–21 में 51.35 करोड़ रुपये, 2021–22 में 58.02 करोड़ रुपये, 2022–23 में 67.77 करोड़ रुपये और २०२३–२४ में ६९.८८ करोड़ रुपये का संग्रहण हुआ। इस वर्ष एजेंसी ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी और अंतिम तिमाही में दिन-रात एक कर 94.83 करोड़ का कलेक्शन किया।

प्रशासक संदीप सिंह का मिला मार्गदर्शन

निगम के प्रशासक संदीप सिंह के मार्गदर्शन में संपत्ति कर संग्रहण में वृद्धि दर्ज की गई। उन्होंने योजनाबद्ध तरीके से काम करते हुए रांची नगर निगम को यह उपलब्धि दिलवाई। उप प्रशासक गौतम प्रसाद साहू, सहायक प्रशासक चंद्रदीप कुमार और नगर प्रबंधक मृत्युंजय कुमार की टीम के अथक प्रयास ने इस सफलता को संभव बनाया। इसके अतिरिक्त मेसर्स श्री पब्लिकेशन एंड स्टेशनर्स द्वारा कर संग्रहण के लिए किए गए निरंतर प्रयासों का भी बड़ा योगदान रहा।

गर्मी की छुट्टी को देखते हुए राची से नई दिल्ली के लिए चलेंगी दो जोड़ी स्पेशल ट्रेनें

के

जेएसबीसीएल से कायार्देश प्राप्त

किया। पंजाब एवं सिंध बैंक

और बंधन बैंक से प्राप्त पत्रों में

यह स्पष्ट किया गया कि इन

एजेंसियों द्वारा जमा की गई बैंक

गारंटी झुठी थी, लेकिन इसके

बावजूद जेएसबीसीएल के

अधिकारियों ने कोई कार्रवाई

आधार

त्योहारों और स्कूलों में होने वाली गर्मी की छुट्टी को लेकर ट्रेनों में अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया गया है। इसके लिए ट्रेन संख्या 02817/02818 रांचीझनई दिल्लीझरांची स्पेशल और ट्रेन संख्या 02819/02820 रांचीझनई दिल्लीझरांची दो जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

ट्रेन संख्या 02817 रांचीझनई दिल्ली स्पेशल ट्रेन दो अप्रैल को रांची से खुलेगी। यह ट्रेन केवल एक ट्रिप करेगी। यह ट्रेन रांची से दोपहर दो बजे खुलेगी और यह डाल्टनगंज में शाम 5.25 बजे पहुंचेगी। इसके बाद यह पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्टेशन पर रात



के 11:00 बजे, प्रयागराज में दूसरे दिन की अहले सुबह 03.50 बजे तथा नई दिल्ली में दोपहर 2.00 बजे पहुंचेगी। दुसरी स्पेशल ट्रेन 02818 नई दिल्लीझरांची, नई दिल्ली से तीन अप्रैल को खुलेगी। यह ट्रेन भी एक ट्रिप ही करेगी। यह ट्रेन नई दिल्ली से दोपहर 3.50 बजे खुलेगी, जो प्रयागराज में रात के 02.20 बजे, पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्टेशन पर दूसरे दिन सुबह 06.45 बजे, डाल्टनगंज मे सुबह 10.35 बजे तथा रांची में दोपहर 3:50 बजे पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 02819 रांचीझनई दिल्ली स्पेशल चार अप्रैल से

चलेगी, जो रांची से खुलेगी और

एक ट्रिप करेगी। यह ट्रेन रांची से दोपहर 2.00 बजे खुलेगी और नई दिल्ली दूसरे दिन शाम 6.00 बजे पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 02820 नई दिल्लीझरांची स्पेशल पांच अप्रैल को नई दिल्ली से खुलेगी। यह ट्रेन भी एक ट्रिप ही करेगी।

यह ट्रेन नई दिल्ली से शाम 5.30 बजे खुलेगी और दूसरे दिन रात 8.15 बजे रांची पहुंचेगी। इन चारों ट्रेनों में एसएलआर के दो, सामान्य श्रेणि के चार, द्वितीय श्रेणि स्लीपर के 14 कोच समेत कुल 20 कोच

नहाय-खाय के साथ

शुरू हुआ चैती छढ

GHATSILA : लोक आस्था का

महापर्व चैती छठ नहाय-खाय के

साथ मंगलवार को शुरू हो गया।

व्रतियों-महिलाओं ने सुबह

सवर्णरेखा नदी में डुबकी लगाने

के बाद घर पहुंच कर साफ सफाई

से अरवा चावल, चने की दाल,

लौकी की सब्जी समेत अन्य

पकवान बनाकर पूजा-अर्चना के

बाद प्रसाद ग्रहण किया। बुधवार

को व्रतधारी महिलाएं संध्या में

खरना पूजा करेंगी। इसके लिए

मंगलवार को ही गेहुं को धोकर

साफ जगह पर सुखाया। बुधवार

को उसी गेहूं के आटे से खरना का

प्रसाद बनेगा। गरुवार को संघ्या

घाटशिला के विभिन्न नदी घाटों

पर डूबते और शुक्रवार को उगते

बाल मंदिर अखाड़ा का स्वर्ण जयंती महोत्सव आज से

JAMSHEDPUR: साकची बाजार स्थित श्रीश्री बाल मंदिर अखाड़ा इस वर्ष स्वर्ण जयंती (50वां वर्ष) मना रहा है। 1976 में बाल मंदिर की



कमेटी के मुख्य संरक्षक सुमन अग्रवाल ने मंगलवार को बताया कि इस वर्ष भी

बाल मंदिर द्वारा रामनवमी महोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस वर्ष 7 दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन होगा, जिसमें साकची बाजार के झंडा चौक में अयोध्या के राम मंदिर का प्रारूप बनाया गया है। रामलला की प्रतिमा का भी दर्शन होगा। 2 अप्रैल को संध्या 6 बजे रामनवमी महोत्सव का उद्घाटन पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास करेंगे।

सात बच्चों के साथ सरना धर्म में लौटी मां

NOAMUNDI : पश्चिमी सिंहभूम जिले के नोवामुंडी प्रखंड के जेटेया



थाना क्षेत्र के ग्राम गितिकेंद्र हेम्ब्रम टोला में लगभग 40 वर्षीय तिली कुई अपने सात बच्चों के साथ ईसाई धर्म छोड़कर वापस सरना धर्म में आ गई। बुधवार को तिली कुई के आंगन में आदिवासी हो समाज युवा महासभा के

जगन्नाथपुर अनुमंडल अध्यक्ष सह दिउरी बलराम लागुरी व सहायक दिउरी बुधराम अंगरिया की उपस्थिति में जॉन हेम्ब्रम ने सभी 8 सदस्यों को जाते-परचि (पवित्र) किया।

ओड़िया भाषा-संस्कृति बचाने के लिए हो सामूहिक प्रयास



उत्कल दिवस मनाया गया। स्कूल संचालन समिति और कई संस्थाओं के संयुक्त तत्वाधान में मनाए गए इस समारोह में ओडिशा के भद्रक जिले के प्रोफेसर डॉ. मनिंद्र कुमार महंती के नेतृत्व

में एक आठ सदस्यीय दल शामिल हुआ। डॉ. मनिंद्र कुमार मोहंती ने कहा कि ओडिशा से ताल्लुक रखने वाले ओडिशा के बाहर रह रहे ओड़ियाभाषी लोग ओड़िया भाषा और संस्कृति बचाए रखने के लिए

नामाता पाड़ा में की गई शीतला पूजा

GHATSILA: राजस्टेट गांव स्थित नामाता पाड़ा में मंगलवार को श्रद्धा



या भक्ति के साथ मां शीतला की पूजा की गई। यहां महिलाएं सुबह से ही मंदिर परिसर में पहुंचने लगी थीं।. पुजारी मानिक नामाता ने हुए सार्वजनिक शीतला पूजा

कमेटी की ओर से जगह-जगह निशुल्क शरबत तथा चना का वितरण किया गया। कमेटी के काशीनाथ नामाता ने बताया कि यह पूजा कब शुरू हुई है, किसी को नहीं पता है। वर्षों पूर्व गांव के रतन नामाता के घर पूजा शुरू हुई थी। वर्तमान में लोगों के सहयोग से भव्य मंदिर का निर्माण किया गया है। पूजा संपन्न कराने में आकाश नामाता, टीटू नामाता, शिवनाथ नामाता, शिवचरण नामाता, असित ओझा, काल्ट चौधरी सहित अन्य

शरू हो गया केरा मेला. कई राज्यों से आते भक्त



CHAKRADHARPUR: कोल्हान प्रमंडल का ऐतिहासिक केरा मेला 31 मार्च से शुरू हो गया। भगवती मंदिर में प्रसिद्ध केरा माता की सोमवार को देर रात शुभ घट यात्रा निकाली गई। शुभ घट मंदिर परिसर से पूजा पाठ करते हुए पूरे गांव का भ्रमण किया गया। जहां लोगों के घर के आगे अपने अपने द्वारी में लोगों ने पूजा अर्चना किया। इसके बाद घाट मां भगवती मंदिर पहुंचकर स्थापित किया गया। यहां 31 मार्च से 14 अप्रैल तक मां भगवती की विशेष पूजा होती है।

मारवाड़ी महिलाओं ने किया गणगौर विसर्जन



शाखा के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को धूमधाम से गणगौर महोत्सव मनाया गया। इसमें समाज की महिलाओं ने सबसे आची

महिलाओं में सबसे सुंदर श्रृंगार प्रतियोगिता भी हुई। बुधवार को चक्रधरपुर में राजस्थानी महिलाओं व युवतियों ने गाजे बाजे के साथ पारंपरिक वेशभूषा में हर्षोल्लास के साथ गणगौर पूजा कर प्रतिमा का विसर्जन किया। बता दें कि गणगौर महोत्सव पर सभी सहागिन महिलाएं और युवतियों ने सामूहिक रूप से ईसर-गौरा या शिव-पार्वती का पूजन करती हैं। इसके बाद 18 दिन तक पूजन उपरांत चैत मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि के दिन कुआं से जलाकर गणगौर को पिलाया जाता है।

पुलिस ने देह व्यापार के शक में दो को लिया हिरासत में

कदमा के उर्मिला अपार्टमेंट में स्थानीय निवासियों को अवैध गतिविधि का हुआ था संदेह

कदमा थाना की पलिस ने देह व्यापार होने के शक में कदमा के उर्मिला अपार्टमेंट में सोमवार देर शाम को छापेमारी की। इस दौरान अपार्टमेंट की तीसरी मंजिल में छापामारी के समय पुलिस ने आपत्तिजनक हालत में एक युवक और एक युवती को पकड़ा। पुलिस दोनों को थाने ले गई और इनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस को सूचना मिली थी कि उर्मिला अपार्टमेंट में कुछ दिनों से युवक व युवतियों को आना-जाना चल रहा है। अपार्टमेंट वालों को शक हुआ कि यहां देह व्यापार तो नहीं हो रहा। इस पर कदमा थाना की पुलिस को इसकी जानकारी दी गई। जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने इस फ्लैट में छापा मारा तो यहां एक युवक और एक



छापेमारी के दौरान मौजूद पुलिस के जवान व अधिकारी

युवती पकड़े गए। अब पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि ऐ लोग फ्लैट में क्या कर रहे थे। जिस फ्लैट में यह सब चल रहा था, वह उर्मिला अपार्टमेंट में तीसरी मंजिल पर है। गौरतलब है कि जमशेदपुर में पहले भी

पुलिस कई फ्लैट में छापामारी कर देह व्यापार में लिप्त लोगों को पकड़ चुकी है। पिछले साल छापामारी की गई थी। यहां से दर्जन भर युवतियां पकड़ी

होली पर छात्रों को घर नहीं जाने दे रहा था स्कूल संचालक, पुलिस ने शुरू की जांच

सुंदरनगर थाना क्षेत्र में मकान कब्जाने और उसे खाली कराने के मामले में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने इस मकान के कुछ हिस्से को खाली करा दिया है। इस कार्रवाई में यहां मौजूद छात्रों को उनके अभिभावकों के हवाले कर दिया गया है। अभिभावकों ने पुलिस को बताया है। कि वह अपने बच्चों को होली के पर्व पर लेने के लिए आए थे। मगर, संचालक ने छात्रों को उनके घर नहीं जाने दिया। यह तथ्य सामने आने के बाद पुलिस के कान खड़े हो गए हैं। पुलिस अब इस बिंदु पर जांच कर रही है कि संचालक ने आखिर छात्रों को घर क्यों नहीं जाने दिया। इसके पीछे क्या वजह हो सकती है। यह मकान अशोक अग्रवाल का है। इसे प्रभात महाराज



इसी बिल्डिंग में चलता है स्कूल

ने किराए पर लिया था। वह इस मकान में जेआरडी टाटा सेंटर फॉर एक्सीलेंस आवासीय स्कूल चला रहे थे। 2019 से अशोक अग्रवाल को किराया नहीं मिला था। लगभग नौ लाख रुपये का किराया बकाया है। मामले की शिकायत पुलिस से की गई थी। एसडीओ के यहां भी मामला चल रहा था। पुलिस के सामने कई बार एग्रीमेंट हुआ था। 2021 में हुए एग्रीमेंट में कहा गया था कि अगर वह किराया नहीं भरते

सकता है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी किशोर कौशल के आदेश पर विधि-व्यवस्था डीएसपी ने जांच शुरू की। डीएसपी और पुलिस टीम ने सोमवार रात करीब साढ़े 9 बजे तक उस मकान का दौरा किया, जो जेआरडी टाटा सेंटर फॉर एक्सीलेंस स्कूल के नाम पर किराए पर लिया गया था। इस दौरान पुलिस ने मकान के कई कमरों से कुछ आपत्तिजनक सामान बरामद किए हैं। पुलिस को आशंका होने पर कुछ कमरों का ताला भी तोड़ा गया और जांच की गई। पुलिस का कहना है कि पति-पत्नी साथ में रहते थे। यह बात ध्यान में रख कर जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच के बाद ही सामने आ सकेगा कि आखिर स्कूल के नाम

बाइक स्किट करने से युवक घायल



• फोटोन न्यूज

के कापागोड़ा गांव के समीप मंगलवार की शाम 4.30 बजे एनएच-18 की पुलिया पर बाइक स्किट करने से सिंहपुरा गांव का युवक लखिंदर मुंडा घायल हो गया। अनुमंडल अस्पताल घाटशिला लाया गया। अनुमंडल अस्पताल की चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार कि वह प्लंबर का काम करता है। सिंहपुर गांव से गालूडीह स्थित कस्तूरबा गांधी विद्यालय काम करने जा रहा था। अचानक बाइक स्किट कर गई। इस दुर्घटना में उसके पैर



GHATSILA : घाटशिला थाना क्षेत्र स्थानीय लोगों की मदद से घायल को किया। घायल लखिंदर मुंडा ने बताया तथा शरीर के अन्य हिस्से में गंभीर चोट लगी है।

सरायकेला में डायन के संदेह में पोतों ने कर दी दादी की हत्या, गिरफ्तार

SERAIKELA : जिले के गम्हरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत यशपुर रेलवे फाटक के समीप बीते रविवार को एक वृद्ध महिला का सिर कटा शव बरामद किया था। पुलिस ने मृत महिला की पहचान कर ली है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपितों को भी गिरफ्तार कर लिया है। सरायकेला एसडीपीओ समीर कुमार सवैया ने बताया कि मृत वृद्ध महिला की पहचान सरायकेला के नारायणपुर निवासी भवानी कैवर्ती (65) के रुप में की गई है। उक्त हत्या को अंजाम वृद्ध महिला के पोते लक्ष्मण कैवर्तो और चंदन कैवर्ती ने दिया था। दोनों ने सुनियोजित तरीके से तेजधार हथियार से अपने दादी की हत्या की थी। पुलिस अनुसंधान में आरोपितों ने हत्या का जुर्म कबूलते हुए पुलिस को बताया कि डायन बिसाहीँ के शक में उन्होंने दादी की जान ले ली। पुलिस ने हत्या के आरोपितों के पास से तेज धारदर चापड़, हत्या में प्रयुक्त बाइक बरामद कर ली है।



GHATSILA: क्षेत्र में पड़ रही

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते एसडीपीओ समीर कुमार सवैया सूर्य को अर्ध्य दिया जाएगा। स्टील एक्सप्रेस के 55 साल पूरे गर्मी से बेहोश होकर सड़क पर गिरी बुजुर्ग महिला

गर्मी के कारण काशिदा रेलवे अंडरपास के समीप एक बुजुर्ग हावड़ा-टाटा के बीच चलने वाली महिला मंगलवार को बेहोश होकर स्टील एक्सप्रेस के मंगलवार को गिर गई। यह देख आसपास के लोगों ने उसे पानी देकर होश में 55 साल पूरे हो गए। मंगलवार को लाया गया. महिला इतनी गंभीर दक्षिण पूर्व रेलवे फैंस क्लब के स्थिति में थी कि बार-बार अचेत सदस्यों ने स्थानीय अधिकारियों से हो जा रही थी. झामुमो के वरिष्ठ अनुमति लेकर स्टील एक्सप्रेस के नेता राजहंस मिश्रा ने महिला को इंजन और गार्ड बोगी को फूलों से अस्पताल पहुंचाने के लिए काफी सजाया। वहीं ट्रेन में नया मशक्कत की। अंत में आईपीएस डेस्टिनेशन बोर्ड लगाया। इसे सह प्रशिक्षु घाटशिला थाना प्रभारी सोवम दास ने तैयार किया था। इस ऋषभ त्रिवेदी ने तत्काल पुलिस की दौरान रेलवे फैंस क्लब के सदस्य गश्ती गाड़ी से महिला को शशांक शेखर स्वाईं, सोमांको अनुमंडल अस्पताल भेजने में मदद तीरू, विकास कुमार, अनुज कुमार की। राजहंस मिश्रा ने बताया कि पंडित ने स्टील एक्सप्रेस को 108 एंबुलेंस को फोन करने पर कोलकाता आने जाने वाले यात्रियों बताया गया कि डेढ़ घंटे बाद की लाइफलाइन बताया। वर्षो से एंबुलेंस मिलेगी। इसके बाद टाटानगर के यात्री इस ट्रेन से सुबह अनुमंडल अस्पताल घाटशिला के कोलकाता जाकर शाम तक अपना प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी से काम कर फिर स्टील एक्सप्रेस से बात करने पर कहा कि अस्पताल के सभी एंबलेंस खराब हैं। ऐसे में टाटानगर वापस लौटते हैं। दर्जनों व्यापारी अपना काम करने के लिए तत्काल सेवा की व्यवस्था व्यवस्था क्या है, यह नजर आ रहा है।



टाटानगर स्टेशन पर स्टील एक्सप्रेस

मालुम हो कि ट्रेन नंबर-12813/12814 स्टील एक्सप्रेस जो कि झारखंड-बंगाल के दो प्रमुख शहरों को जोड़ती है, और व्यापारिक यात्रा को सुलभ बनाने के लिए जानी जाती है। स्टील एक्सप्रेस टाटानगर से सुबह 6.15 बजे खुलती और 10.25 मिनट पर हावड़ा 250 किलोमीटर की यात्रा तय कर पहुंचती है। वहीं दूसरी ओर से ट्रेन हावड़ा से शाम 5.30 बजे खुलती है, जो कि टाटानगर

सिगरेट पीने को जलाई माचिस तो दुकान में लग गई आग



घटनास्थल पर जुटी लोगों की भीड़

MANOHARPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिले के आनंदपुर प्रखंड के समीज गांव में मंगलवार को एक दुकान में आग लग गई। दुकानदार ने बताया कि एक ग्राहक आया मोटरसाइकिल में पेट्रोल भरा। इसके बाद सिगरेट पीने के लिए माचिस जलाई, जिससे पूरे दुकान आग लग गई। इससे अफरातफरी का माहौल हो गया। ग्रामीणों ने अपने स्तर से पानी लाकर आग बुझाने का प्रयास

किया। इस बीच दुकान की मालिकन दमयंती राउत को दूसरा दरवाजा तोड़कर बाहर निकाला गया। काफी मशक्कत के बाद दुकान को पूरा जलने से बचाया गया। दुकानदार दमयंती राउत ने बताया कि आग से दुकान में रखे लगभग डेढ़ लाख रुपये के सामान जलकर खाक हो गए। घटना की सूचना मिलते ही आनंदपुर थाना की पुलिस दल-बल के साथ पहुंचर। घटनास्थल पहुंचकर पूरे मामले की जांच कर रही है।



जेईई-२ की परीक्षा आज से, जमशेदपुर के ४००० परीक्षार्थी होंगे शामिल

जेईई मेंस सेशन-2 (अप्रैल सत्र) की परीक्षा 2 अप्रैल से शुरू होने जा रही है, जो 9 अप्रैल तक होगी। एनटीए की ओर से जारी निर्देश के तहत जेईई मेंस में सरक्षा को ध्यान में रखते हुए सेंटर के गेट परीक्षा शुरू होने से 30 मिनट पहले बंद कर दिए जाएंगे। दो शिफ्ट में होने वाली इस परीक्षा की पहली शिफ्ट सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक, जबिक दूसरी शिफ्ट दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक होगी। झारखंड के पांच शहरों में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिसमें जमशेदपुर, रांची, बोकारो, धनबाद व हजारीबाग शामिल हैं। इस परीक्षा के लिए जमशेदपुर में दो परीक्षा केंद्र बनाया गया है। अभी 2 अप्रैल की परीक्षा के लिए एडिमट कार्ड जारी किए गए हैं। दूसरे डेट की परीक्षा का एडिमट कार्ड भी जल्द

 पारदर्शी बोतल ले जा सकते हैं। छात्रों को एडिमट कार्ड के साथ ही एक फोटोयुक्त पहचान पत्र भी पास रखना होगा,

लेकिन वह किसी स्कल या कोचिंग का नहीं होना चाहिए।

नीला या काला बॉलपेन ले जा सकते हैं।

अगर दिव्यांग हैं तो पीडब्ल्यूडी सर्टिफिकेट साथ रखें।

• यदि उम्मीदवार डायबिटीज रोगी हैं तो शुगर की गोलियां या फल ले जा सकते हैं। छात्र बिना भारी जेब वाले हल्के रंग के कपडे पहन कर जा सकेंगे।

• टोपी, शॉल, स्कार्फ, आभूषण और मेटल की वस्तुओं पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा।

• चेन-अंगूठी सहित किसी भी प्रकार के आभूषण नहीं पहन सकेंगे।

कोई इलेक्ट्रॉनिक गैजेट नहीं ले जा सकेंगे।

जेईई एडवांस्ड की परीक्षा १८ मई को ऑनलाइन होगी

जेईई एडवांस्ड की परीक्षा ऑनलाइन मोड में 18 मई को होगी। जेईई एडवांस्ड 2025 के लिए ऑनलाइन पंजीकरण 23 अप्रैल से दो मई तक होगा। एडिमट कार्ड 11 मई से 18 मई के बीच डाउनलोड कर सकते हैं। जेईई एडवांस्ड 2025 के लिए पात्र होने के लिए उम्मीदवार को जेईई मेन 2025 के बीड-बीटेक पेपर दोनों सत्र जनवरी व अप्रैल मिला करके टॉप २.५ लाख सफल उम्मीदवारों में शामिल होना होगा।

समय के अनुसार ही अभ्यर्थियों को एग्जाम सेंटर पर पहुंचना होगा। बिना एडिमट कार्ड (हॉल टिकट) के एग्जाम सेंटर में इंट्री नहीं दी जाएगी। परीक्षा होगी।

जारी होगा। एडिमट कार्ड में दर्ज शिड्यूल के अनुसार, 2, 3, 4 और 7 अप्रैल, 2025 को पेपर 1 का आयोजन किया जाएगा। वहीं, 9 अप्रैल, 2025 को 2 ए और बी की

सांसद जोबा मांझी व विधायक सुखराम उराव भी हुए शामिल, संगीत की धुन पर झूमे महिला-पुरुष

सरहूल पर निकली विशाल शोभायात्रा, उमड़ा जनसैलाब

चक्रधरपुर में हर्षील्लास के साथ प्रकृति पर्व सरहुल मनाया गया। उरांव सरना समिति की ओर से मंगलवार की सुबह बनमालीपुर स्थित पेलो टुंगरी सरना स्थल पर प्रकृति का पूजा-अर्चना की गई, जिसमें काफी संख्या में समाज के लोग शामिल होकर पूजा अर्चना करते हुए परिवार की सुख-समृद्धि को लेकर प्रार्थना की। इसमें सांसद जोबा मांझी, विधायक सुखराम उरांव समेत समाज के लोग शामिल हुए। पारंपरिक वेशभूषा में शोभायात्रा में शामिल हुए लोग मांदर की थाप पर जमकर थिरके। सरना स्थल से निकल कर शहर पहुंची शोभायात्रा : चक्रधरपुर प्रखंड के कोलचकड़ा पंचायत के बनमालीपुर पेलो ट्रंगरी सरना स्थल में पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं



में प्रसाद वितरित किए गए। तत्पश्चात आयोजन समिति ने मांदर बजा कर शोभायात्रा का शुभारंभ किया गया। लोगों ने अखाड़ा स्थल पर एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर सरहुल की बधाई दी। शाम में विशाल शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा पेलो टुंगरी से

कोलचकड़ा, टोकलो रोड, पुराना रांची रोड, भगत सिंह चौक, पवन चौक, पोर्टरखोली, देवगांव होते हुए वापस सरना स्थल पहुंचकर समाप्त हुई। मंगलवार की शाम पेलो टुंगरी से सैकड़ों लोगों ने मांदर की थाप पर नाचते-गाते विशाल शोभायात्रा निकाली। इस दौरान टेबुल लाइन स्थित सरना

स्थल पर भी पूजा अर्चना की गई। शोभा यात्रा में समाज के हर वर्ग के महिला-पुरुष, युवक-युवतियां शामिल थे। वहीं मंगलवार की देर रात्रि सरहुल पर्व के अवसर पर पेलो टुंगरी में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया हैं। इस

अवसर पर समाज के लोग

पारंपरिक वेशभूषा में नजर आए।

जुलूस में सुरक्षा के रहे पुख्ता इंतजाम सरहुल जुलूस के दौरान शहर के

विभिन्न चौक-चौराहों में सुरक्षा का कड़ा इंतजाम रहा। सरना स्थल से चक्रधरपुर थाना प्रभारी राजीव रंजन दलबल के साथ शोभा यात्रा में आगे–आगे चलते रहे। जुलूस के दौरान किसी तरह की गड़बड़ी न हो, इसकी रोकथाम के लिए पुलिस बल तैनात रही।

जगह-जगह की गई जल सेवा

सरहुल जुलूस के दौरान श्यामरायडीहं मोड़, चक्रधरपुर हांसदा भवन, टोकलो रोड, भगत सिंह चौक समेत कई जगहों शरबत, जल आदि की व्यवस्था की गई। वहीं जुलूस वापसी के दौरान विधायक सुखराम उरांव के आवास पर भी श्रद्धालुओं के लिए भव्य जलपान की व्यवस्था की गई थी।



बजाया ढोल-मांदर CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम

जिले के पुलिस लाइन-चाईबासा के प्रांगण में मंगलवार को चाईबासा पुलिस मेंस एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित सरहुल पूजा समारोह धुमधाम से मनायाँ गयाँ। इस अवसर पर उपायुक्त कुलदीप चौधरी और पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने भी ढोल-मांदर बजायाँ। समारोह में उपविकास आयुक्त संदीप कुमार मीणा, सहायक पुलिस अधीक्षक निखिल राय, सदर चाईबासा अनुमंडल पदाधिकारी संदीप अनुराग टोपनो सहित कई अन्य गणमान्य उपस्थित थे। उपायुक्त कुलदीप चौधरी और पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने अन्य अधिकारियों के साथ मिलकर सरहुल अखाड़ा में पूजा-अर्चना की। इसके पश्चात उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने वहां उपस्थित सभी लोगों को प्रकृति पर्व

सरहुल की मंगलमय शुभकामना दी।

सीतारामडेरा से साकची तक निकली भव्य शोभायात्रा



सरहूल की शोभायात्रा में शामिल पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा

सीतारामडेरा स्थित उरांव बस्ती से मंगलवार को विशाल व भव्य सरहुल शोभायात्रा निकली। यात्रा शाम 4 बजे सीतारामडेरा से प्रारंभ होकर एग्रिको, भालूबासा, साकची, दुइलाडुंगरी, गोलमुरी होते हुए लौटी। इसमें आदिवासी-मूलवासी समुदाय के उरांव, हो, मुंडा, मुखी,

भुइयां, लोहरा, तुरी आदि जनजाति के बच्चे, महिला-पुरुष गाजे-बाजे के साथ पारंपरिक परिधान में पूरे रास्ते झुमते-नाचते रहे। इससे पहले सुबह में उरांव बस्ती में पूजा-अर्चना हुई, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, विधायक सरयू राय सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता शामिल हुए।



अब अपनी हॉबी को ही बना सकते हैं करियर ऑप्शन

आज के समय में जॉब करना आसान नहीं रह गया है।यह काम तब और मुश्किल हो जाता है, जब किसी का प्रोफेशन और हॉबी अलग-अलग हो।जिसके कारण आजकल कई लोग जॉब तो कर रहे हैं, लेकिन वे उन जॉब्स से खुश नहीं हैं। पैसा कमाने के लिए जॉब करना और अपने पैशन को फॉलो करके उसमें आगे जाना दोनों बहुत अलग बात हैं। फिर चाहे उसमे पैसे थोड़े कम क्यों न हो।

फोटोग्राफी, राइटिंग, म्यूजिक, डांस, सिंगिंग, कुकिंग, पेंटिंग समेत कई ऐसी हॉबी होती हैं, जिन्हे आप फुल टाइम करियर में बदल सकते हैं । सोचिये जो कॉम आपको सबसे ज्यादा पसंद है और आपकी हॉबी है, उसे आप अलग से समय निकाल कर करते हैं, अगर इसी हॉबी को अपना प्रोफेशन बना लें तो कितना अच्छा रहेगा। अगर आप भी अपनी हॉबी को करियर का रूप देना चाहते हैं, तो यहां पर दिए गए 7 टिप्स को फॉलो कर सकते हैं।

सबसे पहले रिसर्च करें

अपनी हॉबी को प्रोफेशन में बदलने के लिए सबसे पहले जो काम आपको करना है वो है रिसर्च। किसी भी हॉबी के बारे में आपको पूरी जानकारी होनी चाहिए।आपको पता लगाना है कि क्या आपकी हॉबी फुल टाइम करियर बना सकती है या नहीं। उसमें जॉब और करियर के क्या अवसर हैं और उस क्षेत्र में कितने लोग काम कर रहे हैं और कितने अनुभव की जरूरत पड़ती है।

सही फीडबैक लें

कोई भी व्यक्ति अपने काम को जज नहीं कर सकता और न ही आपका परिवार या दोस्त आपकी इसमें मदद कर सकते हैं। किसी भी काम को शुरू करने से पहले गाइडेंस के लिए जरूरत होती है एक अनुभवी प्रोफेशनल की जो आपका मेंटर बने। हमेंशा याद रखें कि काम शुरू करने से पहले अपनी हॉबी के बारे में अपने मेंटर से ईमानदार फीडबैक लेना बिल्कुल ना भूलें।

शुरू से शुरुआत करें यह बात पहले ही अपने मन में बैठा लें कि जब आप कोई करियर स्विच करेंगे तो हो सकता है कि आपको नीचे से ही शुरू करना पड़े। आप अपनी जॉब में फिलहाल ऊंची पोस्ट पर हों, लेकिन आपको नये करियर में नीचे से ही शुरू करना होगा। इसलिए अपनी तैयारी पहले से ही पूरी कर लें।

पुरानी स्किल्स का इस्तेमाल आपके पुराने और नये करियर में भले ही कोई

समानताएं न हों।लेकिन फिर भी हर जगह से हम कुछ न कुछ स्किल्स तो सीखने को मिलती ही हैं। ऐसी कई स्किल होती हैं, जो हर फील्ड में काम आती हैं। जैसे अगर आप किसी कंपनी के सेल्स डिपार्टमेंट में काम कर रहे हैं और पेंटिंग में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आपकी मार्केटिंग स्किल यहां भी काम आएगी । इसलिए ध्यान रखें कि सभी रिकल का इस्तेमाल अपने नये करियर में करें।

अपनी फील्ड के एक्सपर्ट बनें

अपनी हॉबी में करियर बनाने से पहले आप उस फील्ड से जुड़े लोगों से संपर्क बनाएं। अपनी नॉलेज और स्किल्स को बढ़ाएं, एक अच्छा नेटवर्क बनाएं । यह आपको आगे बढ़ने में मदद करेगी। आपको उस फील्ड में सबसे बेहतर बनाने की कोशिश करें।

अपने काम को मोनेटाइज करें

प्रुफ ऑफ कंसेप्ट एक बिजनेस टर्म है जिसका इस्तेमाल उन उद्यमियों के द्वारा किया जाता है जो फंडिंग की तलाश में होते हैं। आपको भी अपने लिए फंडिंग का इंतजाम करना चाहिए।क्योंकि किसी भी काम के लिए आर्थिक सुविधा बहुत जरूरी है। अगर वह नहीं रहेगा तो आप आगे भी नहीं बढ़ पाएंगे। इसलिए अपने काम से पैसे कमाने की कोशिश करें। आप चाहे तो आपकी स्किल को ऑनलाइन सिखा सकते हैं, एक्सपर्ट लेक्चर ले सकते हैं। या फिर खुद की वर्कशॉप भी लगा सकते हैं।

इस तरह बदले अपने पैशन को प्रोफेशन में

जब आपके मन में अपने पैशन को प्रोफेशन बनाने का विचार आए तो सबसे पहले अपने सभी हॉबी की लिस्ट बनाएं।मान लीजिये आपकी तीन हॉबी हैं। आपको लिखने का शौक हैं, फोटोग्राफी और पेंटिंग का भी शौक है। अब एक – एक हॉबी पर विचार कीजिए और उसके साथ कुछ दिन जी कर देखें। इससे आपको अपने आप ही मालूम हो जायेगा कि किस काम को लेकर आप ज्यादा बेहतर हैं और वह कार्य करते हुए आपको ज्यादा खुशी मिलती है।

सफलता के लिए हमेशा याद रखें..

ऊंचाइयों को छू लेते हैं। संतों ने सफलता के 3 मंत्र बताए। पहला भगवान का स्मरण, दूसरा धैर्य तथा तीसरा परमार्थ की भावना जुड़ी होनी चाहिए। से कम परिश्रम में भी सफलता की

प्रत्येक मंदिर बाहर से स्वच्छ होना चाहिए और भीतर से पवित्र होना चाहिए।प्रत्येक व्यक्ति भी बाहर से स्वच्छ और भीतर से पवित्र होना चाहिए। फिर कोई लम्बी साधना करने की जरूरत नहीं।मां त्रिस्तरीय काम करती है। सृष्टि को उत्पन्न करती है, उसका परिपालन

चाहिए।कन्या का सम्मान, लेकिन प्रेम बना रहे। यह जीवन का फल है ।

और उसका संघार करती है। अम्बा के 3 स्तर हैं, स्त्री शरीर अम्बा का ही अंश है।ऐसा मानकर उसका ३ स्तर पर सम्मान करना धर्मपत्नी का सम्मान और मां का सम्मान । आनंद की अंतिम सीमा आंसू हैं । हम सबका जीवन फल होना चाहिए प्रेम। सत्य शायद हम चूक जाएं।करुणा छूट जाए



रिक्रिप्ट राइटिंग में करियर

यदि आप लेखन में दक्षता रखते हैं और आपको किताबें पढने में भी गहरी रुचि है तो स्त्रिप्ट राइटर के तौर पर आप अपने शौक को करियर का रूप भी दे सकते हैं। जो युवा लिखने-पढने के साथ मानवीय संवेदनाओं को पकड़ कर अभिव्यक्त करने की क्षमता रखते हैं उनके लिए भी इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।

कार्यक्षेत्र

विज्ञापनों के लिए स्क्रिप्ट राइटर्स की सेवाएं विशेष तौर पर ली जाती हैं। अक्सर विज्ञापनों में ऐसे शब्दों या पंक्तियों का इस्तेमाल किया जाता है जो लोगों की जुबान पर चढ़ जाती हैं। ये सब स्क्रिप्ट राइटर के दिमाग की ही उपज होते हैं।ऐसी रोचक बातों को जिंगल्स कहा जाता है। बेशक स्क्रिप्ट राइटर का काम सिर्फ जिंगल लिखना ही नहीं होता बल्कि और कई चीजें हैं जो स्क्रिप्ट राइटर करते हैं लेकिन अधिकतर की शुरूआत जिंगल्स से ही होती है। जाहिर है कि स्क्रिप्ट राइटिंग कहानियां और कविताएं लिखने से कुछ अलग होता है क्योंकि स्क्रिप्ट में लिखी गई हर बात का फिल्मांकन किया जाता है इसीलिए लेखक को यह सोचकर लिखना पडता है कि उसके द्वारा लिखी गई स्क्रिप्ट पढी नहीं देखी जाएगी।

कौशल

इसमें क्षेत्र में करियर बनाने के लिए छात्रों में रचनात्मकता का होना आवश्यक है। कम शब्दों में आपको उत्पादों की विशेषताओं को उपभोक्ताओं तक पहुंचाना होता है । विज्ञापनों के लिए ऐसी जिंगल्स की रचना करनी पड़ती है कि सुनते या पढ़ते ही वह ग्राहक के जेहन में आ जाए। वैसे कोई डिग्री कोर्स तो नहीं होता पर ये जर्नलिज्म के अंतर्गत आता है। कल तक विज्ञापन ग्राहकों की संतुष्टि के लिए बनाए जाते थे लेकिन आज जो विज्ञापन आ रहे हैं वे ग्राहकों के संतोष के साथ उसकी ख़ुशी और मनोरंजन को भी महत्व दे रहे हैं। मानवीय भावनात्मक पक्षों को छूते विज्ञापन न सिर्फ देर तक याद रहते हैं बल्कि मन पर भी गहरा असर छोड़ते हैं। जिस भी भाषा में आप स्क्रिप्ट राइटिंग करना चाहते हैं उसका गहन ज्ञान आपको होना चाहिए । आपको अधिक से अधिक पुस्तकों को भी पढ़ना चाहिए ताकि आपको विभिन्न लेखकों की शैली की जानकारी भी प्राप्त हो सके । साथ ही फिल्मों तथा धारावाहिकों की स्क्रिप्ट पर गौर करने की आदत भी डाल लें। इसके बाद आप स्क्रिप्ट लेखन में हाथ आजमाएं।

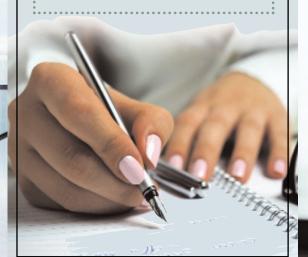
योग्यता

स्क्रिप्ट राइटिंग में सबसे अहम जरूरत रचनात्मकता की होती है जो पूर्णत- व्यक्ति की विश्लेषण और कल्पना क्षमता पर आधारित होती है लेकिन फिर भी इसके लिए पत्रकारिता का कोर्स कर लिया जाए तो बेहतर होता है। किसी भी विषय में 12वीं कक्षा पास करने के बाद पत्रकारिता में ग्रैजुएशन कर सकते हैं। जो छात्र ग्रैजुएशन कर चुके हैं वे किसी प्रतिष्ठित संस्थान से पत्रकारिता में एम.ए. भी कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली एमिटी स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, नई दिली इंडियन इंस्टी. आफ मास कम्युनिकेशन नई दिल्ली जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश माखन लाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश।





जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

🖣 मेज कंसिल्टिंग के तहत लोगों को अपने भीतर छुपी क्षमताओं को निखारने और साथ ही साथ उन क्षमताओं को सभी के समक्ष प्रदर्शित करने के लिए अपनी अपीयरैंस (दिखावट) के प्रबंधन हेतु मार्गदर्शन किया जाता है। इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को परिधान पहनने व तैयार होने के ढंग, बॉडी लैंग्वेज, शिष्टाचार एवं सॉफ्ट स्किल्स के बारे में शिक्षित किया जाता है। इमेज कंसल्टैंट व्यक्तिगत रूप से तथा समूह में कोचिंग प्रदान करते हैं।वे किसी एक व्यक्ति अथवा कम्पनियों को अपनी सेवाएं देते हैं।वे लोगों के लिए मृक्त कार्यशाला भी आयोजित करते हैं। इस क्षेत्र से जुड़े कार्यों में पर्सनल शॉपिंग, यूनिफॉर्म डिजाइन, इमेज मैनेजमैंट, पॉलिसी डिजाइन, स्टाइलिंग आदि भी शामिल हैं।भारत

इमेज कंसिल्टिंग में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है। यह ऐसा करियर है, जिसमें व्यक्ति अन्य लोगों के विकास का मुख्य सहयोगी बनता है तथा अन्य लोगों को और अधिक सफल बनाने से उसे सफलता मिलती है। यह क्षेत्र उन महिलाओं को करियर बनाने का

दूसरा मौका देता है जिन्होंने कुछ समय के लिए अपने पहले करियर को छोड़ रखा हो । इमेज कंसिल्टिंग बिजनैस इंस्टी. भारत में इमेज कंसल्टैंसी की शिक्षा तथा प्रशिक्षण देने वाला अग्रणी संस्थान होने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर भी एक प्रतिष्ठित संस्थान है। यह संस्थान इमेज कंसिल्टिंग एवं बिजनैस प्रोग्राम संबंधी अनोखे पेशेवर कोर्स करवाता है। इस संस्थान की डायरैक्टर सुमन अग्रवाल भारतीय उपमहाद्वीप की वरिष्ठतम इमेज कंसल्टैंट मानी जाती हैं । उनकी कहानी भी एक उत्तम प्रेरणा स्रोत है। उन्हें कॉलेज की पढ़ाई बीच में ही छोड़ देनी पड़ी थी परंतु आज वह एक सफल उद्यमी तथा इस संस्थान

उन्होंने २००९ में की।यूनाइटेड किंगडम स्थित फैडरेशन ऑफ इमेज प्रोफैशनल इंटरनैशनल द्वारा उन्हें इमेज मास्टर अवार्ड से नवाजा गया जिससे वह भारतीय उपमहाद्वीप में सर्वाधिक वरिष्ठ इमेज कंसल्टैंट बन गई। इमेज कंसिल्टिंग में पहनावे के महत्व पर वह कहती हैं, ''80 प्रतिशत से अधिक संवाद दृश्य होता है और पहनावा इसका सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब भी आप किसीं से मिलते हैं तो व्यक्ति का सबसे अधिक ध्यान सामने वाले के पहनावे पर ही जाता है। हालांकि यह बताना जरूरी है कि पहनावे के संबंध में कौशल एक इमेज कंसल्टैंट के पास होता है, वह सर्वश्रेष्ठ फैशन डिजाइनर समेत किसी अन्य पेशेवर के पास नहीं हो सकता है।महत्व बढिया परिधानों का नहीं होता, बल्कि उस संदेश का होता है जो आप अपने पहनावे से सामने वाले को देना चाहते हैं। सही पहनावे को सुनिश्चित बनाने के लिए व्यक्ति को अपने काम, लक्ष्यों एवं मौके का ध्यान रखने के अलावा आकर्षक दिखने के लिए अपने शारीरिक ढांचे, रंग-रूप, चेहरे के आकार आदि पर भी गौर करना पड़ता है।'' उनके अनुसार इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले यवाओं के लिए यह एक उत्तम एवं बेहद लाभदायक करियर साबित हो

पत्राचार शिक्षा से बदलती युवाओं की तकदीर

की डायरैक्टर हैं, जिसकी स्थापना

आज सभी विषयों में ग्रैजुएशन तथा मास्टर डिग्री कोर्स के अलावा अनेक सर्टीफिकेट कोर्स एवं डिप्लोमा भी पत्राचार माध्यम से दूरस्थ शिक्षा के रूप में उपलब्ध हैं। इन पाट्यऋमों का उद्देश्य छात्रों को सभी संबंधित विषयों का बुनियादी ज्ञान प्रदान करना होता है। अधिकतर् पत्राचार पाठयऋम विश्वविद्यालयों द्वारा चलाए जाते हैं और इनमें सभी विषय-विधाओं के 10+2 छात्रों को प्रवेश दिया जाता है।

कुछ प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश एक चयन परीक्षा कें माध्यम से दिया जाता है । पत्राचार शिक्षा ने हमारे देश की शिक्षा प्रणाली में एक आश्चर्यजनक परिवर्तन ला दिया है। पत्राचार माध्यम से अध्ययन करने वाले छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न आधुनिक तकनीकों का सहारा भी दिया जा रहा है। उपग्रह संचार, लो पावर ट्रांसमीटर्स की सहायता एवं सुचना सुपर–हाइवेज के माध्यम से देश भर में शिक्षा का

देश में अनेक मुक्त विश्वविद्यालय तथा उससे भी अधिक नियमित विश्वविद्यालय तथा कई अन्य संस्थाएं दूरस्थ अध्ययन कार्यक्रम चलाते हैं । दूरस्थ शिक्षा पद्धतिं कई श्रेणियों के शिक्षार्थियों, विशेष रूप से देरी से पढाई शुरू करने वालों, जिन व्यक्तियों के घर के पास उच्चतम शिक्षा साधन नहीं है, सेवारत व्यक्तियों और अपनी शैक्षिक योग्यताएं बढ़ाने के इच्छुक व्यक्तियों को

लाभ प्रदान कर रही है। मक्त विश्वविद्यालय ऐसे लचीले पाट्यऋम विकल्प देते हैं जिन्हें वे छात्र ले सकते हैं जिनके पास कोई औपचारिक योग्यता नहीं है किन्तु अपेक्षित आयु (प्रथम डिग्री पाट्यऋमों के लिए 18 वर्ष) के हो चुके हैं और लिखित प्रवेश परीक्षा भी उत्तीर्ण कर चुके हैं।ये पाठ्यऋम छात्र अपनी सुविधानुसार भी ले सकते हैं।विश्वविद्यालयों के दूरस्थ शिक्षा केंद्र न्यूनतम पात्रता रखने वाले उम्मीदवारों को प्रवेश देते हैं। यह पात्रता नियमित पाट्यक्रमों के समान ही होती है।पत्राचार शैक्षिक संस्थाएं छात्रों को पाट्यक्रम सामग्री के साथ-साथ संपर्क कक्षाएं भी उपलब्ध कराती हैं और परीक्षाएं संचालित करती हैं। अधिकांश विश्वविद्यालय मुद्रित अध्ययन सामग्री के अलावा अपने स्थानीय केंद्रों पर मल्टीमीडिया साधनों से भी छात्रों को शिक्षित करते हैं।ये विश्वविद्यालय ग्रैजुएशन पाठयक्रम, मास्टर डिग्री पाठयक्रम, एमॅ.फिल पीएच.डी. तथा डिप्लोमा एवं सर्टीफिकेट पाठ्यऋम भी चलाते हैं जिनमें से अधिकांश पाठ्यऋम



सी भी कार्य की लिए भावना अच्छी होनी चाहिए। कार्य को प्रारम्भ करने के पीछे हमारा भाव क्या है।हम क्या करना चाहते हैं इसका महत्व है। सफलता के लिए भगवान का सुमिरन कर कार्य करें।भगवान का ध्यान कर किए जाने वाले कार्य में सफलता अवश्य मिलती है। केवल परिश्रम से कुछ नहीं होता। कुछ लोग भगवान की असीम कृपा

कृषि क्षेत्र में करवट बदलता भारत



प्रहलाद सबनानी

भारतीय अर्थव्यवस्था में किसी भी दृष्टि से कृषि क्षेत्र के योगदान को कमतर नहीं आंका जा सकता है क्योंकि उद्योग एवं सेवा क्षेत्र का विकास भी कृषि क्षेत्र के विकास पर ही निर्भर करता है। अधिकतम उपभोक्ता तो आज भी ग्रामीण इलाकों में ही निवास कर रहे हैं एवं उद्योग क्षेत्र में निर्मित उत्पादों की मांग भी ग्रामीण इलाकों से ही निकल रही है। अतः देश में कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देना ही होगा।

रत में लगभग 60 प्रतिशत आबादी आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है और अपनी आजीविका के लिए कृषि क्षेत्र पर निर्भर है। जबिक, कृषि क्षेत्र का भारत के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान केवल 18 प्रतिशत के आस पास बना हुआ है। इस प्रकार, भारत में यदि गरीबी को जड़ मूल से नष्ट करना है तो कृषि के क्षेत्र में आर्थिक सुधार कार्यक्रमों को लागू करना ही होगा। भारत ने हालांकि आर्थिक क्षेत्र में पर्याप्त सफलताएं अर्जित की हैं और भारत आज विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है तथा शीघ्र ही अमेरिका एवं चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। साथ ही, भारत आज विश्व में सबसे अधिक तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था भी बन गया है। परंतु, इसके आगे की राह अब कठिन है, क्योंकि केवल सेवा क्षेत्र एवं उद्योग क्षेत्र के बल पर और अधिक तेज गित से आगे नहीं बढ़ा जा सकता है और कृषि क्षेत्र में आर्थिक विकास की दर को बढ़ाना होगा।

भारत में हालांकि कृषि क्षेत्र में कई सुधार कार्यक्रम लागू किए गए हैं और भारत आज कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन गया है। परंतु, अभी भी बहुत कुछ किए जाने की आवश्यकता है। किसानों के पास पूंजी का अभाव रहता था और वे बहुत ऊंची ब्याज दरों पर महाजनों से ऋण लेते थे और उनके जाल में जीवन भर के लिए फंस जाते थे, परंतु, आज इस समस्या को बहुत बड़ी हद तक हल किया जा सका है और किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किसान को आसान नियमों के अंतर्गत बैकों से पर्याप्त ऋण की सुविधा उपलब्ध है और इस सविधा का लाभ आज देश के करोडों किसान उठा रहे हैं। दूसरे, इसी संदर्भ में किसान सम्मान निधि योजना भी किसानों के लिए बहुत लाभकारी सिद्ध हो रही है और इस योजना का लाभ भी करोड़ों किसानों को मिल रहा है। इससे किसानों की कृषि सम्बंधी बुनियादी समस्याओं को दूर करने के सफलता मिली है।

भारतीय कृषि आज भी मानसून पर निर्भर है। देश के ग्रामीण इलाकों में सिंचाई सुविधाओं का अभाव है। इस समस्या को हल करने के उद्देश्य से भारत सरकार प्रति बुंद अधिक फसल की रणनीति पर काम कर रही है एवं सूक्ष्म सिंचाई पर बल दिया जा रहा है ताकि कृषि के क्षेत्र में पानी के उपयोग को कम किया जा सके तथा जल संरक्षण के साथ सिंचाई की लागत भी कम हो सके।



देश में कृषि जोत हेतु पर्याप्त भूमि का अभाव है और देश में सीमांत एवं छोटे किसानों की संख्या करोड़ों की संख्या में हो गई है। जिससे यह किसान किसी तरह अपना और परिवार का भरण पोषण कर पा रहे हैं इनके लिए कृषि लाभ का माध्यम नहीं रह गया है। इन तरह की समस्याओं के हल हेतु अब केंद्र सरकार विभिन्न उत्पादों के लिए प्रतिवर्ष न्यूनतम समर्थन मूल्य में, मुद्रा स्फीति को ध्यान में रखकर, वृद्धि करती रहती है, इससे किसानों को अत्यधिक लाभ हो रहा है। भंडारण सविधाओं (गोदामों एवं कोल्ड स्टोरेज का निर्माण) में पर्याप्त वृद्धि दर्ज हुई है एवं साथ ही परिवहन सुविधाओं में सुधार के चलते किसान कृषि उत्पादों को लाभ की दर पर बेचने में सफल हो रहे है अन्यथा इन सुविधाओं में कमी के चलते किसान अपने कृषि उत्पादों को बाजार में बहुत सस्ते दामों पर बेचने पर मजबूर हुआ करता था। खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना भारी मात्रा में की जा रही है इससे कृषि क्षेत्र में मृल्य संवर्धन को बढावा मिल रहा है एवं कृषि उत्पादों की बबार्दी को रोकने में सफलता मिल रही है। आज भारत में उच्च गुणवत्ता वाले बीजों के उपयोग पर ध्यान दिया जा रहा है ताकि उर्वरकों के उपयोग की आवश्यकता कम हो एवं कृषि उत्पादकता बढ़े। इस संदर्भ में मदा स्वास्थ्य कार्ड योजना भी किसानों की मदद कर रही

है इससे किसान कृषि भूमि पर मिट्टी के स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर कृषि उत्पाद कर रहे हैं। राष्ट्रीय कृषि बाजार को स्थापित किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि किसान सीधे ही उपभोक्ता को उचित दामों पर अपनी फसल को बेच सके। साथ ही, कृषि फसल बीमा के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि देश में सूखे, अधिक वर्षा, चक्रवात, अतिवृष्टि, अग्नि आदि जैसी प्रकृतिक आपदाओं के चलते प्रभावित हुई फसल के नुक्सान से किसानों को बचाया जा सके। आज करोड़ों की संख्या में किसान फसल बीमा योजना का लाभ उठा रहे हैं।

देश में खेती किसानी का काम पूरे वर्ष भर तो रहता नहीं है अतः किसानों के लिए अतिरिक्त आय के साधन निर्मित करने के उद्देश्य से डेयरी, पशुपालन, मधु मक्खी पालन, पोल्ट्री, मत्स्य पालन आदि कृषि सहायक क्षेत्रों पर भी ध्यान दिया जा रहा है, ताकि किसानों को अतिरिक्त आय की सुविधा मिल सके।

विश्व के विभिन्न देशों ने अपनी आर्थिक प्रगति के प्रारम्भिक चरण में कृषि क्षेत्र का ही सहारा लिया है। औद्योगिक क्रांति तो बहुत बाद में आती है इसके पूर्व कृषि क्षेत्र को विकसित अवस्था में पहुंचाना होता है। भारत में भी आज कृषि क्षेत्र, देश की अर्थव्यवस्था का आधार है, जो न केवल खाद्य सुरक्षा प्रदान करता है बल्कि करोड़ों नागरिकों के लिए रोजगार के अवसर भी निर्मित करता है। साथ ही, औद्योगिक इकाईयों के लिए कच्चा माल भी उपलब्ध कराता है। वैश्विक स्तर पर कृषि क्षेत्र की महत्ता आगे आने वाले समय में भी इसी प्रकार बनी रहेगी क्योंकि इस क्षेत्र से पूरी दुनिया के नागरिकों के लिए भोजन, उद्योग के लिए कच्चा माल एवं रोजगार के अवसर कृषि क्षेत्र से ही निकलते रहेंगे। हां, कृषि क्षेत्र में आज हो रही प्रौद्योगिकी में प्रगति के चलते किसानों को कम भूमि पर, मशीनों का उपयोग करते हुए, कम पानी की आवश्यकता के साथ भी अधिक उत्पादन करना सम्भव हो रहा है। इससे उत्पादन क्षमता में वृद्धि के साथ कृषि उत्पाद की लागत कम हो रही है और किसानों के लिए खेती एक उद्योग के रूप में पनपता हुआ दिखाई दे रहा है और अब यह लाभ का व्यवसाय बनता हुआ दिखाई देने लगा है।

केला, आम, अमरूद, पपीता, नींबू जैसे कई ताजे फलों एवं चना, भिंडी जैसी सब्जियों, मिर्च, अदरक जैसे प्रमुख मसालों, जूट जैसी रेशेदार फसलों, बाजरा एवं अरंडी के बीज जैसे प्रमुख खाद्य पदार्थों एवं दूध के उत्पादन में भारत पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर आ गया है। दुनिया के प्रमुख खाद्य पदार्थों यथा गेहूं एवं चावल का भारत विश्व में दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। भारत वर्तमान में कई सूखे मेवे, कृषि आधारित कपड़े, कच्चे माल, जड़ और कांड फसलों, दालों, मछली पालन, अंडे, नारियल, गन्ना एवं कई सब्जियों का पूरे विश्व में सबसे बड़ा उत्पादक है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान भारत 80 प्रतिशत से अधिक कृषि उपज फसलों (काफी एवं कपास जैसी नकदी फसलों सहित) के साथ दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा उत्पादक देश बन गया था। साथ ही, भारत सबसे तेज विकास दर के साथ पशुधन एवं मुर्गी मांस के क्षेत्र में दुनिया के पांच सबसे बड़े उत्पादक देशों में शामिल हो गया है।

कल मिलाकर भारतीय अर्थव्यवस्था में किसी भी दृष्टि से कृषि क्षेत्र के योगदान को कमतर नहीं आंका जा सकता है क्योंकि उद्योग एवं सेवा क्षेत्र का विकास भी कृषि क्षेत्र के विकास पर ही निर्भर करता है। अधिकतम उपभोक्ता तो आज भी ग्रामीण इलाकों में ही निवास कर रहे हैं एवं उद्योग क्षेत्र में निर्मित उत्पादों की मांग भी ग्रामीण इलाकों से ही निकल रही है। अतः देश में कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देना ही

संपादकीय

संघ मुख्यालय में मोदी

नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री पद पर आसीन होने के 11 साल बाद पहली बार नागपुर स्थित राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) मुख्यालय पहुंचने के कई निहितार्थ निकाले जा रहे हैं। मोदी के पहले अटल बिहारी वाजपेयी ने साल 2000 में अपने तीसरे कार्यकाल में संघ मुख्यालय का दौरा किया था। मोदी भी अपने तीसरे कार्यकाल में संघ मुख्यालय गए। स्वाभाविक तौर पर मोदी ने संघ के साथ अपने अट्ट संबंधों की जुगाली की। उन्होंने 'माधव नेत्रालय प्रीमियम सेंटर' की आधारशिला रखने के बाद कहा कि, 'संघ भारत की अमर संस्कृति और आधुनिक अक्षयवट है, जिसके आदर्श और सिद्धांत राष्ट्रीय चेतना की रक्षा करना है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि यह (संघ) देश की चेतना को ऊर्जा प्रदान करता है।' हालांकि मोदी के नागपुर जाने और संघ प्रमुख सहित अन्य पदाधिकारियों से मिलने को विपक्ष भले मुद्दा बनाने की कोशिश में है, मगर भाजपा के नेताओं का वहां जाना कर्त्रई गलत नहीं माना जा सकता है। संघ से पीएम मोदी का दिलों का रिश्ता है, ये दशकों पुराना है. ये सफर 1972 में शुरू हुआ था। 1972 में नरेन्द्र मोदी संघ में शामिल हुए थे। प्रचारक बने, फिर के जरिए भाजपा में एंट्री हुई। गुजरात में संगठन की जिम्मेदारी मिली। 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री बने। संघ का उन्हें मजबूत समर्थन मिला। बहरहाल, मोदी के इस दौरे को भाजपा के नये अध्यक्ष के चुनाव को लेकर विचार-मंथन के तौर पर भी देखा जा रहा है। हालाकि खुद प्रधानमंत्रा इस साल सितम्बर में 75 वर्ष के हा जाएंग स्वाभाविक है कि उनकी उम्र और भाजपा के उम्र संबंधी नियम-कायदों का भी उनके दौरे में चिंतन-मनन होगा। 2024 में संपन्न हए लोक सभा चुनाव में मोदी का मैजिक नहीं चल सका। पार्टी आशा के अनुरूप सीटें हासिल करने में नाकामयाब रही। लाजिमी है कि पार्टी के इस लचर प्रदर्शन को लेकर यह विश्लेषण भी सामने आया कि संघ का समर्थन शायद भाजपा को नहीं मिला। वजह चाहे जो भी हो, फिलहाल भाजपा के शीर्ष नेतृत्व और संघ के शीषर्स्थ पदाधिकारियों में इस बात को लेकर गहराई से यह विमर्श हो रहा है कि पार्टी 2029 में आसन्न लोक सभा चुनाव को लेकर किस तरह की रणनीति के साथ जनता के बीच आए। इसी दरम्यान उत्तर प्रदेश में भी-2027- में विधानसभा के चुनाव होने हैं। साफ है कि इस प्रदेश में पार्टी के प्रदर्शन को ही 2029 में कमल खिलने की गारंटी मानी जाएगी। चुनांचे, मोदी और संघ की मुलाकात के कई सारे मायने हैं।

सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख

पिछले दिनों में राष्ट्रीय रंगमंच पर जिस प्रकार का राजनीतिक चरित्र उभरकर आ रहा है, वह एक गंभीर चिंता का विषय है। ऐसा लगता है, राजनीति का अर्थ देश में सुव्यवस्था बनाए रखना नहीं, अपनी सत्ता और कुर्सी बनाए रखना है। राजनीतिज्ञ का अर्थ उस नीति-निपुण व्यक्तित्व से नहीं है, जो हर कीमत पर राष्ट्र की प्रगति, विकास-विस्तार और समृद्धि को सर्वोपरी महत्व दे; किंतु उस विदूषक-विशारद व्यक्तित्व से है, जो राष्ट्र के विकास और समृद्धि को अवनित के गर्त में फेंककर भी अपनी कुर्सी को सर्वोपरि महत्व देता हो। राजनेता का अर्थ राष्ट्र को गति की दिशा में अग्रसर करने वाला नहीं, अपने दल को सत्ता की ओर अग्रसर करने वाला रह गया है। यही कारण है कि आज राष्ट्र गौण है, दल प्रमुख है। सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख है। चरित्र गौण है, कुर्सी प्रमुख है। एक राजनेता में राष्ट्रीय चरित्र, न्याय-सिद्धांत और नेतृत्व क्षमता के गुणों की आवश्यकता नहीं, किंतु आज कुशल राजनेता वही है, जो अपने दल के लिए राष्ट्र के साथ भी विश्वासघात कर सकता हो, अपनी कुर्सी के लिए अपने दल के साथ भी विश्वासघात करने का जिसमें साहस या दुस्साहस

बहुत बार मन में प्रश्न उभरता है, क्या राजनीति का अपना कोई चरित्र नहीं होता अथवा सत्ता प्राप्ति के लिए राष्ट्र, समाज, दल और व्यक्ति की विश्वासपूर्ण भावनाओं के साथ खिलवाड़ करना ही राजनीति का चरित्र होता है? जनता की कोमल भावनाओं का शोषण करके सत्तासीन होने के बाद क्या राजनेता का व्यक्तित्व जनता और राष्ट्र से भी बड़ा हो जाता है? यदि ऐसा नहीं है तो आज की राजनीति क्यों अपने प्रिय पुत्रों, संबंधियों और चमचों-चाटुकारों के चप्रव्यूह में फंसकर रह गई है? राष्ट्र को स्थिर नेतृत्व प्रदान करने के नाम पर क्यों सिद्धांतहीन समझौते और स्तरहीन कलाबाजियां दिखाई जा रही हैं? संप्रदायवाद, जातिवाद, भाषावाद और प्रांतवाद को भड़का करके क्यों सत्ता की गोटियां बिठाई जा रही हैं? आज की राजनीति को देखकर मन ग्लानि और वितृष्णा से भर जाता है। आखिर यह सबकुछ कब तक चलता रहेगा?

जल संकट का समाधानः परंपरागत ज्ञान और आधुनिक तकनीक का संगम



डॉ. सत्यवान सौरभ

ल संकट आज की दुनिया के सबसे गंभीर मुद्दों में से एक हैं। बढ़ती जनसंख्या, अनियंत्रित औद्योगीकरण, और जलवायु परिवर्तन ने पानी की उपलब्धता पर गंभीर प्रभाव डाला है। इस संकट से निपटने के लिए हमें परंपरागत जल संरक्षण तकनीकों और आधुनिक विज्ञान व तकनीक के समन्वय की आवश्यकता है।जल संरक्षण का अर्थ है पानी के स्रोतों का समझदारी से प्रबंधन करना ताकि भविष्य में पानी की कमी न हो। भारत के पास दुनिया का केवल 4% मीठा पानी है, लेकिन इसकी 18% आबादी जल संकट से जूझ रही है। इस समस्या को हल करने के लिए सरकार और समुदायों की भागीदारी जरूरी है। आंध्र प्रदेश में जल शक्ति अभियान और नारू-चट्टू जसा याजनाआ न पाना का उपलब्धता बढाने में मदद की है।

स्थानीय समुदाय अपने पारंपरिक ज्ञान और नए तकनीकी उपायों को अपनाकर पानी का बेहतर उपयोग कर सकते हैं। महाराष्ट्र का हिवरे बाजार मॉडलः इस गाँव में पारंपरिक और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करके भूजल स्तर बढ़ाया गया। वर्षा जल संचयन और कुओं की सफाई से यहाँ जल उपलब्धता बढ़ी।

राजस्थान की जोहड़ प्रणालीः छोटे-छोटे तालाबों (जोहड़) के निर्माण से भूजल स्तर सुधरा और सूखे की समस्या कम हुई। उत्तराखंड की चाल-खाल प्रणालीः ये छोटे जलाशय वर्षा जल को संग्रहीत कर भूजल पुनर्भरण में मदद करते हैं। पानी के कुशल उपयोग के लिए पारंपरिक तरीकों और नई तकनीकों को अपनाना जरूरी हैं। नागालैंड की जाबो कृषि पद्धतिः यह विधि बारिश के पानी को इकट्ठा कर खेती के लिए उपयोग करती है, जिससे सुखे की मार कम होती है। राजस्थान के टांके वर्षा जल संग्रहण के लिए बनाए गए छोटे जल भंडार हैं, जिनमें अब आधुनिक निस्पंदन तकनीक भी जोड़ी जा रही है। तमिलनाडु में एरियों (तालाब) प्रणालीः यह प्रणाली वर्षा जल को संग्रहित कर सिंचाई और पेयजल आपूर्ति में मदद करती है। जल संरक्षण के लिए जंगल, नदी, तालाब और मिट्टी को संतुलित बनाए रखना जरूरी है। राजस्थान में ओरण (पवित्र वन) क्षेत्रों में जल स्रोतों और जैव विविधता की सुरक्षा होती है, जिससे मरुस्थलीकरण को रोका जाता है। मेघालय की झरना पुनरुद्धार परियोजना के तहत वनों और जलग्रहण क्षेत्रों को पुनर्जीवित किया जा रहा है, जिससे जल स्रोत संरक्षित हो रहे हैं। मध्य प्रदेश में नर्मदा सेवा यात्रा पहल का उद्देश्य नर्मदा नदी के किनारे पेड़ लगाकर जल सरक्षण आर पयावरण सुधार का बढ़ावा दना है। महाराष्ट्र की पानी पंचायतें और झारखंड की ग्राम सभाएँ जल संसाधनों के न्यायसंगत उपयोग को सुनिश्चित कर रही हैं।

जलवायु परिवर्तन और अनियमित बारिश जल संकट को बढ़ा सकते हैं। ऐसे में परंपरागत जल संरक्षण प्रणालियाँ मददगार साबित हो सकती हैं। बुंदेलखंड में सूखा राहत कार्यः तालाबों के पुनर्निर्माण और वर्षा जल संचयन से इस क्षेत्र में पानी की समस्या कम हो रही है। लद्दाख में सर्दियों में कृत्रिम हिमनद बनाए जाते हैं, ताकि गर्मियों में इनसे पानी मिलता रहे। हालांकि, बढ़ते तापमान से यह विधि चुनौतियों का सामना कर रही है। गुजरात में वाडी प्रणाली में जल संरक्षण के लिए टपक सिंचाई और बहुफसलीय खेती अपनाई जाती है। जलवायु परिवर्तन, औद्योगिक प्रदूषण, असमान जल वितरण और सरकारी योजनाओं में पारंपरिक प्रणालियों की अनदेखी प्रमुख बाधाएँ हैं। समुदायों को जल संसाधनों के प्रबंधन में अधिकार मिलना चाहिए ताकि वे जल को संधारणीय रूप से उपयोग कर सकें। महाराष्ट्र की पानी पंचायतें: इन पंचायतों के माध्यम से किसानों को पानी का न्यायसंगत वितरण सुनिश्चित किया जाता है। झारखंड में ग्राम सभा अधिनियम के तहत गाँव की सभाएँ छोटे जलाशयों का प्रबंधन कर रही हैं। ओडिशा में पाणी पंचायतः यह योजना सामुदायिक भागीदारी से जल प्रबंधन को बढावा देती है। शहरों को अधिक पानी दिया जाता है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में कमी हो जाती है। उदाहरण के लिए, चेन्नई के लिए आसपास के गाँवों से पानी लिया जाता है, जिससे किसानों को परेशानी होती है। हिमालय के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं. जिससे गंगा जैसी नदियों का प्रवाह कम हो रहा है और जल संकट बढ़ रहा है। पारपारक जल संरक्षण प्रणालिया को सरकारी योजनाओं में ज्यादा महत्व नहीं दिया जाता। कई उद्योग अपशिष्ट जल को नदियों और तालाबों में छोड़ देते हैं, जिससे जल स्रोत दूषित हो जाते हैं। परंपरागत जल संरक्षण प्रणालियों को कानूनी दर्जा मिलना चाहिए। वैज्ञानिक संस्थानों, सरकारी एजेंसियों और स्थानीय समुदायों के बीच साझेदारी को

मजबूत करना चाहिए। क्रक्ळ मद्रास ग्रामीण इलाकों में

वर्षा जल संचयन के लिए तकनीकी सहायता दे रहा है। जल प्रबंधन योजनाओं में स्थानीय लोगों की भागीदारी बढ़ानी चाहिए। जल, जंगल और भूमि को एक साथ जोड़कर संरक्षण योजनाएँ बनानी चाहिए। आधुनिक तकनीकों और पारंपरिक ज्ञान को मिलाकर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने की रणनीति बनाई जानी चाहिए। शहरी जल पुनर्चक्रणः शहरों में अपशिष्ट जल को पुनः उपयोग में लाने की प्रणाली विकसित करनी चाहिए।

जल संरक्षण केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है बल्कि इसमें समुदायों की भागीदारी भी बहुत जरूरी है। पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक तकनीक को मिलाकर जल संसाधनों का कुशल प्रबंधन किया जा सकता है। जल शक्ति अभियान और मनरेगा जैसी योजनाओं के साथ अक आधारित निगरानी प्रणाली को जोडकर जल संरक्षण को और प्रभावी बनाया जा सकता है। इससे जल संकट से निपटने में मदद मिलेगी और भविष्य के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित होगी। कानूनी मान्यता, वैज्ञानिक सहयोग, स्थानीय भागीदारी, जल पुनर्चक्रण और जलवायु अनुकूलन उपायों को अपनाकर जल संरक्षण को प्रभावी बनाया जा सकता है।

जल संकट से निपटने के लिए हमें अतीत की सीख और भविष्य की तकनीकों के बीच संतुलन बनाना हागा। परपरागत जल सरक्षण प्रणालिया हम स्थिरता और स्थानीय अनुकूलन का ज्ञान देती हैं, जबिक आधुनिक तकनीकें जल संसाधनों के कुशल प्रबंधन में सहायता कर सकती हैं। यदि हम दोनों का संगम करके कार्य करें, तो जल संकट का स्थायी समाधान प्राप्त किया जा सकता है। 'बूँद-बूँद से घड़ा भरता है' - जल संरक्षण की दिशा में एक छोटा प्रयास भी भविष्य में बड़ा बदलाव ला सकता है।

घिब्ली की दुनिया बनाम हकीकतः कला, रोजगार और मौलिकता का संघर्ष



31 गर हम हकीकत की दुनिया में देखें, तो रोजगार जरूरी है। बिना नौकरी या व्यवसाय के, सिर्फ घिब्ली की खूबसूरत दुनिया में खोकर पेट नहीं भरा जा सकता। लेकिन मानसिक शांति और प्रेरणा के लिए कला भी आवश्यक है। यही वजह है कि सोशल मीडिया पर घिब्ली स्टाइल की इमेज और वीडियो एक ट्रेंड बन चुके हैं। लोग पिनटेरेस्ट, इंस्टाग्राम और टिकटोक पर इसे देखकर टाइम पास कर रहे हैं, कुछ इसे खुद ट्राई कर रहे हैं, और एआई टूल्स की मदद से घिब्ली-स्टाइल की इमेज बना रहे हैं।

आजकल सोशल मीडिया पर घिब्ली स्टाइल इमेज और वीडियो बहुत लोकप्रिय हो गए हैं। एआई टूल्स की मदद से अब कोई भी बिना आर्ट स्किल्स के घिब्ली जैसी इमेज बना सकता है। लोग पिनटेरेस्ट और इंस्टाग्राम पर घिब्ली मूवी के सीन से बनी एस्थेटिक गिफ्स और वॉलपेपर शेयर कर रहे हैं। टिकटोक और रील्स में घिब्ली सीन के साथ रिलेटेबल ऑडियो या कोट्स लगाकर मजेदार कंटेंट बनाया जा रहा है। कुछ एआई टूल्स अब आपकी असली फोटो को भी घिब्ली स्टाइल में बदल सकते हैं, जिससे लोग अपनी तस्वीरों को फेयरीटेल लुक दे रहे हैं। यह ट्रेंड सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक बड़ी बहस को जन्म दे रहा है-क्या एआई जनरेटेड



अगर किसी को घिब्ली की दुनिया इतनी पसंद है कि वह इसमें कुछ नया जोड़ना चाहता है, तो यह एक रोजगार का साधन भी बन सकता है। उदाहरण के लिए डिजिटल आर्टिस्ट घिब्ली-स्टाइल आर्ट बनाकर पैसा कमा सकते हैं। मर्चेंडाइज बिजनेस (पोस्टर, स्टिकर, कपड़े) से आय हो सकती है। यूट्यूब और सोशल मीडिया पर घिब्ली स्टाइल कंटेंट क्रिएट करना एक करियर विकल्प हो सकता है। एनिमेशन इंडस्ट्री में घिब्ली से प्रेरित होकर ओरिजिनल शॉर्ट फिल्म्स और सीरीज बनाई जा सकती हैं। गेम डिजाइन और वीएफएक्स स्टूडियो में भी घिब्ली जैसी विजुअल स्टाइल को अपनाकर कैरियर बनाया जा सकता है। हालांकि, केवल घिब्ली की दुनिया में खोए रहना नुकसानदायक हो सकता है। असली जिंदगी के काम टलते रहते हैं, और लोग प्रोडिक्टिवटी खो सकते हैं। अगर कोई सिर्फ एनीमेशन देखने में उलझा रहता है और अपने करियर पर ध्यान नहीं देता, तो यह एक समस्या बन सकती है।

घिब्ली की दुनिया आदर्श होती है-जहाँ हर चीज खूबसूरत, शांत और जादुई होती है। लेकिन असली दुनिया संघर्ष, तनाव और कठिनाइयों से भरी होती है। अगर कोई हर समय घिब्ली जैसी ज़िंदगी ढूंढे, तो असली दुनिया बेरंग और कठिन लग सकती है। समय की बबार्दी: लोग घंटों तक घिब्ली मुवीज, पिनटेरेस्ट आर्ट, एआई -जनरेटेड इमेज और इंस्टाग्राम रील्स देखते रहते हैं। यह 'टाइम पास' कब 'टाइम वेस्ट' में बदल जाता है, पता भी नहीं चलता। अगर कोई सिर्फ एनीमेशन देखने में उलझा रहता है, लेकिन उसे अपने करियर पर ध्यान देना चाहिए, तो यह नुकसानदेह हो

अगर कोई हर समय घिब्ली जैसी ज़िंदगी ढूंढे, तो असली दुनिया बेरंग और कठिन लग सकती है। कुछ लोग इस वजह से प्रेरणा और महत्वाकांक्षा भी खो सकते हैं। घिब्ली स्टाइल इतना लोकप्रिय हो गया है कि कई कलाकार अपनी खुद की स्टाइल डिवेलप करने के बजाय सिर्फ घिब्ली-स्टाइल आर्ट कॉपी कर रहे हैं। घिब्ली स्टाइल एन्जॉय करें, लेकिन उसमें खो न जाएँ। अगर आपको आर्ट पसंद है, तो इसे एक स्किल में बदलें, जिससे आप कमाई कर सकें। अपने करियर और लाइफ गोल्स को इग्नोर न करें-काम जरूरी है, कला सिर्फ सुकून के लिए है। मौलिकता बनाए रखें-घिब्ली से प्रेरित हों, लेकिन अपनी ख़ुद की यूनिक स्टाइल डेवलप करें। टाइम मैनेजमेंट करें-आर्ट और मनोरंजन का आनंद लें, लेकिन काम और ज़िम्मेदारियों को नजरअंदाज न करें।

घिब्ली का जादू खूबसूरत है, लेकिन अगर यह हमारी असली ज़िंदगी को प्रभावित करने लगे, तो नुकसान हो सकता है। बैलेंस बनाना जरूरी है-कला और करियर, कल्पना और हकीकत के बीच! घिब्ली-प्रेरित कला को करियर में बदला जा सकता है-डिजिटल आर्ट, मर्चेंडाइज, यू ट्यूब कंटेंट और एनिमेशन इंडस्ट्री में इसका उपयोग हो सकता है। लेकिन सिर्फ घिब्ली की दुनिया में खो जाना नुकसानदेह हो सकता है-यह समय की बबादीं, करियर पर असर, असली दुनिया से डिस्कनेक्ट और मौलिकता की कमी ला सकता है। समाधान यह है कि घिब्ली की प्रेरणा से कुछ नया और मौलिक बनाया जाए, न कि केवल कॉपी किया जाए। कला और रोजगार के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी है ताकि हम जीवन के दोनों पहलुओं का पूरा

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

How Punjab can contain its debt burden

According to data recently released by the IMF, India's debt burden (Centre and states combined) is 83 per cent of the Gross Domestic Product (GDP). The states' and UTs' debt-GSDP ratio is 28.8 per cent, according to the RBI estimates. However, the intensity of the debt burden has varied over time and across states and UTs. This year, it is hovering between 1.3 per cent (Delhi) and 57 per cent (Arunachal Pradesh).

Punjab has emerged as the second highest debtburdened state, with a debt-GSDP ratio of 46.6 per cent, followed by Himachal Pradesh with 45.2 per cent. Among the other major states with a high debt burden are West Bengal (38 per cent), Bihar (37.3 per cent), Kerala (36.8 per cent), Rajasthan (35.8 per cent), Andhra Pradesh (34.7 per cent) and Uttar Pradesh (31.8 per cent). The Thirteenth Finance Commission had identified three debt stressed states — Kerala, Punjab and West Bengal. It had recommended a debt relief package for them to reduce their burden, but it never materialised. Similarly, an RBI study has predicted that five states — Bihar, Kerala, Punjab, Rajasthan and Rajasthan — will exceed the debt-GSDP ratio of 35 per cent and they will be the high-debt stressed states in 2026-27Punjab is a unique state, carrying a high debt burden over the last four decades. Towards the mid-1980s, it started recording a deficit on revenue account, that is incurring a higher expenditure than the revenue generated. The turmoil decade of the 1980s converted the revenue-surplus state to a revenue-deficit one and a well-governed state to a governance-deficit one.

But when durable peace was restored in the early 1990s and successive democratically elected governments completed their full five-year terms, the revenue-raising capacity of the state could not be restored. This was due to several reasons. The most important is the slow growth of the dynamic sectors of Punjab economy — the industrial and services sectors. Punjab has been witnessing deindustrialisation in general and desertion of industry from the industrial towns of Batala, Jalandhar, Amritsar and Mandi Gobindgarh, in particular. The ICT industrial revolution has bypassed the services sector of Punjab and, hence, its capacity to raise tax revenue has remained limited.Its agricultural sector has served the nation's food security, but income from it is not in the ambit of taxation. The other important factor that added to the prolonged debt stress is fiscal profligacy, which coincided with the national consensus of shifting state-led development to market-led development.

The political leadership of all hues has indulged the voters with popular schemes based on subsidies, burdening the state with additional borrowed resources. Despite the enactment of the FRBM Act of 2002, the state governments in general and the national government in particular have violated it with impunity.Last but not the least, the state government takes pride in presenting a budget without any new taxes. No strategic pathways have been presented either to raise the revenue or steps to reduce the debt burden. On the contrary, borrowing is done to even service its old debt. More than 90 per cent of the borrowings go towards interest payment and repayment of the principal amount. Borrowing for redeeming debt liability is a clear case of the deep debt stress of Punjab. The AAP government has taken borrowing to the highest levels. The standard measures tried by the Punjab Government to mitigate the crisis were the compression of expenditure, mainly on health and educational services. This, in turn, deteriorated the human capital development of the state. Another casualty of the compression of expenditure was capital expenditure, that is, the capability to increase capacity to produce higher value of output (GSDP). This is reflected in low gross fixed capital formation-GSDP ratio.

America puts nuclear ball in Iran's court

Preventing Iran from acquiring nuclear weapons has been an abiding US objective since the end of the Cold War.

The American policy on Iran and, by extension, West Asia came under the spotlight last week when US President Donald Trump said he had warned Iran that "very bad things will happen" if Tehran failed to strike a nuclear deal. This threat comes against the backdrop of renewed violence in the region, with the US military launching airstrikes against Houthi rebels. Concurrently, the Israeli attacks on Gaza against Hamas have continued, with the death toll in Palestine crossing 50,000, even as hospitals and other civilian sites have been targeted. Israel also struck Beirut on March 28 — the first such attack since November last year when a fragile ceasefire had brought to an end the Israeli war against Hezbollah in Lebanon. The Trump missive to Tehran is the latest attempt by Washington to address the long-festering nuclear issue. The US President added: "I sent them a letter just recently, and I said: you have to make a decision, one way or the other..." And in keeping with his blow-hot, blow-cold style of issuing cryptic warnings, he cautioned: "I don't want that to happen. My big preference — and I don't say this through strength or weakness — my big preference is, we work it out with Iran. But if we don't work it out, bad, bad things are going to happen to Iran."In May 2018, during his first term in office, President Trump had taken a unilateral decision to withdraw the US from the painstakingly negotiated JCPOA (Joint Comprehensive Plan of Action) — also called the Iran 'nuclear deal' — that the UN Security Council's five members and Germany (P5 plus 1) had reached during the second Obama term in 2015. The core of the agreement was that Iran would limit its nuclear programme and the uranium enrichment it had embarked upon in return for a gradual easing of the US-led sanctions that were crippling its economy.In 2018, Trump asserted that "the heart of the Iran deal was a giant fiction: that a murderous regime desired only a peaceful nuclear energy programme" and that there was "definitive proof that this Iranian promise was a lie." Preventing Iran from acquiring nuclear weapons has been an abiding US objective since the end of the Cold War in 1991. However, the US-led war against Iraq in 2003 over fabricated charges that the Saddam Hussein regime was secretly acquiring nuclear weapons and missiles, and the tumultuous developments in West Asia over the past two decades, including the removal of the Gaddafi regime in Libya, have only increased Iran's resolve to keep its nuclear programme alive. This has been an issue of major geopolitical and strategic discord globally and in West Asia, with Israel, Saudi Arabia and the UAE supporting the US position over containing Tehran. The latest Trump initiative evoked a quick response from Tehran. Iran reiterated its long-held



position that any talks with the US must be held within the framework of the 2015 JCPOA. This means that Washington must first return to the table — an unlikely exigency under the current circumstances. The Iranian position is that the proposed talks would be limited to the 'nuclear file' and that it would not enter into negotiations over its ballistic missile programme and the ties it has with regional allies. However, the fact that Iran has responded in writing to the Trump letter is indicative of a more malleable position and that it seeks lifting of the US sanctions. The Trump administration has enhanced its trans-border strike capability in the region by positioning five B-2 bombers at the US military base in Diego Garcia in the Indian Ocean. In an embarrassing development, details of the American plan to attack Yemen were inadvertently shared by the top brass of the US national security team with a journalist. The US military has intensified its strikes against Houthi rebels. This is being The slender hope for a cessation of regional hostilities seen as part of Trump's resolve to neutralise the immediate threat posed to global shipping and compel Iran to desist from supporting this group and come back to the negotiating table. The Houthis began their attacks in the Red Sea on merchant ships bound for Israel in

November 2023. This was a defiant and solitary show of support for the Palestine cause in the aftermath of the October 2023 Hamas terror attack and the war of reprisal that the Netanyahu government launched. Major shipping companies have chosen to avoid the Red Sea and the Suez Canal and are now routing vessels around South Africa.It has been estimated that this disruption has added 0.7 percentage points globally to core goods' inflation and 0.3 per cent to overall core inflation in 2024. In essence, the common citizen the world over is now paying a higher price for commodities and goods transported by sea. Current developments in West Asia, including protests in Israel over the Netanyahu government's policies, will not facilitate a reduction in violence. This spiral of bloodshed will cast a pall of gloom on the affected regions, even as the Islamic world prepares for Eid celebrations.

appears even more remote now, despite the claims made by Trump when he began his second term that he would broker a 'deal' that would ensure an end to the indiscriminate and disproportionate Israeli attacks against terror groups supported by Iran.

Contempt of court

The executive must not take judiciary for granted

IT's a sad state of affairs when the judiciary has to repeatedly rouse the Central and state governments from slumber. What's even worse is the reluctance of the authorities to take action despite court orders. Over 1,800 contempt cases are pending in the Supreme Court, while the corresponding figure for high courts is more than 1.43 lakh, according to a written reply submitted by the Law Ministry in the Lok Sabha last week. It has stated that the reasons for non-compliance with orders in contempt cases are "not available" with the Centre. Why are the respective ministries and departments not spelling out the reasons for their inaction, which borders on defiance? This lack of transparency and accountability strikes at the heart of the Modi government's much-touted 'maximum governance' mantra. State governments, too, have not exactly covered themselves in glory. For instance, many of them have failed to implement the guidelines issued back in



2006 by the Supreme Court regarding police reforms. An SC Bench justifiably became impatient with the

Punjab Government recently over a 1996 pensionary benefit scheme that continues to be in limbo. "We can't brush aside how courts are treated by the state governments," Justices Abhay S Oka and Ujial Bhuyan sharply remarked, underlining the hollowness of the promises made to the apex court by the political establishment. This insincerity mirrors the situation in the 'temple of democracy': The majority of the assurances made by Union ministers in Parliament remain unfulfilled. Every attempt by the executive to drag its feet over court orders undermines the authority of the judiciary. It's also a letdown for the public, which expects course correction whenever lapses in governance come under judicial scrutiny. The Supreme Court and high courts should go all out in warning governments to mend their ways, besides putting contempt cases on the fast track.

Trump's tariffs poised to hurt India

Reciprocal rates will make Indian exports uncompetitive or force us to bring tariffs down

ABOUT 2,000 years ago, when the Roman Empire was at its peak, merchant ships entering from ports outside the Mediterranean had to pay a standard tax on everything they brought in. Within a few centuries, as the Romans lost control and the region split up into scattered kingdoms and smaller empires, traders were faced with a bewildering array of charges as they moved from port to port.So, a convention developed, giving merchants advance notice on exactly how much tax would be levied on each good. The Arabs called it taa'rifeh or a notification. The word entered other languages, becoming tarifa in Spanish, tarrifa in Italian and later, tariff in English. Today, thanks to US President Donald Trump, this word is threatening to disrupt the world order that reigned for the past four decades. In a couple of days, Trump's 'reciprocal' tariffs will hit every country. The US will mirror the import duties any country imposes on American-made goods.

We will be affected by it too. Our exports to the US stood at \$78 billion in 2023-24, and in the first six months of this fiscal, it already crossed \$60 billion. The most important of these were medicines — our pharmaceutical companies export cheaper versions of important drugs to the US and earn big bucks. Then came telecom products, like reassembled iPhones, and other electronic and electrical gadgets and machines. Although we don't sell too many cars to American consumers, we do export a lot of auto parts. The US market accounts for 27 per cent of our automobile exports. We also export auto parts to other countries, which are then used in finished automobiles that are shipped to the US.Another big export is diamond and gold jewellery. In 2024, we exported \$12 billion worth of gems and jewellery to the US. We also export textiles and clothing. Last year, we sold \$11 billion worth of readymade garments, yarn and textiles to America. India also exports a wide variety of seafood to the US. We also sell different kinds of rice to American consumers. In all, we sold more than \$6 billion worth of agricultural products, seafood, fish and

processed foods in the US market, in 2024.

Currently, India's exports to the US are worth \$45 billion more than what we import from there. Trump believes that a big reason for this gap is that India imposes much higher tariffs on imports from the US, which makes USmade goods more expensive in India. On an average, India levies 12 per cent as tariff on goods coming into our domestic economy from outside. That is more than five times what the US imposes. The gap is even more stark when we take specific items. On agricultural products, India imposes a 37.8 per cent average tariff — the US levies just 5.4 per cent. Our tariff on US-made automobiles and auto parts is more than 24 per cent. Till recently, the US charged just 1 per cent on our auto exports. The gap between India's tariffs and that of the

US, till now, was 32.4 per cent on agricultural products, 23.1 per cent on auto parts, 13.3 per cent for diamond and gold jewellery, 8.6 per cent on pharmaceuticals and 7.2 per cent on electronic, electrical and telecom products. This is what Trump is targeting. His decision to mirror India's tariff regime will either make Indian exports uncompetitive or force India to bring tariffs down to US levels to continue to access the American market. Both options are bad for India. Trump's reciprocal tariffs will make Indian agricultural products, seafood and processed foods 31 per cent more expensive in the US. That will be enough for an American consumer to switch to a cheaper alternative — from basmati to 'Texmati', for instance. Auto parts will become 23 per cent dearer. Medicines and other medical

products will cost 7 to 9 per cent more in the US market while gems and jewellery will become 13 per cent more expensive. This could drive Indian products off US shelves. The only way our exporters would be able to compete is if they reduced their selling price. So, Indian shrimps and spices might have to be sold for 17 per cent less so that they cost the same in a US supermarket even after higher tariffs. In the past few years, Indian pharma companies have increased their share of retail drug sales in the US, making India the third largest pharmaceuticals exporter to the US, behind Ireland and Switzerland. When Trump's reciprocal tariffs come into play, Indian drug companies might have to reduce their prices by 6-8 per cent to ensure the US consumer doesn't pay more. Otherwise, they might switch back to Irish and Swiss drug manufacturers, who have been losing market share to Indian companies. In fact, Trump has indicated that he will announce higher tariffs on pharmaceuticals very soon, which might well go beyond reciprocal rates. In that case, Indian drug companies might find their market share shrinking and their profits getting squeezed.

What would happen if India were to cut tariffs on USmade goods? In that case, US agricultural products — like nuts, cheeses and meats — would cost 24 per cent less here. American cars will cost almost half of what they do right now. US-made auto parts will become 19 per cent cheaper on an average. Other US-made products will become 5-12 per cent cheaper in the Indian market.

What Trump is trying to do is to revive US manufacturing by raising tariff walls. The logic is that if US consumers have to pay more for imported goods, they will switch to goods produced at home. On the other hand, if foreign exporters are willing to reduce prices, then the US government will earn from duties while American consumers will continue to pay the same prices. Again, if foreign governments reduce tariffs to match what the US charged till now on imported goods, it will increase the sale of US-made goods in foreign markets, such as India.

10 major financial rule changes from April 1: Tax, UPI updates and more

New Delhi. As we step into the new financial year on April 1, 2025, several important changes in tax and financial rules will take effect. These changes, announced in recent months, will impact taxpayers, investors, and everyday banking users. From higher tax exemptions to new UPI regulations, here's everything you need to know in simple terms. HIGHER TAX EXEMPTION LIMIT

From April 1, you won't have to pay income tax if your annual income is up to Rs 12 lakh. Additionally, salaried individuals will get a standard deduction of Rs 75,000, making income up to Rs 12.75 lakh taxfree under the new tax system.

UPI DEACTIVATION FOR INACTIVE **NUMBERS**

To improve security, the National Payments Corporation of India (NPCI) will deactivate UPI IDs linked to mobile numbers that haven't been used for a long time. If you have a UPI account linked to an old or inactive number, update it before April 1 to avoid deactivation.

NEW UNIFIED PENSION SCHEME (UPS)

The Unified Pension Scheme (UPS) will start from April 1. This is an option for central government employees who are currently under the National Pension System (NPS).

Employees with at least 25 years of service will get 50% of their average basic salary (from the last 12 months) as pension.CHANGES IN PAN-AADHAAR RULES UPDATION

If you haven't linked your PAN with Aadhaar by March 31, 2025, you won't receive dividend income. Also, your TDS will increase, and no credit will be given in Form 26AS.CHANGES IN GST RULESTo enhance security, multi-factor authentication (MFA) will be mandatory on the GST portal. Also, e-way bills can now only be generated on documents that are less than 180 days old.

CHANGES IN MINIMUM BALANCE REQUIREMENT

Big banks like State Bank of India (SBI), Punjab National Bank (PNB), and Canara Bank are updating their minimum balance requirements. If you don't maintain the required balance in your account, you might face a penalty from April 1.

Ola Electric shares gain 2% after update on March vehicle registrations

New Delhi. Shares of Ola Electric Mobility gained in early trade on Tuesday after the company shared a fresh update on vehicle registrations in March.

Ola Electric shares were trading 2.15% higher at Rs 54.11 on the Bombay Stock Exchange (BSE) at around 9:55 am. The two-wheeler EV company said a total of 23,430 vehicles were registered in March, citing data from the Vahan portal. This update is important for the company, as its stock had tanked earlier due to a backlog in vehicle registrations in February. The company informed the stock exchanges that the shift to in-house vehicle registrations led to temporary disruptions.

The company has also informed that daily registration volumes and backlog clearance are steadily rising.

We have nearly cleared the February backlog and expect to complete the remaining February-March registrations in April 2025. To support this, we're scaling up our registration operations and actively coordinating with all external stakeholders," Ola Electric said. The company further added that it has began deliveries of Gen 3 portfolio in March 2025, adding that customer response has been positive and that demand has surpassed expectations.

'As a result, we ramped up the production of our Gen 3 portfolio in March and will continue ramping it up further in April for faster deliveries and better customer experience. We remain focused on execution and delivering a seamless ownership experience. We will continue to update stakeholders as our registration volumes stabilize," Ola Electric

SBI Down: Customers Face Difficulty In Availing Mobile Banking, Fund Transfer Services

New Delhi. Customers of India's largest lender State Bank of India (SBI) are facing issues with online services. Disruption in online services include internet banking and mobile banking.

State Bank of India has acknowledged that the bank's UPI services, including its online services are currently experiencing disruptions. SBI has advised its customers to use UPI Lite, a simplified version of UPI introduced by the Reserve Bank of India in 2022,



for uninterrupted small-value transactions during the outage.SBI has tweeted, "Due to Annual Closing activities our digital services will be unavailable to our esteemed customers between 1pm to 4pm IST on 1.4.2025. We request you to use UPI Lite and ATM channels for uninterrupted services. We apologise for the inconvenience caused." Meanwhile, new UPI rules have kicked in from today. Starting April 1, mobile number records will be updated weekly by banks and UPI apps to reduce transaction processing errors. Due to security concerns, banks and UPI providers will gradually remove dormant UPI-linked numbers. Inactive numbers cannot be used to make payments.

Indian air passenger traffic likely to rise 9% CAGR to 48.5 crore by FY27: Report

Domestic airport operators, including the Airports Authority of India, invested approximately Rs 80,000 crore in capex from FY21 to Q3 of FY25. CareEdge said 42% of this amount was to develop greenfield airports in four locations.

Mumbai. Air passenger traffic is likely to rise at a 9 per cent compounded annual growth rate (CAGR) between FY2025 and FY2027, taking the passenger volume to approximately 485 million by

FY27, ratings agency CareEdge said on Monday. International passenger traffic is likely to grow at a faster pace, supported by the induction of more wide-body aircraft from FY26, while the domestic passenger traffic may continue with its steady upward trajectory, expanding from a high base, it added. The Indian aviation sector has experienced a V-shaped recovery, with passenger traffic reaching 1.10 times its pre-COVID levels in FY24, the rating agency said. While the domestic air travel rebounded by FY23, the international traffic recovered in FY24, exceeding pre-COVID levels by 1.04 times, it noted. The ratings agency earlier estimated passenger traffic to reach around 425 million in FY25. However, owing to the delays in aircraft deliveries and adverse weather conditions, pax growth is expected to be marginally lower by 4 per cent and reach around 410 million. The increased air travel observed during the Mahakumbh in Q4 FY25 is likely to partially offset the low passenger growth

for the remainder of the current financial year, CareEdge Ratings said. "This surge (traffic growing at a CAGR of 9 per cent from FY25 to FY27) is driven by strong air travel demand and additional capacity creation by both airports and airlines. By FY27, passenger traffic is anticipated to reach approximately 485 million, reflecting the sector's strong recovery and growth trajectory," said Maulesh Desai, Director, CareEdge.Noting that the domestic airport operators, including the Airports Authority of India, have invested approximately Rs 80,000 crore in capex from FY21 to the December quarter of this fiscal, CareEdge said that as much as 42 per cent of this investment was allocated to the development of greenfield airports across four locations.

The rating agency also projected a total capital outlay increase of Rs 30,000 crore during FY26- FY30, reaching approximately Rs 1.1 lakh crore. This growth will be primarily driven by brownfield airport expansions, creating funding opportunities of around Rs 75,000 crore. Additionally, two

project cost of about Rs 25,000 crore, are expected to commence operations in the first half of FY26, it said, adding that 18 per cent of the total capex is allocated for city-side development (CSD) and nonaeronautical developments, highlighting efforts to enhance commercial and ancillary infrastructure. Global successes, such as Singapore's Changi Airport, demonstrate the potential of CSD. Yet, given the relatively higher saleability risk associated with CSD, the pace of CSD capex and the corresponding revenue generation are key ponderable from a credit perspective, it said. CareEdge Ratings estimates that the aero revenue of 11 private airports to grow at a CAGR of around 42 per cent over FY24-27. Meanwhile, it said, non-aero revenues are expected to grow at a CAGR of around 12-14 per cent over FY24-FY27, driven by growth in revenue from duty-free, food and beverages, and lounges, the ratings agency said. However, non-aero revenue per passenger for international peers is twice that of Indian airports.

Sensex Plunges Over 1,100 Points **Amid US Reciprocal Tariff Concerns**

At 11:05 am, Sensex was down 1,136.25 points or 1.47 per cent, at 76,260.90 and Nifty was down 283.70 points or 1.21 per cent, at 23,231.20.

Mumbai. Indian frontline indices declined sharply on Tuesday, dragged by the IT and financial service stocks, amid concerns over the upcoming US reciprocal tariffs from April 2.

15,997.15.On the sectoral front, Nifty IT influencing sentiment," said

index was down over 2 per cent. Nifty financial services, pharma, metal, reality and auto were top laggards. In the Sensex pack, IndusInd Bank,

Zomato, Nestle, ITC and Bharti Airtel



At 11:05 am, Sensex was down 1,136.25 were top gainers. Bajaj Finserv, points or 1.47 per cent, at 76,260.90 and Infosys, HDFC Bank, Axis Bank, Bajaj Nifty was down 283.70 points or 1.21 Finance, HCL Tech, TCS and Sun per cent, at 23,231.20. Along with large Pharma were top losers. According to caps, selling was seen midcap and Krishna Appala of Capitalmind smallcaps. Nifty midcap 100 was down Research, caution lingers amid global 359.10 points or 0.69 per cent, at headwinds. "Potential tariff 51,313.35 and Nifty smallcap 100 was announcements and their economic down 99.35 points or 0.61 per cent, at fallout remain key concerns Appala.Looking ahead, near-term volatility from global factors is expected, but India's strong domestic market supports a positive long-term outlook. In this context, assets like gold

could act as a portfolio stabiliser, complementing broader investment strategies rather than serving as a tactical play, said experts. Meanwhile, almost all markets in Asia were in the green zone. Shanghai, Tokyo, Seoul, Bangkok and Hong Kong markets were trading higher. The US markets recovered from a seven-month low on Monday and closed with a one per cent gain. After

witnessing buying in the previous six sessions, the foreign institutional investors (FIIs) remained net sellers on March 28 as they sold equities worth Rs

4,352 crore. On the other hand, domestic institutional investors (DIIs) continued their buying on the second days as they purchased equities of Rs 7,646 crore on the same day.

Shares in Focus! L&T wins large orders; Raymond inks JV to develop Rs 5K-cr housing project

New Delhi. Larsen & Toubro and Raymond Ltd shares are expected to be in focus. infrastructure major L&T on Tuesday confirmed to bag large orders in both domestic and overseas markets. Realty firm Raymond Ltd has signed a joint development agreement with Ten X Realty East Ltd to develop a housing project in Mumbai with an estimated revenue potential of Rs 5,000 crore.

Raymond Ltd share price traded 2.21 per cent down at Rs 1,371.95 apiece at around 12 noon on April 1, 2025.

The L&T shares traded with Rs 52.65 decline at Rs 3,439.65 per equity share. L&T wins large orders in India, overseas L&T informed the BSE about bagging orders which will be managed by the power transmission and distribution vertical of the company. It may be



noted that order value between Rs 2,500 crore and Rs 5,000 crore are considered 'large' orders by the infrastructure major.Larsen & Toubro sealed a deal to set up a gas-insulated substation in the Western part of the country. It has bagged another order for the turnkey construction of a transmission line associated with the evacuation of power in the same region. The company will be setting up two 380kV overhead lines in Saudi Arabia, besides getting orders in the UAE and Qatar.

Raymond inks JV to develop Rs 5,000-cr housing projectIn a regulatory filing, Raymond informed that its wholly-owned step-down subsidiary, Ten X Realty East Ltd, sealed a deal for the residential project in Wadala.

'This landmark project is estimated to have a gross development value of approximately Rs 5,000 crore...," the company said.(Disclaimer: This article is only meant to provide information. News9 does not recommend buying or selling shares or subscriptions of any IPO, Mutual Funds and crypto assets.)

Govt's `36,950 cr equity conversion to ease Vi's financial stress, say experts

New Delhi. The government's decision to convert Rs 36,950 crore of Vodafone Idea's (VIL) outstanding spectrum auction dues into equity is expected to ease the telecom operator's financial stress, enabling it to focus more on improving operations and technology, say industry experts.

According to Prashanth Tapse, Research Analyst and Senior Vice President (Research) at Mehta Equities, the company's future outlook will largely depend on its ability to launch 5G mobile broadband services effectively and manage subscriber churn. While the recent development may bring short-term relief to investor sentiments, the long-term outlook remains subdued.

The recent development that the government is raising its stake to 48.99% in Vi will ease some financial stress and help Vi to focus more on improving operations and technology. Despite this material development the challenges to raise capital and network expansion will continue to dent investors' concerns. These developments may influence investor sentiments but will not address the challenges," said Tapse.As per Citi, the announcement is a "major" and "timely" display of government support, expected to offer significant cash flow relief to Vi over the next three years and help the company complete its long-delayed bank debt raise. The move also alleviates concerns for tower companies like Indus Towers. Additionally, Citi highlighted that the ongoing launch of 5G services in select cities, including Mumbai, should improve sentiment around Vi by helping arrest subscriber losses, going forward.

The brokerage noted that Vi's high balance sheet leverage had been a persistent concern, worsened following the Supreme Court's verdict on the AGR issue in October 2019. Citi believes this development will help Vi move one step closer to securing its long-delayed debt raise from banks, providing the financial stability needed to strengthen its network infrastructure and competitive positioning in the market. The conversion of spectrum dues to equity will bring down Vi's overall net debt by nearly 18%. We estimate Vi's spectrum dues (for pre-2021 spectrum) that are payable over FY26/27/28E could reduce from `110/250/250 billion (`11,000/25,000/25,000 crore) to nearly `5/50/150 billion (`500/5,000/15,000 crore), implying over '400 bn ('40,000 crore) of cash flow relief over the next three years...note that annual spectrum payments of about '22 billion ('2,200 crore) for post-2021 spectrum plus annual AGR payments of `165 bn (`16,500 crore) would remain payable," it

Ratan Tata's will: Charity gets most, but family, staff, and pets included

New Delhi. Ratan Tata and philanthropy go together like the salt in the sea: inseparable, natural, and boundless. The man who built an empire with compassion at its core has ensured that, even in his absence, generosity remains his lasting

Ratan Tata's will has revealed how he distributed his wealth, with philanthropy taking the largest share, reported The Economic Times. The industrialist, who died on October 9, 2024, left most of his wealth, including shares in Tata Sons, to charitable causes. At the same time, he did not forget his family, close friends, staff, and even his beloved pets.Before getting into the details, Tata's will includes a nocontest clause. It states that anyone who challenges the will "shall forego all the rights or benefits" under it. "He or she shall have no right whatsoever over any part of my estate," Tata's will reads, as reported by The Times of India.

MAJORITY OF WEALTH GOES TO CHARITY

Ratan Tata allocated a huge portion of his estimated Rs 3,800 crore wealth to the Ratan Tata Endowment Foundation and the Ratan Tata Endowment Trust. These are both charitable organisations that will

use the funds for philanthropic purposes. Apart from his shares in Tata Sons, Tata also invested in other stocks, financial instruments, and properties. His will. which was signed on February 23, 2022, includes four codicils—legal documents that allow modifications to a will. The final codicil confirms that any unallocated shares, investments, or assets would also be distributed to these charitable

FAMIL AND CLOSE ASSOCIATES INCLUDEDWhile charity was a priority, Tata also left one-third of his other assets, including bank fixed deposits (FDs), stocks, and valuables worth Rs 800 crore, to his half-sisters Shireen Jejeebhoy and Deanna Jejeebhov.

Another one-third of these assets was bequeathed to Mohini M Dutta, a former Tata Group employee who was close to Ratan Tata. His 82-year-old brother, Jimmy Naval Tata, was also included in the will. He will receive a share of Tata's Juhu bungalow, silver articles, and some jewellery. Close friend Mehli Mistry has been granted Tata's Alibaug property and three guns, including a .25 bore pistol. The will states that Mistry was "instrumental in making

this property possible" and expressed hope that it would bring back memories of pleasant times they had shared.

The will is being executed by lawyer Darius Kambatta, along with Mehli Mistry, Shireen Jejeebhoy, and Deanna Jejeebhoy.

They have already filed a petition in the



Bombay High Court for the probate of the will. Probate is a legal process where a court validates a deceased person's will, allowing the executors to distribute the estate as per the instructions. The process may take up to six months before any wealth is distributed.

PETS AND STAFF REMEMBEREDTata's love for animals was well known, and his will reflects that. He set aside Rs 12 lakh as a fund for his pets, ensuring that each of them receives Rs 30,000 every quarter for their care. In addition, Tata waived loans he had previously given: Shantanu Naidu, his executive assistant, had taken a student loan, which will now be written off.Jake Malite, his neighbour, had

received an interest-free education loan, which will also be waived. According to court papers, Tata's foreign assets are valued at around Rs 40 crore. These include land parcels in Seychelles, bank accounts with Wells Fargo and Morgan Stanley, shares in Alcoa Corp and Howmet Aerospace.His personal collection of luxury watches was also included in the will. This collection features 65 watches, including brands such as Bylgari, Patek Philippe, Tissot, and Audemars Piguet. Tata's land in

Seychelles has been left to RNT Associates Singapore, a company associated with his business interests. His will also specifies that the interests of R Venkatraman and Patrick McGoldrick in RNT Associates India and RNT Associates Singapore should be protected.

What's on Delhi's summer outlook? More heatwave days, rainfall deficit to continue

NEW DELHI. Delhi will continue to witness a rain deficit this summer after receiving just 1.8 mm of rain in March, much below the normal level (17.4 mm), said the India Meteorological Department (IMD) on Monday. The number of heatwave days between April and June is also likely to be higher than usual. In March, Delhi received 90% less rainfall than it usually does, as per the IMD data.

According to the rain forecast for April, the Capital will receive below-normal rainfall. Among the nearby areas, isolated parts of Haryana are expected to receive normal to above-normal rainfall, as per the weather office. A majority of Uttar Pradesh is also expected to receive below-normal rainfall. However, isolated parts, mainly on the eastern side of the state, are set to receive above-normal rainfall.

"During April to June hot weather season, an above-normal number of heatwave days are likely to occur over most parts of the north and east peninsula... and plains of northwest India," reads the IMD's

Drugs worth Rs 27 crore

busted

seized after African cartel

NEW DELHI. The Narcotics Control Bureau (NCB),

along with Delhi Police, busted a drug cartel on

Monday and seized MDMA, high-quality crystal meth

and Afghan heroin worth Rs 27 crore. Home Minister

Amit Shah praised the agencies, saying, "Our relentless

According to officials, the NCB and the Delhi Police's

Special Cell traced the source of the drugs to a rented

accommodation of an African national, where the

MDMA was being synthesised. Five, including four

African nationals belonging to an influential family of

Nigeria, have been arrested, a senior MHA official said.

Acting on inputs about a high-quality methamphetamine

transaction in Chhatarpur area, a joint team of NCB and

technical tracking led them to an 'African Kitchen' in West Delhi's Tilak Nagar, identified as the source of the contraband. From this location, 1.156 kgs of crystal

methamphetamine, 4.142 kgs of Afghan heroin, and 5.776 kgs of MDMA (Ecstasy pills) have been

Further probe led to a follow-up search at a rented

linked to 2020 Delhi riots

NEW DELHI. A Delhi Court has acquitted 12 men

accused in two murder cases linked to the North East

Delhi Riots of February 2020, ruling that the

prosecution failed to substantiate the charges against

them. The court exonerated all the accused, identified

as Lokesh Kumar Solanki, Pankaj Sharma, Ankit

Chaudhary, Prince, Jatin Sharma alias Rohit,

Himanshu Thakur, Vivek Panchal a.k.a Nandu,

Rishabh Chaudhary alias Tapas, Sumit Chaudhary

alias Badshah, Tinku Arora, Sandeep a.k.a Mogli, and

The cases were registered at Gokulpuri Police Station under multiple charges, including rioting, murder, unlawful assembly, promoting enmity between communities, and destruction of evidence. After

examining the evidence and circumstances, Additional Sessions Judge Pulastya Pramachala of the

"In view of my

Sahil alias Babu, of all charges on March 28.

recovered, officials said.

cryptocurrency trade.

the Special Cell

intercepted a

vehicle carrying

5.103 kg of crystal

methamphetamine,

valued at Rs 10.2

Questioning of the

accused and

hunt against the illicit trade continues.'

seasonal outlook. As per the IMD' anomaly of heatwave duration (in days) for the April-June duration, the Capital is expected to see an additional two heatwave days while in some parts of the NCR (National Capital Region), the number of extra heatwave days can go up to four. In April, cities in South Haryana close to Delhi, including Faridabad and Gurgaon, are likely to see a higher number of heatwave days than normal.

In a briefing to reporters, IMD director Mrutyunjay Mohapatra on Monday said, "Both the maximum and minimum temperatures will be above normal in the Indo-Gangetic plains and adjoining areas, which will cause discomfort to people in the coming weeks in April."For it to be called a heatwave day in plains, at least two stations for two days in a row should record the maximum temperature at or above 40 degrees Celsius with a departure of 4.5 to 6.4 degrees Celsius from normal. A temperature analysis for March over

recent years shows that the city recorded a



higher mean maximum temperature (32.3 degrees Celsius) this year compared to the

At 15.5 degrees Celsius, the mean minimum temperature was also higher than last year (14.3 degrees Celsius) even as it was lower than that in 2023 (16.2 degrees Celsius).

The city did not see any heatwave days in March. However, unusually above-normal temperatures, touching 40 degrees Celsius, were reported in some stations in the Capital during the month. The city logged two rainy days.

On Monday, the maximum temperature was 35 degrees Celsius, around two degrees above normal, and the minimum temperature at 13.8 degrees Celsius was below normal by four degrees Celsius.

Monthly average AQI best in 5 years Meanwhile, the monthly average air quality index in the Capital stood at 170 this year, the best in five years, as per data from the Central Pollution Control Board (CPCB). While the average AQI for 2021, 2022, and 2024 stood at 223,

217, and 176, respectively; 2023 recorded the same AQI during the three months as this year. "The average AQI of Delhi for the January-March 2025 quarter has also been the best during the last five years... This quarter in 2025 did not witness even a single day with an average AQI more than 400," said the Commission for Air Quality Management in a statement on Monday. From January to March, the average AQI was 231 in contrast to 250 last year, 240 in 2023; 241 in 2022; and 278 in 2021.

Lucknow woman alleges husband gave triple talag over Rs 3 lakh dowry demand



New Delhi. A woman in Lucknow accused her husband of giving her triple talaq for not bringing Rs 3 lakh as a dowry ahead of Eid. The victim, Shaheen, revealed that her marriage took place in February 2024, but soon after, her husband, Gufran Ansari, and in-laws, Nasreen Ansari and Aslam Ansari, started demanding a bike and Rs 3 lakh as dowry.

Shaheen alleged that after she became pregnant, her husband assaulted her and threw her out of the house. On December 27, her husband, along with others, went to her house, verbally abused her, and kicked her in the stomach when she protested. Following this, he pronounced triple talaq. Despite earlier asking her to bring money by Eid, the triple talaq was given before the festival. Subsequently, Shaheen filed a complaint.

The police have registered a case against her husband, Gufran Ansari, father-in-law Aslam Ansari, mother-in-law Nasreen Ansari, sistersin-law Baby Farheen Ansari, Sahila, Khushboo Ansari, brothers-in-law Yusuf Ansari and Babu Ansari, Shahnaz, and a mediator, based on Shaheen's complaint. District Crime Branch West Zone officer Vishwajeet Srivastava confirmed that the woman filed a case under the triple talaq act against her in-laws in January and further investigation into the case is underway.

Madhya Pradesh bans liquor sales in 19 religious cities under new excise policy

The Madhya Pradesh government has banned alcohol sales in 19 religious locations, including Ujjain, Amarkantak, and Omkareshwar, under its new excise policy.



NEW DELHI. The Madhya Pradesh government has enforced a complete ban on the sale of liquor from April 1 in 19 designated locations of religious significance. The areas affected include renowned sites such as the Mahakaleshwar temple city of Ujjain, Amarkantak, Omkareshwar, and more. This move comes under the new excise policy

Under this policy, no new licences will be issued for liquor shops in these areas, and existing outlets are prohibited from continuing stemming from the closures.

implemented by the state government.

AC technician arrested for staging burglary at own house to repay loans

After analysing the footage multiple times, officials found that the accused had entered the building around 3:20 pm and left after about nine minutes.

NEW DELHI. A 45-year-old AC technician was arrested for allegedly staging a burglary at his home in Delhi's Uttam Nagar area to repay his loans, police said on Monday.

The accused, identified as Butta Singh, a resident of Om Vihar in Uttam Nagar, had reported on March 21 that gold jewellery and Rs 45,000 were stolen from his house between 3 pm and 6 pm. Singh's wife, Inderjit Kaur,

informed the police that her husband and their two children work as AC technicians and operate a shop in Sewak Park. She pm to purchase groceries, and upon returning, found the jewellery missing. During the investigation, authorities found no signs of forced

entry. The complainant also mentioned that there were two keys to the main door—one with her and another with her husband.



stated that she left the house around 3 Upon reviewing CCTV footage, police found no suspicious individuals approaching the house. After analysing the footage multiple times, officials found that Singh entered the

building around 3:20 pm and left after about nine minutes. Singh was subsequently detained and questioned, said Deputy Commissioner of Police (Dwarka)

Ankit Singh. Police also examined Singh's mobile phone and found messages from a finance company about the pledging of gold articles. Faced with this evidence, Singh admitted to staging the robbery. Further interrogation revealed that Singh had been struggling financially. In 2022, he took out a

loan to purchase the AC repair shop and another loan to buy a sevenseater taxi. However, his investments resulted in significant losses, and he failed to repay his loans, defaulting on

'Unlawful': Delhi HC on dismissal of CAPF personnel over HIV

The Bench observed that authorities are legally obligated to accommodate individuals living with HIV, rather than resorting to termination.

apartment in Greater Noida from where 389 grams of NEW DELHI. The Delhi High Afghan heroin and 26 grams of cocaine have been Court has ruled that dismissing recovered. According to the officials, the accused are personnel from the Central students of private universities in NCR and Punjab. Armed Police Forces (CAPF) Besides drugs, they are also suspected to be involved in solely due to their HIV-positive status constitutes 12 acquitted in murder cases discrimination and violates the provisions of the HIV Act.

A division bench comprising Justice Navin Chawla and Justice Shalinder Kaur observed that authorities are legally obligated to

accommodate individuals living with HIV, rather than resorting to termination.

While medical standards may apply to personnel who are confirmed in service, Section 3 of the HIV Act mandates that these standards apply The ruling provides significant relief to equally to individuals who have been



offered appointments but are found to be HIV-positive during their probation period," the court said. It also emphasised that dismissal based solely on HIV status is discriminatory, a practice expressly prohibited under Section 3 of the HIV Act.

three CAPF personnel who had been

denied promotions or appointments due to their HIV status. Their exclusion was based on their failure to meet the SHAPE-I medical classification, a requirement for career advancement within the force.

However, the Court ruled that the Office Memorandum (OM) issued in 2008, which mandates the SHAPE-I medical classification for promotions, must be interpreted in light of the HIV

Act's non-discrimination provisions. "To align with the objectives of the HIV Act and its prohibition against discrimination, Para 4.13 of the OM dated 18.11.2008 should be interpreted narrowly with respect to HIV-positive

operations. Additionally, the government has decided to increase the price of liquor in other locations to compensate for the loss in revenue The affected regions include municipalities and gram panchayats regions of Mandla, Multai, Mandsaur, Amarkantak, Salkanpur,

Barmankala, Barmankhurd, Linga, Kundalpur, Bandakpur, Ujjain, Omkareshwar, Maheshwar, Mandleshwar, Orchha, Maihar, Chitrakoot, Datia, and Panna,

No fuel to overage vehicles in Delhi: Decision to kick in by mid-April, says Minister Manjinder Sirsa

Overage or end-of-life vehicles — diesel vehicles older than 10 years and petrol vehicles older than 15 years — are not allowed to ply in Delhi

New Delhi. The Delhi government's decision to not give fuel to overage vehicles will be implemented by mid-April, Environment Minister Manjinder Singh Sirsa said on Monday.

While the government had initially planned to stop giving fuel to old vehicles by April 1, pending structural changes at a few fuel stations have delayed the implementation.

Overage or end-of-life vehicles — diesel vehicles older than 10 years and petrol vehicles older than 15 years - are not allowed to ply in Delhi. Over the past two years, the government has resorted to seizing these vehicles and scrapping them if necessary permissions to sell them in areas outside Delhi-NCR are not obtained or if they are parked in public areas such as roadsides.

The decision to stop giving them fuel is



part of the new BJP government's fight against air pollution in Delhi.

The reason behind delaying the implementation is that a few petrol pumps have not made the structural

changes necessary to implement the policy decision. There will have to be separate areas from where old cars will exit. There has to be a clear passage for the vehicles that can get fuel. These are small changes and will be made soon. Most pumps in the city have complied," Sirsa said. "It is better to wait a few days and implement the project in one go than to do it in fits and starts. All pumps have to refuse fuel to old vehicles otherwise the plan will fail. It should take 10-15 more days to implement," he added.

How will it work?

The implementation of the project will be based on linking Transport Department data with automated cameras and registration plate recognition systems at fuel pumps. The camera will scan the number plate. If the vehicle is old, it will sound an alarm. It will work the way the FASTag system works at toll booths.

There are nearly 600 fuel pumps in Delhi. Of these, more than 450 have already complied with the requirements, sources



discussions, observations, and findings, I conclude that the charges against the accused have not been proven at all." The prosecution had

relied on chat messages from a group conversation, linking them to the accused in multiple murder cases related to the riots.

These chats allegedly referenced the killing of two victims on the night of 26 February 2020, but the same conversation had also been cited in connection with the murders of nine people in separate cases. The court found discrepancies in the prosecution's claims, noting that in the present case, the alleged time of murder was 10:30 a.m, whereas the chats referred to an incident at night. "This contradiction itself shows that these chats cannot be related to the incident being

examined in this case," the court observed. The judge further pointed out that such messages could have been posted in the group for self-aggrandisement rather than as genuine admissions of involvement. "A person might make such statements to gain status among peers or as mere bravado without any truth." the court noted. According to the charge sheet, on 1 March 2020, police received a PCR call about a body found in Bhagirathi Vihar Nala.

Wednesday, 02 April 2025

France's Marine Le Pen gets 4 years for embezzlement, with 2 under ankle monitor

world. A French court sentenced France's far-right leader Marine Le Pen to four years in prison for embezzling European Parliament funds and barred her from running for any public office for five years -- a huge blow to her presidential ambitions for 2027.

Out of the four-year sentence, Le Pen was placed under house arrest for two years with an ankle monitor, while the remaining two years are suspended. Even though Le Pen will be appealing the verdict in a higher court, her lawyer said that she will be ineligible to run for the office of the French President till the time her hearing concludes. She called this possibility a "political death." While the judge was pronouncing the order, Le Pen, shook her head vehemently and muttered, "Incredible." Showing no signs of remorse, she stormed out of the French court on Monday in the middle of the ruling. The court further ordered her party, National Rally (RN), to pay 2 million Euros in fines out of the 4.1 million Euros it was accused of embezzling.Le Pen, who was the frontrunner for the 2024 presidential elections, along with more than 20 members of her party, was convicted of paying her party's staff using funds from the European Parliament. Among those convicted were Le Pen's personal assistant and her bodyguard. The court ruled that even though Le Pen didn't personally benefit, the scheme aimed to mislead both parliament and voters. TRUMP, MUSK SLAM'RADICALLEFT'

The conviction of the French far-right leader sent shockwaves across the Atlantic as well, with US President Donald Trump calling it a "very big deal."

Speaking to reporters at the Oval Office, Trump, whose relationship with French President Emmanuel Macron has recently soured over Ukraine, said: "She was banned from running for five years, and she's the leading candidate -- that sounds like this country.

US sanctions 6 Chinese and Hong Kong officials over rights abuses

Washington. The US on Monday sanctioned six senior Chinese and Hong Kong officials for "transnational repression" and actions it said eroded the autonomy of Hong Kong, one of the first major moves by the new Trump administration to punish China over its crackdown on democracy advocates in Hong Kong."Beijing and Hong Kong officials have used Hong Kong national security laws extraterritorially to intimidate, silence and harass 19 pro-democracy activists who were forced to flee overseas, including a US citizen and four other US residents," the State Department said in a statement."Today, in response, the US is sanctioning six individuals who have engaged in actions or policies that threaten to further erode the autonomy of Hong Kong in contravention of China's commitments, and in connection with acts of transnational repression," it said. Western countries have criticised Beijing for imposing the national security law on Hong Kong and using it to jail prodemocracy activists, as well as shutter liberal media outlets and civil society groups.

Chinese and Hong Kong authorities say the law, which punishes subversion, collusion with foreign forces and terrorism with up to life in prison, has brought stability to the Chinese-controlled territory after large-scale anti-government protests there in 2019. The sanctions announced on Monday block any US financial assets belonging to the individuals, including Dong Jingwei, a former senior official at China's main civilian intelligence agency who is now the director of Beijing's Office for Safeguarding National Security in Hong Kong.

Defense Department to offer new round of voluntary resignations, retirements

WASHINGTON. The Defense Department is going to offer a new round of voluntary resignations and retirements to the civilian workforce, but details are slim.In a brief memo, Defense Secretary Pete Hegseth said the Pentagon would "immediately" offer voluntary early retirements and begin another deferred resignation plan. He warned that "exemptions should be rare," but provided no specifics on what the offers will look like or say whether they would go out to the entire civilian workforce of more than 900,000.

And, while he signed the memo on Friday, it wasn't released to Pentagon leaders until Monday, and there



was no information on when or how those offers will be distributed and when the deadlines will be.

Hegseth in the memo said he wants to use the voluntary programs in order to "maximize participation so that we can minimize the number of involuntary actions that may be required."The cuts are part of the broader effort by billionaire Trump adviser Elon Musk 's Department of Government Efficiency Service to slash the federal workforce and dismantle US agencies. In mid-March, a senior defense official said roughly 50,000 to 60,000 civilian jobs will be cut in the Defense Department, in an effort to reach the goal of a 5% to 8% cut in that workforce.

Fewer than 21,000 workers who took the first voluntary resignation offer are leaving in the coming months, the official said at the time, speaking on condition of anonymity to provide personnel details. In addition, the Pentagon hopes to slash about 6,000 positions each month by simply not replacing workers who routinely leave.

After Columbia, Harvard under antisemitism scrutiny, faces funding risks

Washington. Harvard University has become the latest target in the Trump administration's approach to fighting campus antisemitism, with the announcement of a new "comprehensive review" that could jeopardise billions of dollars for the Ivy League college. A federal antisemitism task force is reviewing more than USD 255 million in contracts between Harvard and the federal government to make sure the school is following civil rights laws, the administration announced Monday. The government will also examine USD 8.7 billion in grant commitments to Harvard and its affiliates. The same task force cut USD $400\,$ million from Columbia University and threatened to slash billions more if it Harvard President Alan Garber refused a list of demands from President Donald Trump's administration. Columbia agreed to many of the changes this month, drawing praise from some Jewish groups and condemnation from free speech groups, who see it as a stunning intrusion by the federal government.Dozens of other

universities have been put on notice by the Trump administration that they could face similar treatment over allegations of antisemitism. The federal government is a major provider of revenue for American universities through grants for scientific research.Education Secretary Linda McMahon said Harvard symbolises the American Dream, but has jeopardised its reputation by "promoting divisive ideologies over free enquiry" and failing to protect students from antisemitism.

"Harvard can right these wrongs and restore itself to a campus dedicated to academic excellence and truth-seeking, where all students feel safe on its campus," McMahon said in a statement.

acknowledged that antisemitism exists even on his campus in Cambridge, Massachusetts, but he said Harvard has done much to fight it."For the past fifteen months, we have devoted considerable effort to addressing antisemitism," Garber said in a statement. "We have strengthened

our rules and our approach to disciplining those who violate them."Harvard will ensure the government has a full account of the university's work, Garber said. If federal funding is pulled, he added, it will



"halt life-saving research and imperil important scientific research and innovation."The elite university is amongst more than 100 colleges and school systems facing investigations for antisemitism or Islamophobia following Hamas' October 7, 2023, attack against Israel. The Trump administration has promised tougher action

than its predecessor, naming antisemitism as the top priority for civil rights investigations. Monday's announcement didn't say whether the government had made any specific demands of Harvard. The Education Department, the Health and Human Services Department and the US General Services Administration are leading the review of its contracts and grants. Those agencies will determine whether orders to halt work should be issued for certain contracts between Harvard and the federal government, the government said. The task force is also ordering Harvard to submit a list of all contracts with the federal government, both directly with the school or through any of its affiliates."The Task Force will continue its efforts to root out anti-Semitism and to refocus our institutions of higher learning on the core values that undergird a liberal education," said Sean Keveney, acting general counsel for Health and Human Services. "We are pleased that Harvard is willing to engage with us on these goals.

China conducts military drills near Taiwan, calls its President 'parasite'

Taiwan's Defence Ministry said in a statement on Tuesday that China's Shandong aircraft carrier group had entered its response area on Monday, adding the group had dispatched military aircraft and ships and activated land-based missile systems in response.

world. China's military on Tuesday said it had begun joint army, navy and rocket force exercises around Taiwan to "serve as a stern warning and powerful deterrent against Taiwanese independence", calling Taiwan's President Lai Ching-Te a "parasite".

The exercises around the democratically governed island, which China views as its own territory and has never renounced the use of force to bring Taiwan's Defence Ministry said in a

under its control, come after Lai called Beijing a "foreign hostile force" last month.China detests Lai as a "separatist," and in a video accompanying the Eastern Theater Command's announcement depicted



him as cartoon bug held by a pair of chopsticks above a burning Taiwan."The focus is on exercises such as combat readiness patrols at sea and in the air, seizing comprehensive control, striking maritime and land targets and imposing blockade controls on key areas and routes," the Eastern Theater Command said on its official WeChat social media account.

statement on Tuesday that China's Shandong aircraft carrier group had entered its response area on Monday, adding the group had dispatched military aircraft and ships and activated land-based missile systems

in response."The Chinese Communist Party has continued to increase its military activities around Taiwan and in the Indo-Pacific region... and has become the biggest 'troublemaker' in the international community," the statement added. Taiwan's government did not immediately respond to a request for comment on China depicting Lai as a bug.A series of propaganda videos were released in quick succession after

the announcement, depicting Chinese warships and fighter jets encircling the island, Taipei being aimed at from above, and military vehicles patrolling city streets. A poster accompanying the drills titled "Closing In," and showing Chinese warships and fighter jets circling the island, was released shortly after the announcement on the

Khamenei adviser's ominous 'no choice but to get nukes' warning amid US standoff

world. In a stark warning, an adviser to Iran's Supreme Leader Ayatollah Ali Khamenei said on Monday that if attacked by the US or its allies, Tehran would have no choice but to pursue nuclear weapons for its defence.

The remark came after Khamenei vowed retaliation if the US followed through on President Donald Trump's threat to bomb the Islamic Republic should it refuse to curb its nuclear programme."We are not moving towards (nuclear) weapons, but if you do something wrong in the Iranian nuclear issue, you will force Iran to move towards that because it has to defend itself," Khamenei's adviser Ali Larijani told state television, as reported by France 24."Iran does not want to do this, but [it] will have no choice," Larijani, a veteran politician and nuclear negotiator, said."If at some point you (the US) move towards bombing by yourself or through Israel, you will force Iran to make a different decision, he added. Trump said o Saturday that "there will be bombing" if Iran does not agree to a nuclear deal, NBC News reported. The network also said he threatened to punish Tehran with "secondary tariffs."In response, Khamenei declared that the US would receive a "strong blow" if it followed through on Trump's threat."The enmity from the US and Israel has always been there.



"bad consequences" for Iran if it refuses to accept the

India is amazing from space, for sure going back to my father's home country: NASA astronaut Sunita Williams

Williams along with fellow astronaut Butch Wilmore, held their first joint press conference after returning to Earth from the SpaceX Crew-9 mission, where they had been stranded in space for over nine months.

NEW YORK. India is amazing from space, NASA astronaut Sunita Williams said and voiced optimism that she will visit her father's home country and share experiences about space exploration with people there.

Sunita made these remarks during a press conference Monday. She was responding to a question on how India looked from space when she was in the International Space Station and on possibility of her collaborating with Indian Space Research Organisation (ISRO) on space exploration.

'India is amazing. Every time we went

over the Himalayas, and I'll tell you, Butch got some incredible pictures of the Himalayas. Just amazing," Sunita said. The 59-year-old NASA astronaut and fellow astronaut Butch Wilmore addressed reporters at their



they returned to Earth as part of the SpaceX Crew-9 mission, having been stranded in space for over nine months."And you can see, like I've described it before, just like this ripple that happened, obviously when the plates collided, and then as it flows down into India. It's many, many colours," she said."I think, when you come from the east, going into like Gujarat and Mumbai, the fishing fleet

that's off the coast there gives you a little bit of a beacon that here we come, and then all throughout India, I think the impression I had was it was just like this network of lights from the bigger cities going down through the smaller

Just incredible to look at at night as well as during the day, highlighted, of course, by the Himalayas, which is just incredible as a forefront going down into India," she said.Sunita added that "I hope, and I think for sure, I'm gonna be going back to my father's home country and visiting with people and getting excited about the first, or not the first, but the Indian national who's going up on the Axiom Mission coming up, pretty awesome," she said. She made those remarks while referring to the Axiom Mission 4 (Ax-4) commercial astronaut mission to the International Space Station that will include Mission Pilot Shubhanshu Shukla of India.Lucknow-born Shukla will be India's second astronaut after former Indian Air Force officer Rakesh Sharma to go to space since 1984.

They threaten to attack us, which we don't think is very probable, but if they commit any mischief, they will surely receive a strong reciprocal blow," Khamenei said in a statement. Iran's UN ambssador, Amir Saeid Iravani, condemned what he called "warmongering provocations" in a letter to the UN Security Council. Iran "will respond swiftly and decisively to any act of aggression or attack by the United States or its proxy, the Israeli regime," he wrote.Meanwhile, statecontrolled Tehran Times reported that Iran has placed its underground missile arsenal in ready-to-launch mode to strike "US-related positions" if necessary. The newspaper said the country's missiles were stationed in fortified underground facilities capable of withstanding airstrikes. Amid increasing calls in Washington for Iran to dismantle its nuclear programme, Iranian officials rejected direct negotiations with the US while leaving the door open for indirect talks."We don't avoid talks; it's the breach of promises that has caused issues for us so far," Iranian President Masoud Pezeshkian said on Sunday. "They must prove that they can build trust." Following Iran's response, Washington reiterated its stance that it cannot allow Iran to develop a nuclear weapon. The US State Department warned of deal, asserting that the Trump administration's position

Trump's 'very kind' message ahead of tariff deadline: What's in store for India

US President Donald Trump, who vowed to impose reciprocal tariffs on all US trade partners, said that he could make the announcement as early as Tuesday night or Wednesday morning.

world. US President Donald Trump has pledged a "very kind" yet firm approach towards all trading partners, including India, as he is all set to unveil new reciprocal tariffs on April 2. The White House has recently pointed to New Delhi's 100 per cent tariff on American agricultural

products, arguing that such high levies make it "virtually impossible" for US exports to compete.The Republican billionaire, who has wielded unprecedented executive powers since his inauguration in January this year, has maintained that reciprocal measures are essential as the world's largest economy has been "ripped off by every country", vowing a "Liberation Day" for the United States. Speaking to reporters, Trump said, "We're going to be very nice, relatively speaking, we're going to be very kind. You're going to see in two days, which is maybe tomorrow night or probably Wednesday".Furthermore, Trump also suggested that the tariffs might extend to specific sectors, with industries such as pharmaceuticals and semiconductors possibly being affected.

INDIA-US TRADE TIES The White House has said that India imposes 100 per cent tariff on American agricultural products, arguing that such high levies, along with those imposed by other nations, make it "virtually impossible" for US exports to compete. Trump has repeatedly condemned India's steep tariffs on American goods, calling them unfair trade barriers."If you look at the unfair trade practices - we have 50 per cent (tariff) from the European Union on



American dairy and a 700 per cent tariff from Japan on American rice. You have a 100 per cent tariff from India on American agricultural products and nearly 300 per cent from Canada on American butter and cheese. So it's time for reciprocity, and it's time for a president to make a historic

change, to do what's right for the American people," White House Press Secretary Karoline Leavitt said. However, India has agreed to finalise part of a bilateral trade deal with the US by this year, but neither side has given indications of any tariff exemptions, according to news agency AFP. Some reports also suggest that New Delhi has offered to cut tariffs on imports of US farm products like almonds and cranberries, hoping to strengthen trade ties with the US.Last month, Trump praised Prime Minister Narendra Modi, calling him a "very smart man" and exuding confidence that ongoing trade discussions between India and the US would yield positive results."Prime Minister Modi was here just recently, and we've always been very good friends. India is one of the highest-tariffing nations in the world... They're very smart, Trump said. "He is a very smart man and a great friend of mine. We had very good talks. I think it's going to work out very well between India and our country. And I want to say you have a great Prime Minister".

Ravindra Jadeja's Insta story after CSK's loss to RR goes viral: Things will change

IPL 2025, LSG vs PBKS predicted XI, fantasy picks: Players who can fetch you most points

New Delhi Lucknow Super Giants (LSG) and Punjab Kings (PBKS) are all set to take on each other in Match 13 of the Indian Premier League 2025 (IPL 2025) on Tuesday, April 1 at BRSABV Ekana Cricket Stadium, Lucknow. Both teams are coming into the fixture having won their respective last matches. Lucknow beat Sunrisers Hyderabad (SRH) by five wickets to register their first win of the season after losing a close game against Delhi Capitals (DC). Shardul Thakur (4/34) played a crucial role for

Lucknow to keep SRH under 200, restricting them to 190/9 in 20 overs. With the bat, Mitchell Marsh (52 off 31) and Nicholas Pooran (70 off 26) led the charge, helping their team win by five wickets. On the other hand, Punjab Kings beat Gujarat Titans to begin their campaign on a winning note, defending a score of 243/5. Punjab rode on captain Shreyas Iyer's innings of 97* (42) to post a humongous score and later successfully defended it courtesy of some tight bowling by Arshdeep Singh (2/36) and Vijaykumar Vyshak (0/28).Hence, having



opened their accounts on the points table in their respective last games, both teams will be eager to continue their winning momentum in the upcoming fixture. Both sides have several match winners who can turn the game in their team's favour and are likely to emerge as top performers in the highly anticipated encounter.LSG vs PBKS, IPL 2025: Predicted playing Xis

Lucknow Super Giants: Mitchell Marsh, Aiden Markram, Nicholas Pooran, Rishabh Pant(w/c), Ayush Badoni, David Miller, Shahbaz Ahmed, Shardul Thakur, Ravi Bishnoi, Avesh Khan, Prince Yadav Impact Player: Digvesh Rathi

Punjab Kings: Prabhsimran Singh (w), Priyansh Arya, Shreyas Iyer (c), Shashank Singh, Marcus Stoinis, Glenn Maxwell, Suryansh Shedge, Lockie Ferguson/Azmatullah Omarzai, Marco Jansen, Arshdeep Singh, Yuzevndra Chahal

Impact Player: Vijaykumar Vyshk LSG vs PBKS, IPL 2025: Top fantasy picks The Ekana Stadium in Lucknow often provides a good balance between bat and ball as spinners are able to get good assistance

KKR's Ramandeep Singh voices out against megaauction after MI thrashing: They are disheartening

New Delhi. Kolkata Knight Riders' batter Ramandeep Singh is not happy with the mega-auction in the Indian Premier League. Ramandeep voiced his concerns about the mega-auction after the 2024 champions were hammered by Mumbai Indians in their 3rd match of the 2025 season. He mentioned that after winning the championship last year, they had to change their entire team due to the mega-auction. The Indian Premier League allows only a few players to be retained every three years. In last year's mega auction, KKR retained 6 players (4 capped and 2 uncapped) and had to rebuild the rest of the team after winning the championship. Speaking at the post-match presentation ceremony, Ramandeep said that teams were still trying to find their perfect combination this season.



"Mega auctions are disheartening. You set a combination, and then every three years you have to change the team. But that is not an excuse; teams will try and find their winning combinations as quickly as possible, and we are trying to find our winning combination as

well," Ramandeep said after the match on Monday.KKR have played three matches this season, winning 1 and losing two games. KKR lost their opener at home against Royal Challengers Bangalore as they were outplayed by the Rajat Patidar-led side. After that, the team travelled to Guwahati and beat Raiasthan on their home turf. Against MI, the KKR batting imploded as Trent Boult, Deepak Chahar, and debutant Ashwani Kumar rocked the defending champions with pace.KKR captain Ajinkya Rahane spoke about the same and said that the team needed partnerships to stay in the game."Collective batting failure. It was a good wicket to bat on, as I mentioned in the toss. 180-190 would have been good on this wicket. It has a very good bounce. Sometimes you have to use the pace and bounce. We got to learn really fast from this game," Rahane said after the match. The team will now travel home, where they will take on Sunrisers Hyderabad on April 3. KKR would hope to make a comeback against the Pat Cummins-led side, whom they beat thrice last season.

IPL 2025: A day after Chennai Super Kings flopped in Guwahati, Ravindra Jadeja shared an Instagram story, promising fans of a strong comeback. He shared a photo of himself and MS Dhoni from Sunday's defeat to Rajasthan

New Delhi. All-rounder Ravindra Jadeja sent a message to Chennai Super Kings fans via an Instagram story, a day after their defeat to Rajasthan Royals in an IPL 2025 match in Guwahati on Sunday, March 30. Jadeja shared a photo of himself with MS Dhoni in the middle, promising a turnaround in rough start to the new season.Jadeja captioned the post: "Things will change." The Instagram story quickly went viral, with

Royals.



several CSK fans sharing it on X, hoping for a swift resurgence. It appeared to be an emotional post from Jadeja, as the image was from his partnership with Dhoni—one that ultimately fell short in their chase of 183 against the Royals on Sunday. IPL 2025 Coverage | IPL Points Table | IPL Schedule

fortunes for the Super Kings after their Jadeja faced criticism on social media for his inability to accelerate in the tense chase. He remained unbeaten on 32 off 22 balls, but his effort was not enough. He and Dhoni came

together when CSK required 53 runs from the last 25 deliveries. However, both struggled to find momentum, playing out tight overs before attempting big hits in the final two overs.CSK needed 20 runs in the last over when Sandeep Sharma got the wicket of MS Dhoni (16 off 11 balls) to end their hopes. CSK eventually fell short of the total by 6 runs, slipping to their second successive defeat.CSK's defeat to Rajasthan Royals came days after they suffered their

biggest loss at home -- by 50 runs to Royal Challengers Bengaluru. CSK's batting intent has been severely criticised. In both defeats so far in IPL 2025, the Super Kings have struggled in the powerplay with the likes of Rachin Ravindra and Rahul Tripathi not finding their rhythm so far. Captain Ruturaj Gaikwad hit 63 off 44 deliveries, but his effort went in vain against the Rajasthan

Head coach Stephen Fleming has played down the chatter around MS Dhoni's batting position in IPL 2025. The former captain was criticised for walking in at No. 9 in CSK's defeat to RCB. On Sunday, Dhoni walked in at No. 7, but was unable to do the finisher's job."It's a time thing. MS judges it. His body, his knees aren't what they used to be. He's moving okay but there's still a nutrition aspect to it. He can't bat 10 overs running full stick. So he will gauge on the day what he can give us," Fleming said on Sunday."If the game's in the balance like today, he will go a little bit earlier and he backs other players when other opportunities are up. So he's balancing that. I said it last year, he's too valuable to us, (with his) leadership and wicket keeping, to throw him in at 9-10 overs," he added.

LSG vs PBKS Match Preview, IPL 2025: Rishabh Pant, Shreyas Iyer battle it out

New Delhi . The Lucknow Super Giants welcome Punjab Kings to the Ekana LSG vs PBKS predicted XI, fantasy picks stadium on Tuesday, April 1 in the IPL 2025 A thrilling contest is in store for everyor campaign. Both teams caught the eye of everyone with their aggressive brand of Pant vs Shreyas

cricket in the early stages of the campaign, but the bowlers also stood up.Lucknow started with a heartbreaking loss to Delhi Capitals in their opening match in Vizag but bounced back in stunning fashion against the rampaging Sunrisers Hyderabad in their next match. Shardul Thakur has been the star with the ball for LSG while Nicholas Pooran has been sensational at No.3 for the side with back-to-back fifties.For PBKS, Project Punjab got off to a sensational start as captain Shreyas Iyer led from the front with an

unbeaten 97 against Gujarat Titans. Shashank Singh and Priyansh Arya also chipped in with the bat while the bowling was disciplined on a high-scoring Ahmedabad pitch. While Yuzvendra Chahal had a lukewarm start in PBKS colours, we can expect him to have some assistance on the Ekana track, which is slow and assists

A thrilling contest is in store for everyone as Lucknow opens its doors to IPL 2025.



The main focus of this match will be Pant and Shreyas going face to face. These two have a lot of history between from their time in Delhi. Shreyas was Pant's captain at first before the roles reversed. They would then go at it in the past few seasons playing for different teams and now have big price tags attached to them. Pant was the costliest buy

in the history of the IPL auction while Shreyas was second and both men have had contrasting starts to their 2025 season. The LSG captain has struggled to get going with the bat and has scores of 0 and 15 so far in the 2 matches he has played.

Shreyas, on the other hand, was flamboyant in his knock against GT, where he sacrificed a well-deserved hundred for the team's cause and got them over the line. The 2024 titlewinning captain is aiming to make PBKS win their first championship and a battle with his former teammate could be an acid test of his credentials

Which bowling attack can make the most of Lucknow tarck?

The IPL has all been about the big scores this season and it seems like a 200+ score is always on the cards. These

two teams have shown that they aren't going to fall behind the trend but the Ekana pitch may have other ideas.Lucknow has been known to be a slow track in the past with an average score of 169 runs. So, expect this not to be a run-fest but more of which bowling attack will step up to the task.

Ryan Ricketon reveals Ashwani Kumar's special trait: He's a lot quicker than he looks

New Delhi . South Africa and Mumbai Indians (MI) wicketkeeper batter Ryan Rickelton said that Ashwani Kumar is a lot quicker than people think of him to be. The left-arm seamer had a dream IPL debut against Kolkata Knight Riders (KKR) as he picked four wickets to dismantle their batting lineup on Monday, March 31, at Wankhede Stadium, Mumbai.

The 23-year-old dismissed Ajinkya Rahane, Rinku Singh, Manish Pandey and Andre Russell to register figures of 4/24 in three overs. He became the first Indian player to scalp four wickets on his IPL debut. Courtesy of his performance, MI bundled out KKR for 116 and later chased down the target in 12.5 overs to register their first win of the season. Following his match-winning performance, Ryan Rickelton shared some insights on Ashwani as a wicketkeeper. The wicketkeeper batter praised his ability to swing the ball and also have a second plan ready while bowling with the old ball.

'He's a lot quicker than I think people recognise at first, so I think that's a great attribute he has and he can swing the new ball. It's obviously



Hardik Pandya slammed for MI scouts praise: Fans remind captain of 2022 statement

New Delhi. Mumbai Indians skipper Hardik Pandya recently praised the franchise's scouts for their relentless efforts in unearthing young talents after their win against Kolkata Knight Riders on Monday, March 31. Pandya specifically lauded the scouts for bringing in Ashwani Kumar into the set-up, who clinched the player of the match award on his IPL debut vs KKR. However, while Pandya's appreciation resonated with many, others on social media were quick to remind him of his contradictory statements from 2022. Back in 2022, after he had left Mumbai to join Gujarat Titans, Hardik had expressed a contrasting viewpoint about MI's scouting system. Speaking in an interview, he had said that Mumbai did not scout players for the IPL, and rather bought the best players who would later help the franchise win matches. He had contrasted MI's process with Chennai Super Kings, who, as per Pandya, brought talented players to the franchise and made them into matchwinners by keeping them in a positive dressing room."There are two kinds of successful teams. One is to get the best



people possible from A-B, which I believe is what MI had. Or have the best environment possible for you to win - which has been CSK types, where no matter who the players are, you get the best out of them. That was more inspiring to me," Hardik said in an interview for IPL back in 2022.Pandya essentially argued that Mumbai won matches by signing the best players from the league, while CSK had a culture of creating top players through their system. However, after MI's win against KKR in 2025,

Pandya's words struck a completely different tone. "First of all, it's all because of the scouts. All MI scouts have gone all the places and picked these young kids, Hardik said after MI vs KKR in 20 25.Fans were quick to point out the apparent flip-flop, questioning his sincerity and reminding him of his stance just three years prior. The MI Scouting LegacyIronically, both Hardik and Krunal were products of the MI scouting

system, and Hardik went on to win four IPL titles with the franchise before leading Gujarat Titans to their maiden title in 2022 Overall, Mumbai Indians have a welldocumented history of scouting and nurturing talent, with players like Jasprit Bumrah, the Pandya brothers, Ramandeep Singh, and Tilak Varma all rising to prominence under MI's wing.

quite tough, we've got two specialist swing bowlers with the new ball as well, but to have that second plan without that swing factor was, was really impressive. Like I said, he's a lot quicker than you think and he rushes you a little bit lower as well. So, yeah, he's a great addition obviously to the group and I think the wicket can suit him. Yeah, I'm looking forward to seeing if he gets an opportunity with a new ball to see that other set of skills come through," said Ricketlton in the postmatch press conference.

Wanted to contribute to the team: Rickelton Furthermore, the southpaw also revealed that there was no pressure from the management to perform but he always wanted to do well for the team while opening with Rohit Sharma.

'I don't think there was any pressure. I think it's more internal pressure that comes with it. Obviously, you're opening the batting for the Mumbai Indians with Rohit Sharma.

Indian women's team legend Vandana Katariya announces international

- *Katariya has scored 158 goals in 320 appearances for India
- The 32-year-old is the only Indian female player to score a hat-trick at Olympics
- -Katariya said that it was the right time for her to move on

New Delhi Indian women's hockey team legend Vandana Katariya has announced her international retirement on Tuesday, April 1. Katariya, who made her debut in 2009, was a part of the team that finished fourth at the Tokyo Olympics 2020. The 32-year-old made history in Tokyo as she became the first and the only Indian female player to score a hat-trick at the games.Katariya is also the most capped player in Indian women's hockey as she has made 320 international appearances and scored 158 goals during this time. Throughout her 15-year career for the national team, Katariya has represented India in two Olympic Games (Rio 2016, Tokyo 2020), two FIH Hockey Women's World Cups (2018, 2022), three Commonwealth Games (2014, 2018, 2022), and three Asian Games (2014, 2018, 2022).

The 32-year-old played a pivotal role in helping India secure Gold medals at the Women's Asian Champions Trophy (2016, 2023) and the FIH Hockey Women's Nations Cup (2022), Silver medals at the Asian Games 2018, Women's Asian Champions Trophy Japan 2013, and Women's Asian Champions Trophy Donghae 2018, along with Bronze medals at the 2022 Commonwealth Games,



the 2014 and 2022 Asian Games, and the FIH Hockey Pro League 2021-22. The decision wasn't easy, but I know it's the right time'Katariya commented on her retirement

and said, while the decision wasn't an easy one it was the right time for her to step away fromn international

This decision wasn't easy, but I know it's the right time. Hockey has been my life for as long as I can remember, and wearing the Indian jersey was the greatest honour. But every journey has its course, and I leave with immense pride, gratitude, and love for the sport. Indian hockey is in great hands, and I will always be its biggest supporter," said Katariya.Katariya also thanked her coaches, teammates and Hockey India for supporting her during her international career."I want to thank my coaches, teammates, support staff, Hockey India, my family, and all the fans who have supported me over the years.

Every cheer, every message, every word of encouragement meant the world to me," said

Wednesday, 02 April 2025

Sandeep Reddy Vanga Scouting Locations In Mexico For Prabhas' Spirit: Report



ooks like Sandeep Reddy Vanga is on a mis - quite literally! The Animal director has packed his bags and flown all the way to Mexico, scouting locations for his next biggie, Spirit, starring Prabhas. Ever since Spirit was announced, Prabhas' fans have been eagerly waiting for any news. Well, Vanga just delivered!

Reports say that on Ugadi, the filmmaker revealed that he and his team recently travelled to Mexico to check out filming spots. And here's the best part—a major chunk of the movie is going to be shot there. But wait, there's more! The team is apparently planning another trip to Mexico before filming officially kicks off.

But hey, before we get too excited, there's no official confirmation just yet. Fans will have to hang tight for an official announcement on all these juicy updates. Meanwhile, the rumour mill is also buzzing about Spirit's villain! Word on the street is that the makers are in talks with none other than Vijay Sethupathi for a key role. Negotiations are apparently still in progress.

According to sources close to the development, Vanga has nearly completed the script of Spirit and is preparing to bring his vision to life. "This is Sandeep Reddy Vanga's most commercial film to date, designed to redefine the cop thriller genre. He has crafted a unique storytelling approach within the framework of an intense cat-and-mouse chase. The aim is to deliver an action-packed cinematic experience that will leave audiences spellbound," the source had earlier revealed.

Adding to the excitement, Prabhas is reportedly undergoing rigorous training to embody his character, an honest yet complex cop. "Audiences will see a completely transformed Prabhas in Spirit. He is committed to achieving a leaner physique to do justice to the role and has already started preparing. He has allocated bulk dates to Bhushan Kumar and Sandeep Reddy Vanga, with filming kicking off in Hyderabad before moving to multiple locations across India and abroad," the source

Meanwhile, on the work front for Prabhas, he is all set to entertain fans with a jam-packed lineup of films! Up next, he's gearing up for The Raja Saab, a romantic comedy-horror directed by Maruthi. He's reportedly playing a triple role with Sanjay Dutt as the villain and Nidhhi Agerwal, Malavika Mohanan, and Riddhi Kumar in key roles.

Kis Kisko Pyaar Karoon 2 Poster Out: Kapil Sharma Is A Confused Groom With His Mystery Bride



apil Sharma is back to tickle your funny bone, and this time, he's bringing even more shaadi confusion. The first poster of Kis Kisko Pyaar Karoon 2, a sequel to the cult 2015 film, released on the occasion of Eid today, March 31, 2025. After announcing the film's shoot, the makers have now dropped an exciting first look, featuring Kapil as a confused groom—again! Instead of his multiple wives from the first film, this time he's posing with just one mystery bride.Starring Kapil Sharma and Manjot Singh, the film promises to bring back the signature comedy and chaos that made the first installment a hit. Sharing the first poster, Kapil wrote in the caption, "Eid Mubarak #KKPK2."



Directed by Anukalp Goswami, Kis Kisko Pyaar Karoon 2 is produced by Ratan Jain, Ganesh Jain, and Abbas-Mustan under Venus Worldwide Entertainment in association with Abbas Mustan Film Production.

Back in January, Kapil Sharma treated fans to a series of photos from the shoot and pooja ceremony of Kis Kisko Pyaar Karoon 2. He also revealed that the sequel was happening purely due to public demand.

The first Kis Kisko Pyaar Karoon was not just Kapil Sharma's big-screen debut, but also a full-on comedy rollercoaster that had audiences in splits! Now, he's reuniting with the dynamic filmmaker duo Abbas-Mustan for round two.Fukrey fame Manjot Singh is the new addition to the cast. Kis Kisko Pyaar Karoon was all about Kapil Sharma's character struggling to keep up with three wives, and while the logic of it all raised a few eyebrows, the film still managed to tickle funny bones. Critics had mixed reactions, but audiences, especially Kapil's fans, turned it into a surprise box-office hit! Made on a modest budget of 15 crore, it went on to rake in 49.38 crore in India.



Neha Kakkar Says 'Maa Goddess Is Behind Her' After Melbourne Concert Organisers Expose Her Teha Kakkar has been hitting headlines ever since her Melbourne concert wherein she arrived three hours late for her performance. The singer had later blamed the event organisers for running away with her money. However, the show organisers, Beats Production, hit back at Kakkar while accusing her of causing them a Rs 4.52 crore loss. Amid this, Neha took to her Instagram account to share a cryptic post.On the occasion of Gudi Padwa on March 30, 2025, Neha Kakkar shared two photos of herself wearing a beautiful pink salwar suit. She is seen sitting behind the mandir space in her house. In the caption, Kakkar wrote, She's Blessed Because There's always Maa ioddess behind her!! Happy Navratri Everyone!"Neha Kakkar recently made headlines after arriving three hours late to her concert in Melbourne, facing an upset crowd that booed her and even asked her to leave. A video of the singer breaking down on stage and apologizing quickly went viral. Later, Neha clarified in a statement that the real issue was the event organisers, who allegedly disappeared without making payments. She revealed that her band was left without basic necessities like food, water, or hotel accommodations. Despite the chaos, she said they

still performed for the fans who had come to see

Veha Kakkar had said in her statement, "Do you all

know that I performed absolutely free for my

Melbourne audience? The organisers ran away with

my money and others too. My band was not even

given food, hotel and even water. My husband and

his boys went and provided them food. Inspite of all

of this we still went on stage and did the show without any rest or anything because there my fans were waiting for hours for me."

ut that is because she knows what is her right in my life. But seeing get possessive of me, people misunderstand her. She is like that

> The show organisers, in response, released a detailed expense report for Kakkar's concerts in Sydney and Melbourne, claiming that due to her 'unprofessionalism,' they have been banned from performing at the Margaret Court Arena. They also alleged that they have been barred from Crown



Towers in both Sydney and Melbourne after Neha was caught smoking in the artist room, which is strictly prohibited in Australia. During a Facebook Live session on March 28, the organisers addressed Neha Kakkar's claims of not being provided food, water, or hotel accommodations, stating that all necessary arrangements had been made. To support their claim, they shared a video on Instagram showing Neha arriving at the airport, meeting the organisers, and being escorted to her car-with multiple cars arranged for her comfort.